जयपुर

# माहेश्वरी पत्रिका

वर्ष 11 | अंक 5 | अक्टूबर 2020 | मूल्य ₹ 10

## दीपावली पर आपके घर लक्ष्मी पधारें, आप स्वस्थ रहें, यही मंगल कामना

1500 किलो सोने से बने वेल्लोर के श्रीपुरम् मंदिर में विराजित
72 किलो सोने की महालक्ष्मी प्रतिमा

अनुभवी चिकित्सकों द्वारा परामर्श

**कोविड-19 हेल्पलाईन सेवा**

निःशुल्क प्रारम्भ

# माहेश्वरी चाय

## आपके कप की चाय

## त्यौहारों की उमंग...माहेश्वरी चाय के संग

हमारा इरादा,
आपकी संतुष्टि
ज्यादा से ज्यादा

प्रत्येक 5 किलो
माहेश्वरी चाय की खरीद पर
पायें एक स्क्रेच कार्ड और जीतिये

**रु. 10 से 10,000 तक**
नकद ईनाम*

योजना 17 अक्टूबर 2020 से 15 जनवरी 2021 तक

ग्रीन-टी
भी उपलब्ध

स्थापित 1961

## माहेश्वरी टी कम्पनी प्रा. लि.

नाहरगढ़ रोड, चांदपोल बाजार, जयपुर ( राज. ) फोन : 0141-2740919, 2312723
E-mail : contact@maheshwaritea.com • www.maheshwaritea.com

माहेश्वरी चाय
के अलावा
अन्य कोई उत्पादन
हमारी कम्पनी का
नहीं है।

SIDDHI

**नकली पैकिंग एवं मिलते-जुलते नाम से सावधान !!!**

।। श्री हरी ।।

## दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

MTC
Since-1985

# माहेश्वरी® मेवा

BEST QUALITY MTC FIXED RATE

## अब विद्याधर नगर में भी...

केसर

चाय मसाला

स्पेशल हींग

**सुखे मेवे, किराणा व शुद्ध मसालों के थोक विक्रेता**

ड्राईफ्रूट आकर्षक
गिफ्ट पैक में उपलब्ध

# माहेश्वरी मेवा स्टोर

जी-5, वैंकटेश्वर टॉवर, सिने स्टार के पास, सेन्ट्रल स्पाईन, विद्याधर नगर, जयपुर-302039
मो. : 9314508200

# माहेश्वरी टी कॉर्पोरेशन

दीनानाथ जी का रास्ता, चांदपोल बाजार, जयपुर,
फोन: 0141-2326112 ( ऑ. ), मोबाइल: 9799908200, 9610517000

E-mail : maheshwarimewa@gmail.com

SIDDHI

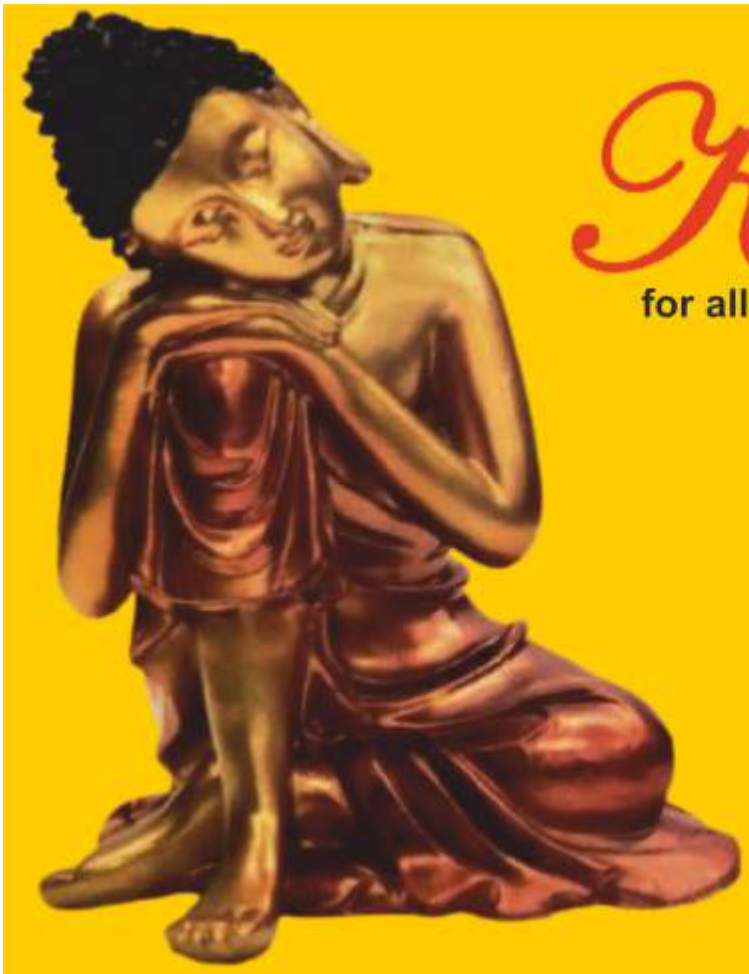

Kasha
for all seasons Interior
A Showroom by
Aparna Malpani
We decorate your space with ......
Budha | Artefacts | Candels Holders
Candels | Paintings | Murals & Wall Pannels
Dry Flowers | Artificial Flower & Plants
Wooden Vases | Ceramic & Glass Vases
Platters | Mirror Frames | Wooden Bowls
Wall Clocks | Wooden & Stones Planters
Kasha Showroom
Near - Parnami Mandir, Rajapark, Jaipur
Telephone : 0141-2624090 • Mobile: 98290 13240
Reg. Office :
2091, Opp. Red Elephant Temple, Nahargarh Road,
Chandpole Bazar, Jaipur
Tel. : 0141-2322697 • Telefax : 0141-2320416
Factory :
F-130, Industries Area, Kaladera, Distt. Jaipur (Raj.) India
Email: aparnartncraft@gmail.com
www.aparnartncraft.com or www.kashainterior.com

# जीवन में रंग भरते हैं पर्व

प्रदीप बाहेती

जीवन विविधताओं से भरा होता है, उसमें अनेक रंग होते हैं। कभी खुशी, कभी गम, कभी दिन, कभी रात। पर्व सारे गम, सारे अंधेरों को दूर कर देते हैं, उदासी का कुहासा छंट जाता है, जीवन उमंग से भर जाता है। परेशानियों के बीच भी लोग किसी न किसी तरह पर्व मनाने में कोई कमी नहीं रखते। कुछ देर के लिए ही सही, वह अपने दु:ख भूल जाता है। पिछले छः-सात माह से कोरोना ने लोगों की खुशियां छीन ली हैं। अनेक लोगों के व्यवसाय पर असर पड़ा, कइयों की नौकरी पर बीती। अनेक को उनके प्रियजन छोड़कर अनन्त यात्रा पर चले गए।

जीवन का यह क्रम निरन्तर चलता रहता है। ऐसे में पर्व ही उसके जीवन की नीरसता दूर करते हैं। पर्व उसे अहसास कराते हैं कि दुनिया में सिर्फ गम ही नहीं हैं, खुशियां भी हैं। हमारे त्योहार मानवीय गुणों को स्थापित कर लोगों में प्रेम, एकता और सद्भावना का संदेश देते हैं। त्योहार हमारी संवेदनाओं के ऐसे रूप हैं, जिन्हें बार-बार मनाना हमें अच्छा लगता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी त्योहारों के रंग में रंग जाते हैं।

नवरात्र से लेकर दीपावली, भाई-दूज तक त्योहारों की लंबी शृंखला है। इस बीच बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक दशहरा यानी विजयादशमी पर्व भी आया। दीपावली तो अंधकार पर प्रकाश के विजय का पर्व है ही। दीपावली सहित सभी पर्व हमें यह संदेश देते हैं कि हम मिल-जुलकर उल्लासपूर्वक उन्हें मनाएं। आपस के वैमनस्य को दूर करें। सबके प्रति कल्याण की भावना रखें।

पर्व मनाते समय हमारी यह भी जिम्मेदारी है कि हम ऐसे लोगों की जिंदगी में उजाला भरें, जो अंधकार में जी रहे हैं। असहायों के आंसू पोंछें, यही सबसे बड़ी खुशी है।

सभी को नवरात्र, विजयादशमी और दीपावली की शुभकामनाएँ।

कोरोना से बचाव और
पर्यावरण की रक्षा के लिए
पटाखों से बचें
सिर्फ दीपक जलाएं।

kanha®
Great Taste Comes Alive

# Great Taste Comes Alive

**ROSSOGOLLA**
Available in : 3.8 kg I 1kg

**GULAB JAMUN**
Available in : 3.8 kg

**MALPUA**
Available in : 1kg

**KESAR ANGOORI PETHA**
Available in : 1kg

**SUJI RUSK**
300g

**SUJI RUSK**
80g

**PREMIUM BAKE RUSK**
300g I 200g

**ATTA LADOO**
Available in : 400g

**BESAN LADOO**
Available in : 400g

**VEG GHEE SOAN PAPDI**
Available in : 800g I 400g I 200g

**DESI GHEE SOAN PAPDI**
Available in : 800g I 400g I 200g

**CHANA BADAM**
Available in : 500g

**SHUBH MILAN**
**Net Weight :** 600g
Veg Soan Papdi 400g & Masti Mix 200g

**ATOOT BANDHAN**
**Net Weight :** 1.80kg
Rassogolla 1kg, Veg Soan Papdi 400, Samosa 200g & Navrattan 200g

**SHUBH KAAMNAYEIN**
**Net Weight :** 1.8kg
Rossogolla 1kg, Veg Soan Papdi 400g, Navrattan 200g & Khatta Meetha 200g

**EK MEETHA DO NAMKEEN**
**Net Weight :** 800g
Veg Soan Papdi 400g, Navrattan 200g & Bhujia 200g

**ABHINANDAN**
**Net Weight :** 650g
Masti Mix 200g, Chana Badam 250g
Cocktail Samosa 200g

**PARAMPARA**
**Net Weight :** 600g
Panjiri Ladoo 400g, Bhujia 200g

**SHAHI ANDAAZ**
**Net Weight :** 1.25g
Rassogolla 500g, Veg Soan Papdi 200g, Laung Sev 200g, Navrattan 200g
Punjabi Tadka 150g

**HAPPY MOMENTS**
**Net Weight :** 900g
Ajwain Cookies 225g, Creamy Coffee Cookies 225g, Choco Chip Cookies 225g, Pista Badam Cookies 225g

**MANUHAR**
**Net Weight :** 400g
Veg Soan Papdi 200g, Bhujia 200gm

**FESTIVAL TREAT**
**Net Weight :** 775g
Navrattan 200g, Masti Mix 200g, Ajwain Cookies 150g, Rich Fills Cookies 75g, Coconut Cookies 150g

**KHATTA MEETHA**
200g Rs. 10 & 5 Pack

**NAVRATTAN**
1kg I 400g I 200g Rs.10 & 5 Pack

**RAITA BOONDI**
400g | 150g

**BHUJIA**
1kg I 400g8 I 200g | Rs.10 & 5 Pack

**MOONG DAL**
400g I 200g | Rs. 10 & 5 Pack

**MASTI MIX**
400g I 200g | Rs. 10 & 5 Pack

Manufactured & Marketed By :
Sanwaria Sweets Private Limited. F 837-838, RIICO Industrial Area, Phase III, Sitapura, Jaipur-302022, Rajasthan (INDIA)
For Enquiry Call No. +91 9785401326 | www.kanha.co | sanwariasweets@gmail.com

# आकार में विकार पैदा करने की प्रवृत्ति छोड़े

**प्रदीप बाहेती**

व्यक्ति समाज में रहता है, समाज से अलग उसका कोई अस्तित्व नहीं होता। इसलिए समाज के प्रति उसकी कुछ जिम्मेदारी भी होती है। इसमें मुख्य है सेवाभाव। समाज सेवा का मंच होता है, राजनीति या विवाद का नहीं। जिस समाज में राजनीति होती है, वह कभी उन्नति नहीं कर पाता। हमारे आधार स्तंभ और पूर्वज यदि इस तरह की राजनीति करते, तो समाज का स्वरूप यह नहीं होता, जो आज है। कुछ लोगों की प्रवृत्ति यह होती है कि वे हमेशा दूसरों में गलतियां निकालते रहते हैं। किसी के अच्छे काम उन्हें नजर नहीं आते। उनकी छिद्रान्वेषण की यह प्रवृत्ति समाज का बहुत नुकसान करती है। ऐसे लोगों को स्वयं के भीतर झांककर देखना चाहिए, अपने संदर्भ में देखें, तो अवश्य वह दूसरों के साथ न्याय कर सकेंगे। मीन-मेख निकालने को ध्येय न बनाकर समाज के विकास में भागीदारी निभाने का उद्देश्य होगा, तो समाज के साथ वह न्याय कर पाएंगे। समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी पूरी होगी।

कुछ लोग अपने स्वार्थ के अलावा कुछ नहीं सोचते। समाज और स्कूलों के विज्ञापन नहीं देने से रुष्ट एक समाचार पत्र ब्लैकमेलिंग करने की नियत से आधारहीन व गलत तथ्य छापकर समाज की एकता, अखंडता और भाईचारे को नुकसान पहुंचा रहा है। यह समाचार पत्र मात्र 200-300 प्रतियां छापकर लोगों को इन समाचारों के जरिए गुमराह कर रहा है। यह समाचार पत्र एक दीमक की तरह संबंधों को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। समाज के प्रबुद्धजनों के छपे बयान को लेकर भी मैंनें उनसे व्यक्तिशः बात की, तो उन्होंने भी इस तरह के बयान इस समाचार पत्र को देने से मना किया।

मेरा हमेशा यह प्रयास रहा है कि सभी से संवाद बनाकर रखा जाए। समाज संबंधित किसी कार्य के प्रति यदि किसी को कोई शंका हो, जिज्ञासा हो, तो उसके निवारण के लिए प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से रात्रि 8 बजे तक समाज कार्यालय में मैं हमेशा आपके लिए उपलब्ध हूँ। समाज आपसे एकत्र किए गए एक-एक रुपए से चलता है। मेरी जिम्मेदारी है कि इसमें एक भी पैसा बर्बाद नहीं हो। मैं अपने कार्यकाल में ऐसे ब्लैकमेल करने वाले समाचार पत्र को आपका कीमती धन फिजूल के विज्ञापन पर खर्च नहीं कर सकता, यह मेरा वादा है।

**समाज के उत्थान में सदैव आपके सहयोग की अपेक्षा के साथ.....**

# ॐ केटर्स

## A Sweet Shop

## (A UNIT OF OM SODHANI)

# !! दीपावली स्पेशल !!

| | |
|---|---|
| Kesar Kaju Katli | 650 |
| Kaju Katli | 500 |
| Badam Katli | 750 |
| Gulab Sakri (Thali) | 600 |
| Gulab Jamun | 300 |
| Rasgulla | 200 |
| Mawa Barfi | 300 |
| Special Moong Chakki | 320 |
| Moong Dal Halwa | 400 |
| Badam Halwa | 800 |
| Kaju Kalash | |

And all other sweets available!

Premium Sweets Collection

**Kaju Kalash**
**Kaju Kesar Katli**

Gulab Sakri (Thali)

Mawa Cake

Free Home Delivery on Orders Above Rs. 1000/-

D-2, Om Catters, Jp Colony, Tonk Phatak, Jaipur

Contact:- 96806-58815, 94143-58815

Payment Modes: COD, Card, Paytm, Other UPI Payments

All Covid-19 Measures Are Followed As Per Govt. Regulations

वर्ष 11 | अंक 5 | अक्टूबर, 2020
RNI NO. RAJBIL/2010/36984

2621644
2623500
2621100

जयपुर
# माहेश्वरी पत्रिका
JAIPUR MAHESHWARI PATRIKA
प्रशासनिक कार्यालय : तृतीय तल, एम.पी.एम. इंटरनेशनल स्कूल, तिलक नगर, जयपुर
पंजीकृत कार्यालय : श्री माहेश्वरी भवन, सिंधी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर
Email : shrimaheshwarisamaj.jaipur@gmail.com
jmpatrika@gmail.com
Website : www.shrimaheshwarisamaj.org

विशेषांक सम्पादन :
चन्द्रमोहन शारदा
सलाहकार :
रमेश चन्द जाखोटिया
( संगठन मंत्री )
बृजमोहन बाहेती
संध्या चितलांग्या
राजेन्द्र गट्टानी
जयकृष्ण पटवारी
प्रबन्ध सम्पादक :
सुनील अजमेरा ( मालवीय नगर )
सह-प्रबन्ध सम्पादक :
विनोद अजमेरा
सह-सम्पादक :
सी.ए. राजकुमार गट्टानी
सी.ए. दिलीप सारडा
निरंजन राठी
सतीश नागौरी ( सांगानेर )
किशन स्वरूप कालानी
रमेश सोढानी
पंकज काबरा
प्रवीण भूतड़ा
पंकज चितलांग्या
सम्पादकीय टीम :
सुनील कुमार नौगजा
सुभाष काबरा
द्वारका प्रसाद तापड़िया
कमल किशोर मूँदड़ा
बालकृष्ण जाजू 'बालक'
सी.ए. वरूण धूत
महेश अजमेरा
विज्ञापन समन्वयक :
श्रीकिशन अजमेरा
विज्ञापन संयोजक :
रामकृष्ण बागला
विज्ञापन सह-संयोजक :
नवलकिशोर माहेश्वरी ( सांगानेर )
अंकुर बल्लभ चितलांगिया
विज्ञापन संकलन टीम :
देवेन्द्र झंवर, गोपाल तामड़ी
जयकुमार चांडक
सी.ए. योगेश जाजू
अरविन्द आगीवाल
अमित चांडक, डॉ. रमेश मालू
साज-सज्जा
कैलाश प्रजापत
आभार : दैनिक भास्कर, राजस्थान पत्रिका

**गोपाल लाल मालपानी**
महामंत्री

**सतीश कुमार सारडा**
प्रचार मंत्री

**रामदास कोठ्यारी**
संपादक

# कुछ नहीं होगा, कोसने से अंधेरे को, अपने हिस्से का दीपक खुद ही जलाना होगा

मानव का रुझान हमेशा प्रकाश की ओर रहा है। अंधकार को उसने न कभी चाहा, न कभी मांगा। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भक्त की अंतर्भावना अथवा प्रार्थना इसका पुष्ट प्रमाण है। हमारे भीतर अज्ञान रूपी तमस छाया हुआ है जो कि ज्ञान के प्रकाश से ही मिट सकता है। ज्ञान ही दुनिया का सबसे बडा प्रकाश दीप है जिसके जलने पर अन्तर्मन और बाहरी मन दोनों आलोकित हो जाते हैं एवं अंधकार का साम्राज्य स्वतः ही समाप्त हो जाता है। मोह का अंधकार भगाने के लिए हम सभी को धर्म का दीपक जलाना होगा क्योंकि जहां धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ पर अंधकार टिक ही नहीं सकता। दीपक बोलता नहीं है, प्रकाश ही उसका परिचय देता है। ठीक उसी प्रकार आप अपने बारे में कुछ ना बोलें। अच्छे कर्म करते रहें। वही आपका परिचय देंगे।

हालांकि दीपावली एक लौकिक पर्व है फिर भी हम सभी को संकल्प लेना होगा कि यह दीपावली पर्व केवल बाहरी अंधकार को ही नहीं, बल्कि भीतरी अंधकार को मिटाने का भी पर्व बने। हम अन्तर्मन में धर्म का दीपक जलाकर मोह और मूर्च्छा के अंधकार को दूर कर सकते है। दीपावली के मौके पर सभी आमतौर पर अपने घरों की साफ-सफाई, साज-सज्जा और उसे संवारने-निखारने का कार्य करते हैं। अच्छा होगा यदि हम सभी भीतर चेतना के आंगन पर जमे कचरे को बुहारकर साफ करने, उसे संयम से सजाने-संवारने का प्रयास करके उसमें आत्मा रूपी दीपक की अखंड ज्योति को प्रज्ज्वलित करें। जिससे कि जीवन मे शाश्वत सुख, शांति एवं आनंद की प्राप्ति हो सके। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। अन्तर्मन का प्रकाश शाश्वत प्रकाश है।

दीपावली के दीपक की तरह आप अपने अन्तर्मन का दीपक जलायें। दीपक मिट्टी का है या सोने का यह महत्त्वपूर्ण नही है, बल्कि महत्त्वपूर्ण यह है कि वह कितनी रोशनी दे रहा है। रोशनी देने के लिए आपको कुछ ना कुछ करना होगा, क्योंकि

**ख्वाहिशों से नहीं गिरते है फूल झोली में,**
**कर्म की शाख को हिलाना होगा।**
**कुछ नहीं होगा, कोसने से अंधेरे को,**
**अपने हिस्से का दीपक खुद ही जलाना होगा।**

ज्योति का पर्व, पुरुषार्थ का पर्व, आत्म साक्षात्कार का पर्व, अपने भीतर सुषुप्त चेतना को जगाने का पर्व एवं आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का अनुपम पर्व है दीपावली। इस पर्व पर आपके जीवन में इतनी रोशनी हो कि दीपक भी खुद चलकर आपसे रोशनी मांगने आये। इसी कामना के साथ आप सभी को दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं।

**रामदास कोठ्यारी**
-सम्पादक

गोपाल लाल मालपानी-महामंत्री द्वारा श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक व मुद्रक

# DRY CHEF

NUTS ABOUT NUTS

- Premium Quality DryFruits Since 1939
- Home Delivery Available
- Gift Hampers/ Wedding Gifting

**ON THIS DIWALI**

Trilok Malpani
+91-8769444144

Chandra Shekhar Malpani
+91-9829496599

**Switch from 'Mithai Ke Dibbe' to 'Dry Chef Ke Dibbe', for Wedding Gifting, Corporate Gifting and what not!**

**366, Gaindilal Roopnarayan Maheshwari, Tripolia Bazar, Jaipur, 302002**

Contact Details: 8290788089/www.drychef.co.in

dry_chef | drychef59

# तप से जीता अहं से हारा

बलशाली दशानन ने अपने तप से ब्रह्मा, शिव समेत अनेक देवों को प्रसन्न किया था। वह पराक्रमी और ज्ञानी भी था। परंतु प्रकांड विद्वान लंकापति के सारे गुण अहंकार में जाकर गुम हो गए। विजय दशमी पर एक दृष्टि रावण के उजले पक्ष पर....

## अगाध प्रेम

रावण द्वारा सीता हरण की घटना के पीछे मुख्य रूप से शूर्पणखा का हाथ माना जाता है। बहन शूर्पणखा के प्रति रावण के मन में अगाध प्रेम था। लक्ष्मण ने शूर्पणखा की नाक न काटी होती और शूर्पणखा ने अपने अपमान का बदला लेने के लिए रावण को न उकसाया होता, तो शायद ही सीता हरण का ख्याल रावण के मन में आता।

## विद्वान

रावण बहुत विद्वान, चारों वेदों का ज्ञाता और ज्योतिष विद्या में पारंगत था। उसके जैसी तीक्ष्ण बुद्धि वाला कोई भी प्राणी पृथ्वी पर नहीं हुआ है। इंसान के मस्तिष्क में बुद्धि और ज्ञान का भंडार होता है, जिसके बल पर वह जो चाहे हासिल कर सकता है। रावण के तो दस सिर यानी दस मस्तिष्क थे। कहते हैं, रावण की विद्वता से प्रभावित होकर भगवान शंकर ने अपने घर की वास्तुशांति हेतु आचार्य पंडित के रूप में दशानन को निमंत्रण दिया था।

## तपस्वी

रावण महातपस्वी था। अपने तप के बल पर ही उसने सभी देवों और ग्रहों को अपने पक्ष में कर लिया था। कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने रावण को अमरता और विद्वता का वरदान दिया था।

## पारंगत

रावण को रसायन शास्त्र का ज्ञान था। उसे कई अचूक शक्तियां हासिल थीं, जिनके बल पर उसने अनेक चमत्कारिक कार्य सम्पन्न किए। अग्निबाण, ब्रह्मास्त्र आदि इनमें गिने जा सकते हैं। वेदों की ऋचाओं पर अनुसंधान कर रावण ने विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। वह आयुर्वेद की जानकारी भी रखता था। रावण एक महान कवि भी था। उसका यह कौशल शिव तांडव स्तोत्र में नजर आता है। यही नहीं, वह वीणा बजाने में भी सिद्धहस्त था। उसने एक वाद्य भी बनाया था, जिसे बेला या वायलिन का ही मूल और प्रारम्भिक रूप मान सकते हैं। इस वाद्य को 'रावण हत्था' कहते हैं।

## शिवभक्त

रावण भगवान शंकर का उपासक था। तुलसीदास रचित रामचरित मानस के अनुसार- सेतु निर्माण के समय रामेश्वरम में शिवलिंग की स्थापना की गई, तो उसके पूजन के लिए किसी विद्वान की खोज शुरू हुई। उस वक्त सबसे योग्य विद्वान रावण ही था, इसलिए उससे शिवलिंग पूजन का आग्रह किया गया और शिवभक्त रावण ने शत्रुओं के आमंत्रण को स्वीकारा था।

## लगनशील

रावण जब किसी भी कार्य को हाथ में लेता, तो उसे पूरी निष्पक्षता और कर्त्तव्यभाव से पूर्ण करता। शिव के प्रति भक्ति की अनन्य लगनशीलता के कारण तांडव स्तोत्र की रचना के जरिए उसने शिव को प्रसन्न कर वरदान पा लिया। अपनी सच्ची लगनशीलता के कारण दिव्य अस्त्र-शस्त्र, मंत्र-तंत्र की सिद्धियां प्राप्त कर रावण विश्वविख्यात बना। निडर रावण निर्भीक था। वह किसी भी व्यक्ति के सामने अपना पक्ष पूर्ण तर्क और दम-खम के साथ रखता था। युद्ध के मैदान में राम, लक्ष्मण, हनुमान जैसे योद्धाओं को सामने देख वह तनिक भी विचलित नहीं हुआ। स्वयं राम ने रावण की बुद्धि और बल की प्रशंसा की, इसलिए जब रावण मृत्यु-शैय्या पर था, तब राम ने लक्ष्मण को उससे सीख लेने के लिए कहा।

## मनमोहक

रामायण के अनुसार लंका दरबार में रावण को देखते ही हनुमान मुग्ध हो गए थे। वे कहते हैं-

*अहो रूपमहो धैर्यमहोत्सवमहो द्युतिः*
*अहो राक्षसराजस्य सर्वलक्षणयुक्तता*

**अर्थ**- रूप, सौंदर्य, धैर्य, कांति तथा सर्वलक्षणयुक्त होने पर भी यदि इस रावण में अधर्म बलवान न होता, तो यह देवलोक का भी स्वामी बन जाता।

## रावण के ससुराल में मूंछों वाले राम दरबार की मूर्तियाँ

रावण के ससुराल के नाम से विख्यात मंडोर (जोधपुर) में एक पहाड़ी पर रामदरबार की मूंछों वाली प्रतिमाओं सहित 300 साल पुरानी 19 मूर्तियाँ उकेरी हुई हैं। राठौड़ शासकों द्वारा बनवाया गया यह राम दरबार मारवाड़ के प्राचीनतम राम दरबार में से एक है। महाराजा अजीतसिंह ने 1707-1724 ई- में मंडोर स्थित भैरूजी के मंदिर के पास पहाड़ी को काटकर देवी-देवताओं की इन विशाल मूर्तियों का निर्माण करवाया था।

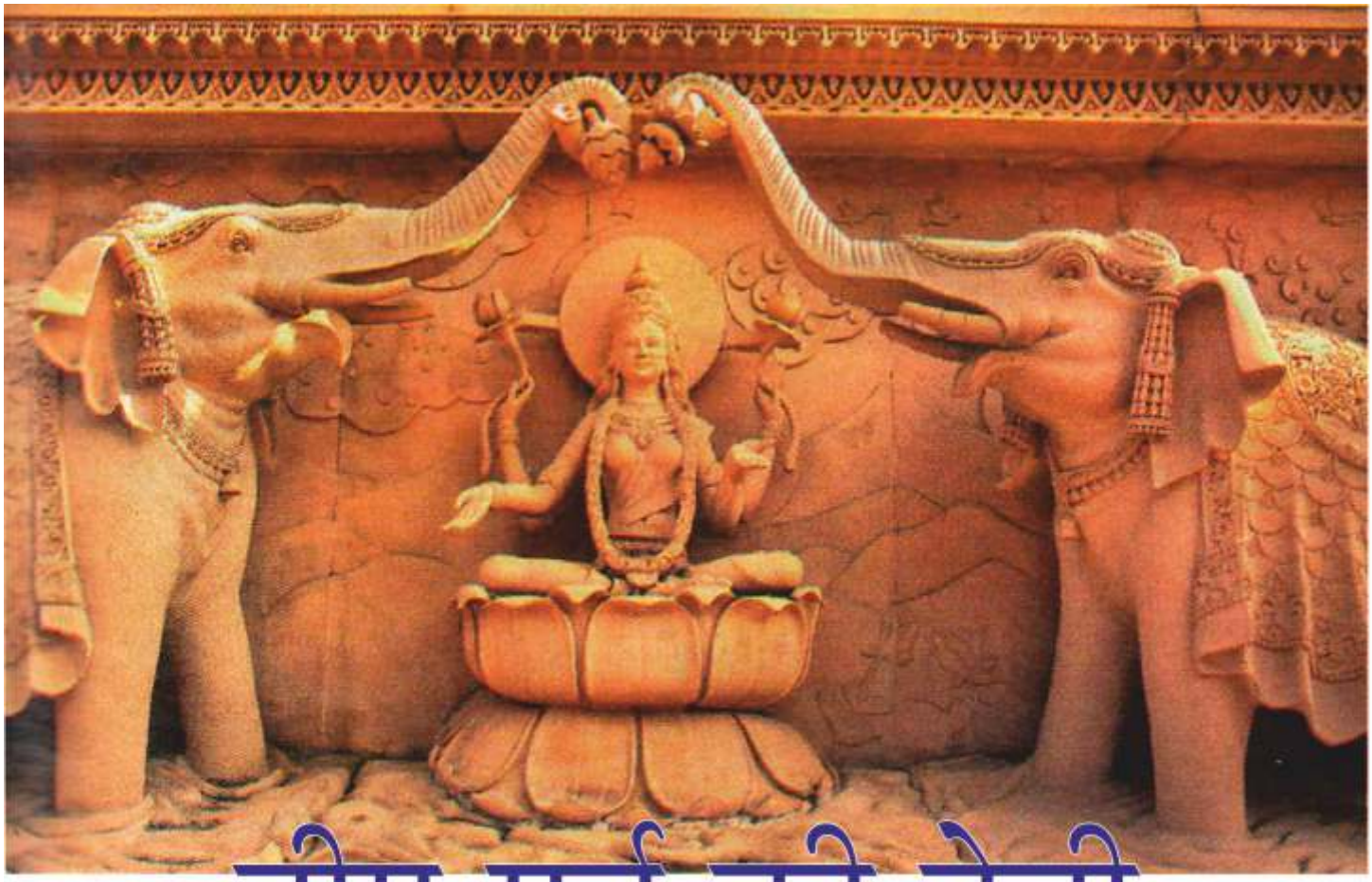

# दीप पर्व की देवी

## दीपावली पर्व की दो प्रेरणाएं।

### एक तो प्रभु श्रीराम, जो दीपावली के दिन अयोध्या लौटकर आए थे और दूसरी, श्रीविष्णु की अर्धांगिनी और समृद्धि की देवी लक्ष्मी, जिनका पूजन दीपावली पर्व की केंद्रीय रीति है।

दीपावली को लक्ष्मी-विष्णु प्रणय की तिथि भी माना जाता है। आदिलक्ष्मी, धनलक्ष्मी, धान्यलक्ष्मी, गजलक्ष्मी, संतानलक्ष्मी, वीरलक्ष्मी, विजयलक्ष्मी, विद्यालक्ष्मी इस तरह अष्टलक्ष्मी के रूप में उनकी उपासना की जाती है। समुद्र मंथन से उनकी उत्पति की गाथा को लेकर भी अनेक रूपक-निरूपण होते रहे हैं।

पुराणों के अनुसार, लक्ष्मी के तीन पिता हैं- वरुण, पुलोमन और भृगु। वेदों में वरुण एक असुर हैं, जबकि पुराणों में वे समुद्र के देवता बन जाते हैं विश्व में सम्पूर्ण जल के स्त्रोत। पुराणों में पुलोमन असुरों के राजा हैं और भृगु असुरों के गुरु। पुराणों में देवता और असुर दोनों ब्रह्मा की संतान हैं। देवता आकाश में रहते हैं और असुर पृथ्वी के नीचे। चूंकि पृथ्वी के नीचे बीज अंकुरित होते हैं, धातुएं बनती हैं और पानी छिपा हुआ होता है, इसलिए सारा धन पृथ्वी के नीचे स्थित है। इसे बाहर निकालने के लिए हमें सूर्य, वायु, अग्नि और वर्षा (इंद्र) की आवश्यकता होती है। दूसरे शब्दों में कहना हो, तो ये चारों हमारे 'देव' बन जाते हैं, क्योंकि वे हमारी मदद करते हैं। असुर 'डीमन' कहलाते हैं क्योंकि वे लक्ष्मी को हमसे दूर रखते हैं।

समुद्र के देवता वरुण, बिना किसी अपेक्षा के, खुशी-खुशी नमक, मछली और मोतियों की अपनी सम्पत्ति मनुष्यों को देते हैं। शायद इसलिए मनुष्य वरुण को असुर नहीं बल्कि देव मानते हैं। वरुण उदारता के प्रतीक भी हैं और वे वास्तव में समृद्ध हैं। उनके विपरीत पुलोमन पृथ्वी के नीचे के क्षेत्र पर शासन करते हैं और लक्ष्मी को आसानी से अपने हाथों से जाने नहीं देते हैं। धरती से सम्पत्ति प्राप्त करने के लिए मनुष्यों को पेचीदा कृषि और खनन सम्बंधित प्रक्रियाओं का आविष्कार करना पड़ा। इस सम्पत्ति को पुलोमी कहते हैं, जो पुलोमन की बेटी हैं और जो लक्ष्मी का दूसरा नाम है।

असुरों के गुरु भृगु भविष्यवाणी और दूरदृष्टि में निपुण हैं। उनके बेटे शुक्र रचनात्मकता से जुड़े हैं। जो कोई भी आगे की सोच सकता है और जो सृजनात्मक हो, उसके सम्पत्ति निर्माण की सम्भावना ज्यादा है। इसलिए लक्ष्मी का दूसरा नाम भार्गवी है, भृगु की बेटी। इस तरह शुक्र और लक्ष्मी भाई-बहन हैं।

हमें लक्ष्मी का मूल्य सिर्फ तब मिलता है, जब वह अपने पिता का घर छोड़कर पानी या पृथ्वी के नीचे से उभरती हैं। सम्पत्ति का निर्माण एक हिंसात्मक प्रक्रिया है- जंगलों को नष्ट करना पड़ता है ताकि खेत और मनुष्यों की बस्तियां बन सकें। उद्योगों के लिए कच्चा माल भी धरती से मिलता है। कह सकते हैं कि लक्ष्मी प्राप्त करने के लिए 'असुरों' का वध करना जरूरी है। वो केवल तब चमकती हैं, जब अपने पिता का घर छोड़कर आकाश के देवता और अमरावती के स्वामी इंद्र के बगल में विराजमान होती हैं।

## कुम्भ व फसल में
## लक्ष्मी

प्रकृति से मिले धन का सबसे अच्छा प्रतीक कुम्भ या मटका है। मटका मनुष्यों का आविष्कार है। मटका मनुष्यों की संस्कृति का प्रकृति में हस्तक्षेप का प्रतीक है। मटका उद्यम और बाजार का भी प्रतीक है और प्राकृतिक संसाधनों को मूल्यवान बनाने का भी। जंगल का पानी सभी जानवर इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन मटके का पानी सिर्फ उसके मालिक का होता है और वह उसे जिसे चाहे बांट सकता है। लक्ष्मी को हम वैसा ही कुम्भ समझ सकते हैं, जिसके मालिक इंद्र हैं और जिसे असुरों से जबरदस्ती छीन लिया गया है।

शुक्र के पास संजीवनी विद्या है जिससे मृतक पुनर्जीवित होते हैं। देवों के हाथों मारे गए असुरों को भी शुक्र लगातार पुनर्जीवित करते हैं। यह बात धरती के उपजाऊपन का प्रतीक है, जिससे साल दर साल फसल उपजाई जाती है।

फसल की कटाई और असुरों का देवों के हाथों वध एक समान है। इस क्रिया से लक्ष्मी किसान के घर आती हैं। इसलिए भारत में फसल कटाई के त्योहार- वसंत नवरात्र और शरद नवरात्र, जब क्रमशः शीत ऋतु और ग्रीष्म ऋतु के कृषि चक्र खत्म होते हैं- हरदम असुरों के वध से जुड़े हैं। जैसे, दशहरे में दुर्गा महिषासुर का वध करती हैं और दिवाली में कृष्ण नरकासुर का। इसलिए देव और असुरों के बीच युद्ध चक्रीय है। वह तब तक चलेगा, जब तक मनुष्य प्रकृति की खुशहाली पर निर्भर रहेंगे और चाहेंगे कि उसका उपजाऊपन हर साल लौट आए।

## लक्ष्मी के साथ आए
## उपहार

एक मान्यता के अनुसार, इंद्र की पत्नी सचि (शचि) को लक्ष्मी का ही रूप माना जाता है और इंद्र को सचिन। लक्ष्मी के आते ही अमरावती स्वर्ग बन जाता है। लक्ष्मी तंत्र में लक्ष्मी का जन्म इस तरह वर्णित किया गया है-

जैसे देव और असुर क्षीरसागर का मंथन करने लगे, वैसे अंदर का रस जमकर कई अद्‌भुत आकार लेने लगा। प्राचुर्य और समृद्धि की देवी लक्ष्मी लाल साड़ी में, सोने के गहने पहने और हजार कलियों वाले ओस में भीगे हुए कमल पर बैठकर उभर आईं। उनकी बगल में आरोग्य के देवता धन्वन्तरि, अमृत का कुम्भ लेकर खड़े थे। अमरत्व का भोग करने के लिए लक्ष्मी कई उपहार साथ ले आईं।

कुछ उपहार समृद्धि के प्रतीक थे, जैसे- कामधेनु, ऐसी गाय जो कभी दूध देना बंद नहीं करती; कल्पतरु, ऐसा पेड़ जिसकी शाखाएं हरदम फलों से लदी रहती हैं और चिंतामणि, एक अनमोल इच्छापूर्ति मणि। कुछ उपहार सुखदायी थे- सुरम्य चंद्र देवय आकर्षक अप्सरा रम्भा, और मदिरा की देवी वरुणि। शक्ति देने वाले उपहार भी थे- **छह गजदंत और श्वेत वर्ण वाला राजसी हाथी ऐरावत;** स्फूर्ति से परिपूर्ण, सात सिरों वाला घोड़ा उच्चैश्रवा, जो हरदम शत्रु की युद्ध रचना को तोड़ पाता; शारंग, ऐसा धनुष जो कभी निशाना नहीं चूकता और पांचजन्य, वो शंख जिससे उद्‌घोष मात्र से शत्रुओं के हृदय कांप उठते।

## गृहलक्ष्मी से है घर
## स्वर्ग

क्षीरसागर से लक्ष्मी के उद्‌भव की कथा हिंदू परम्परा का अभिन्न अंग है। लगभग हर पवित्र पुस्तक में पाई जाने वाली यह कथा विवाह समारोह में भी दोहराई जाती है। हिंदू धर्म के अनुसार स्वर्ग हरदम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, शक्ति और आनंद से परिपूर्ण है। इस धारणा को समझाकर यह कथा हमारे मरण, बदलाव और निराशा के डर को अंदर ही अंदर दबाए रखती है। आकाश में रहने वाले देव लक्ष्मी-प्रवेश से सांसारिक जीवन का अनुभव कर सकते हैं। धरती पर किसी महिला का घर में प्रवेश भी यही आनंद लाता है।

हिंदू शास्त्र कहते हैं कि कोई पुरुष किसी महिला के बिना केवल एक ब्रह्मचारी या संन्यासी रहता है। महिला के बिना यज्ञ करना मना है। देवता उसके उपहार केवल तब स्वीकार करते हैं और उस पर कृपादृष्टि केवल तब रखते हैं, जब वह गृहस्थ बन जाता है। जब उसकी पत्नी सौभाग्यवती होती है, तब वो उस देवी जैसी होती है जिसके ना होने से स्वर्गलोक में तबाही मच जाती है।

लक्ष्मी इंद्र को छोड़कर कैसे चली गईं, इस पर ब्रह्मवैवर्त पुराण में रोचक विवरण है- रम्भा ने ऋषि दुर्वासा को आकाशीय फूलों की माला भेंट में दी। दुर्वासा ने इसे देवों के राजा इंद्र को देना चाहा। उन्होंने वह माला इंद्र के हाथी ऐरावत की सूंड पर रख दी। ऐरावत ने उसे जमीन पर पटक दिया और इंद्र के घोड़े उच्चैश्रवा ने उसे पैरों से कुचल दिया।

इससे क्रोधित होकर दुर्वासा ने इंद्र को शाप दिया कि लक्ष्मी उन्हें छोड़कर चली जाएंगी। लक्ष्मी तुरंत क्षीरसागर में चली गईं। कल्पतरु मुरझा गया। कामधेनु ने भी दूध देना बंद कर दिया। चिंतामणि की चमक चली गई। लक्ष्मी को मनाकर उन्हें उनके पास फिर से लाने के लिए देवों को समुद्र मंथन दोबारा करना पड़ा।

CA
CA
VSI
Leader in CA
VIDYA SAGAR
CAREER INSTITUTE LIMITED
All India 1st Ranks ka Sixer
8 साल में 6 बार ALL INDIA 1st RANK
Nikhil Kumar
ALL INDIA 1ST RANK IPCC MAY 2012
AFTER 2 YEARS
Tanu Garg
ALL INDIA 1ST RANK IPCC MAY 2015
AFTER 1 YEAR
Gaurav Sarawagi
ALL INDIA 1ST RANK IPCC MAY 2017
CONTINUOUS
Atul Agarwal
ALL INDIA 1ST RANK CA FINAL MAY 2018
CONTINUOUS
Ajay Agarwal
ALL INDIA 1ST RANK CA FINAL MAY 2019
CONTINUOUS
AKSHAT GOYAL
ALL INDIA 1ST RANK CA INTERMEDIATE MAY 2019
JOINING OF VIDYA SAGAR WILL BE TURNING POINT OF YOUR LIFE
HEAD OFFICE & STUDY CENTER :
K-50, Bhawana Tower, Income Tax Colony, Tonk Road, Near Durgapura Bus Stand, Jaipur
• Ph.: 7 821 821 250, 7 821 821 251, 7 821 821 252, 7 821 821 253, 7 821 821 254 Mobile : 93514-68666
• Email: vsijaipur@yahoo.com, Website: www.vsijaipur.com facebook.com/vsijaipur.official
VIDYADHAR NAGAR :
F-115, Bajrang Bali Tower, Central Spine, Jaipur.
Phone : 7 821 821 256, 9314327043
VAISHALI NAGAR:
B-138, Nemi Nagar, Opp. DAV School, Near Amrapali Circle, Jaipur.
Phone : 7 821 821 255, 9352757729
SHASTRI NAGAR
15-16, Balaji Tower, Subhash Nagar Shopping Center Near T. B. Hospital, Behind Allen Institute, Jaipur Mob.: 9358900498
MANSAROVAR
VT Road, Near Apex Institute, Mansarovar, Jaipur
Mob.: 8209462311, 9829018309

### ऋग्वेद में जैसा वर्णन, वेल्लोर में वैसी ही लक्ष्मी प्रतिमा

# एकमात्र मंदिर, जहां होता है लक्ष्मी का अभिषेक

आदि शंकराचार्य की कर्मभूमि कांचीपुरम से लगभग 70 किलोमीटर दूर वेल्लोर (तमिलनाडु) के निकट है श्रीपुरम् या श्रीनारायणी पीडम्। श्रीपुरम् यानी लक्ष्मी का निवास स्थान। 1500 किलो सोने से बने श्री लक्ष्मी नारायणी स्वर्ण मंदिर का कोना-कोना रात को 32 हजार दीपकों की लौ और रंग-बिरंगी रोशनी से दमकता है। दीपावली की विशेष सजावट में घी के 10,008 दीये तो श्रीयंत्र की आकृति में ही यज्ञशाला में लगाए जाते है। सौ एकड़ में फैले मंदिर परिसर में श्रीयंत्र डेढ़ किलोमीटर क्षेत्र में है। इसके बीचोंबीच मंदिर है।

दीपोत्सव के पांच दिनों में हर बार श्रद्धालुओं की संख्या ढाई लाख पर पहुंचती है। यहां दीपावली पर लक्ष्मी की विशेष आराधना के बाद गोवर्धन पूजा पर भी बड़ा अनुष्ठान होता है। इस दिन करीब 11 घंटे के महायज्ञ के बाद महाआरती होती है। मंदिर में महालक्ष्मी की दो प्रतिमाएं हैं। एक 72 किलो सोने से बनी हुई है, जो चांदी के सिंहासन पर विराजित है। दूसरी, काले पत्थर से बनी 5 फीट ऊंची महालक्ष्मी प्रतिमा है। खास बात यह है कि यह देश का एकमात्र मंदिर है, जहां लक्ष्मी का जलाभिषेक होता है। यहां आने वाला हर भक्त स्वर्ण प्रतिमा का अभिषेक कर सकता है और इसका जल प्रसाद के रूप में अपने साथ ले जा सकता है।यहां बुजुर्गों और दिव्यांगों को दर्शन के लिए लाइन में नहीं लगना पड़ता है। इन्हें मंदिर स्टाफ सीधे दर्शन कराता है। यहां प्रसाद की व्यवस्था भी खास है। इसकी वैरायटी हर दो घंटे में बदलती रहती है। प्रसाद के रूप में दाल-चावल, दही-चावल, मीठे चावल, उपमा और हलवा वितरण का चक्र निरंतर चलता रहता है। इसके अलावा दोपहर में तीन घंटे अन्नदानम में सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारा भी खुला रहता है।

मंदिर में महालक्ष्मी की प्राचीनतम आराधना श्रीसूक्त का पाठ लगातार चलता रहता है। चारों वेदों की ऋचाओं का पाठ 50 से अधिक वेदपाठी करते हैं। इससे जो तरंगें और सकारात्मक ऊर्जा निकलती है, सोना उसे अपने विशेष गुण के कारण अधिक तेजी से चारों ओर फैला देता है। सर्वधर्म समभाव की भावना से मंदिर के स्तंभों पर गीता, बाइबल और कुरान के संदेश भी लिखे हुए हैं।

### ऋग्वेद में लक्ष्मी का ऐसा वर्णन....

मंदिर में स्थापित 72 किलो की स्वर्ण लक्ष्मी प्रतिमा का स्वरूप ऋग्वेद में बताए गए लक्ष्मी के वर्णन के अनुरूप है। ऋग्वेद के श्रीसूक्त में महालक्ष्मी को स्वर्णमयी चंद्र के समान शुभ्र कांतियुक्त, सोने-चांदी के हार पहने हुए, पीतवर्णा और विशिष्ट हस्तमुद्राओं वाली बताया गया है। मुख्य मंदिर के समीप ही एक सरोवर है। इसमें देश की सभी नदियों का जल और 54 शक्तिपीठों की मिट्टी प्रवाहित की गई है। इसीलिए इसे सर्व तीर्थम सरोवर भी कहते हैं।

D.P. Biyani

# J B Jewellers
## Manglam Jewellers

**The Name of Divine Jewellery**

***Deals in:* Mfg.& Wholesaler of Diamond Jewellery, Available Certified Diamonds & Precious Stones**

***Note:- Also Deals in Kundan Meena Jewellery***

SIDDHI

329. F-5, Lalaniyon Ka Chowk, Gopal Ji Ka Rasta, Johari Bazar, Jaipur- 302003
(O) 0141-2560108,(M) 9414042208 E-Mail : jbjewellersjaipur@gmail.com

*जीवन में पर्याप्त धन हो तो हम धनवान अवश्य हो सकते हैं मगर 'लक्ष्मीवान' तो वही होता है जिसके जीवन में धन के साथ आरोग्य, रूप, सहकार और सम्बंधों की भी सम्पदा हो। ऐसी ही लक्ष्मी पूर्ण होती है। दीपपर्व के पांच दिनों में यही प्रेरणा निहित है।*

# लक्ष्मी से परिपूर्ण बनें

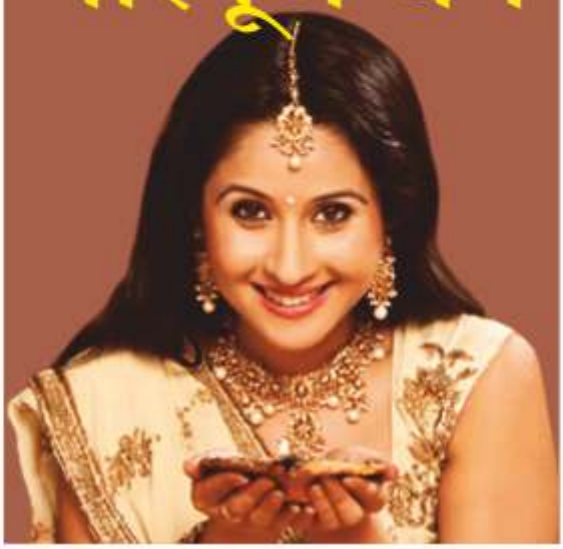

## अष्टलक्ष्मी आराधना

लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है। यह 'धन' सिर्फ रुपए-पैसे और परिसंपत्तियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके दायरे में विद्या, साहस, अन्न, संतान आदि भी आते हैं। इन सभी के होने से ही व्यक्ति का जीवन वास्तविक रूप में सुख, आनंद और संतुष्टि से पूर्ण होता है। इन्हें अष्टलक्ष्मी कहा जाता है।

**आदिलक्ष्मी :** देवीभागवत पुराण में कहा गया है यह आदिशक्ति का मूल रूप है। इन्हीं के द्वारा सृष्टि के आरंभ में त्रिशक्ति की उत्पत्ति हुई तथा इन्हीं से महाकाली एवं महासरस्वती साकार हुई।

**धनलक्ष्मी :** इनका स्वरूप हाथ में स्वर्ण कलश लिए तथा अभय मुद्रा में है। भक्त ऋणमुक्ति तथा धन-सम्पन्नता के लिए इनकी आराधना करते हैं। प्रचलित कथा में देवी ने भगवान विष्णु की कुबेर के कर्ज से मुक्ति के लिए यह रूप धारण किया था।

**धान्यलक्ष्मी :** धन से पेट नहीं भरता, जीवन के लिए धान्य की परम आवश्यकता होती है। यही अन्नपूर्णा स्वरूप है, जो धान्यलक्ष्मी कहलाता है। ये धन-धान्य के साथ निरोगी काया भी प्रदान करती हैं।

**राजलक्ष्मी:** यह रूप हाथी पर सवार हो कमलपुष्प पर विराजमान है। इसे व्यक्ति को हर सुख-सुविधा, यानी राजसुख देने वाला बताया गया है! हाथी पर सवार होने के कारण गजलक्ष्मी भी कहलाती हैं।

**संतानलक्ष्मी :** यह रूप संतान सुख प्रदाता है। इस सुख के लिए संतान का होना ही पर्याप्त नहीं है, क्योंकि दुर्गुणों से युक्त संतान कष्ट ही देगी। यह संतान के संस्कारी होने को रेखांकित करती हैं।

**वीरलक्ष्मी:** यह वीर रूप दर्शाता है। सभी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र धारण किए इस देवी रूप का संदेश है कि परिवार में सुख-शांति के साथ निडरता भी हो।

**विजयलक्ष्मी :** इस रूप में माता अभय का वर देती हैं और विजयी बनाती हैं। यह रूप जयलक्ष्मी भी कहा जाता है। कोर्ट-कचहरी, खेल, युद्ध में विजय प्राप्ति के लिए इसी अष्टभुजी रूप की पूजा की जाती है।

**विद्यालक्ष्मी:** यह माता का चतुर्भुज रूप है। इसमें उनका एक हाथ अभय मुद्रा में है तथा एक हाथ में वेद धारण किए हुए हैं। ज्ञान, समृद्धि, विद्या आदि के माहात्म्य का स्मरण कराती है इनकी आराधना।

## दीपावली महापर्व के पांच दिन वस्तुत: पांच सम्पदाओं के प्रतीक हैं।

हर दिन का अपना अलग संदेश है, किंतु ये आपस में सम्बोधित भी हैं और मिलकर एक सुखी, समृद्ध और संतुष्ट जीवन की राह दिखाते हैं। यही जीवन में लक्ष्मी का वास कहलाता है।

### धनतेरस : आरोग्य सम्पदा

कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी धन्वंतरि की पूजा का दिन है। इसलिए कि सारे धन का तभी कोई अर्थ है जब हम स्वस्थ हों। अस्वस्थ व्यक्ति के लिए तीनों लोक के भोग भी निरर्थक हो जाते हैं। अमृत तक पीने के लिए स्वस्थ होना अनिवार्य है। समुद्र मंथन की पौराणिक कथा में अमृत कलश लेकर भगवान धनवंतरि का प्रकट होना इसी का संकेत है। वे आरोग्य के देवता हैं, सिखाते हैं कि जीवन में स्वास्थ्य और आरोग्य से बड़ा कोई धन नहीं।

### नरक चौदस : सच्चा रूप

यह रूप सम्पदा का प्रतीक पर्व है। शास्त्रोक्त है, सच्चा रूपवान वह है जिसका मन निर्मल और परोपकार के भाव से भरा है। किसी गरीब को दिवाली की छोटी-सी ख़ुशी देने का भाव व्यक्तित्व को असल रूपवान बनाता है। आरोग्य के साथ आंतरिक सौंदर्य का यही संदेश लिए रूप चतुर्दशी हमें 'सच्ची रूप सम्पदा' साधने की सीख देने आती है। श्रीकृष्ण के हाथों नरकासुर के वध का संदर्भ जुड़ा होने से यह नरक चतुर्दशी भी है।

### लक्ष्मीपूजा : पुरुषार्थ दीप

दीपावली महारात्रि है। प्रतीक है कि संसार भी रात की तरह निष्ठुर है। हम सभी का जीवन अमावस की रात-सा ही है। पौराणिक मान्यताएं कहती हैं कि इस रात लक्ष्मी हर घर-द्वार पर दस्तक देती हैं। जो जागा हुआ मिलता है उस पर कृपा करती हैं और जो सोया पड़ा रहता है, पड़ा ही रह जाता है। लक्ष्मी अर्थात सुख, वैभव, सम्पदा उसी को मिलते हैं जो 'अमावस के अंधेरे' में 'पुरुषार्थ के दीपक जलाने के लिए 'व्रतपूर्वक जागता हो।' जैसे खरा दीपक रातभर जागता है और अपने होने का पुरुषार्थ सिद्ध करता है, ठीक उसी तरह जागृत को ही लक्ष्मी की सिद्धि होती है, यानी मेहनत करने वाले को ही समृद्धि हासिल होती है।

### गोवर्धन पूजा : सहकार

जब समाज में आरोग्य, पवित्र रूप और जागरण का आलोक फैलता है तो 'कृष्ण पक्ष' विदा हो जाते हैं। गोवर्धन पूजा का पर्व अनेक सम्पदाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए दीपावली को पूर्णता प्रदान करता है, जिसके केंद्र में सहकार है। धन का सदुपयोग तो मिल-बांटकर भोग करने में ही है फिर चाहे नई फसलों की धान्यलक्ष्मी हो या गोवर्धन पूजा की पौराणिक कथा की तरह ब्रजमंडल का दूध-घी। श्रीकृष्ण ने इंद्र के रूप में 'राजा' के एकाधिकार को चुनौती दी। समझाया कि पर्व हो या पकवान, फसल हो या खुशी, सबके साथ साझा की जाए तभी धरती भी अन्नलक्ष्मी से निहाल करती है और खाद्य पदार्थों के 'गोवर्धन' खड़े हो जाते हैं।

### भाईदूज : स्नेह सम्बंध

भाईदूज के साथ दीपावली की पांच दिनी पर्व श्रृंखला पूर्ण होती है। भाई का बहन के घर पर आना परिवार में आपसी मेलजोल का प्रतीक है। माता-पिता के बाद भाई-बहन ही हमारे सबसे निकट सम्बंधी होते हैं। इनके परस्पर स्नेह संम्बंध ही जीवन में किसी को सच्चा धनवान बनाते हैं। पौराणिक संदर्भों में यम और यमी (यमुना) की कथा के बहाने भाई-बहन के नेह नाते की रक्षा के इस पर्व में हर तरह के सम्बंधों के प्रति दायित्व का भाव भी है। तभी तो भाईदूज के बहाने समाज 'दीपावली मिलन' के उत्सव सजा लेता है।

# जनहित कार्यों से बने समाज के गौरव और राष्ट्र की प्रेरणा

# श्री आर.डी. बाहेती

## को 85 वें वर्ष में मंगल प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाएँ

राजस्थान दिवस समारोह 1990 के प्रतिभा सम्मान समारोह के शुभ अवसर पर
क्षेत्र में सर्वोत्तम सेवा एवं कीर्तिमान स्थापित कर
राज्य एवं राष्ट्र का नाम उज्जवल करने के उपलक्ष
में
को
"प्रशस्ति पत्र" सहर्ष प्रदान
कर विभूषित किया गया।

महामहिम राज्यपाल द्वारा
'राजस्थान श्री' उपाधि से विभूषित

तन–मन–धन से समाज को समर्पित व्यक्तित्व जो अपने सरल, स्वाभाविक स्वभाव के कारण अत्यन्त लोकप्रिय और समाज के प्रति अपने योगदान के कारण प्रेरणा स्रोत है।

सम्यक भाव से सदैव समाज हित में कार्यरत बाहेती जी का व्यक्तित्व एक आदर्श है। हास्य सम्राट श्री बाहेती सर्वाधिक लोकप्रिय हैं– देश में प्रथम हास्य क्लब की स्थापना के लिए।

**प्रमुख उपलब्धियाँ–**

— भारत में प्रथम हास्य क्लब के संस्थापक।
— उत्तर भारत में प्रथम सामूहिक विवाह के प्रणेता।
— जयपुर में प्रथम लायंस क्लब की स्थापना।
— राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद के संस्थापक।
— राजस्थान स्पोर्ट्स क्लब की स्थापना।
— आदित्य विक्रम बिड़ला ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य।
— माहेश्वरी समाज, जयपुर के पूर्व अध्यक्ष व संरक्षक।



**संदेश–**

**हंसिए और हंसाइए - कोरोना दूर भगाइए**
**हंसिए और हंसाइए - जीवन सुखी बनाइए**

शुभेच्छु :

- हास्यम् परिवार
- लॉयन्स क्लब, डिस्ट्रिक्ट-3233E-1 के सभी सदस्य
- सामूहिक विवाह समिति के पदाधिकारी
- राजस्थान स्वास्थ्य योग परिषद् के सदस्यगण
- आर.डी.बाहेती चेरिटेबल ट्रस्ट एवं आर.डी.बी. ग्रुप ऑफ कम्पनी के सभी सदस्य।

# रंगोली से आएगी दीपावली पर रौनक

*नई उमंग, उल्लास, रोशनी और खुशहाली का त्योहार दीपावली.... इमारतों पर लटकती रंगीन झालरें, छतों की मुंडेरों पर जलते जगमागते दीये और मोमबत्तियां, बच्चों के हाथों में फुलझड़ियां, पकवानों की खुशबू, रंग बिरंगे परिधानों में सजे एक-दूजे को मिठाइयां देते, मुंह मीठा कराते लोग, लक्ष्मी-गणेश की पूजा और चारों ओर रोशनी के इस त्योहार की खुशियां.... दीपावली की तैयारियां हम महीनों पहले से शुरू कर देते हैं। दीपावली पर घर को खूबसूरत तरीके से कैसे सजाया जाए तो सबसे बड़ा काम होता है।*

## घर के मुख्य गेट, आंगन, घर के मंदिर पर बनाएं रंग-बिरंग रंगोली

दिवाली पर आप तरह तरह की रंगोली अपने घर में उपलब्ध स्पेस, अपने बजट, अपनी क्रिएटिविटी के हिसाब से बना सकते हैं। रंगोली को संस्कृत में लंगावली कहते हैं। किसी भी शुभ काम या फिर किसी त्योहार में रंगोली बनाने की परंपरा काफी पुरानी है। दिवाली पर अधिकतर घरों में मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए रंगोली बनाई जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य सजावट तो होता ही है साथ ही इससे घर में सौभाग्य भी आता है।

### इन बातों का रखें ध्यान

**रंगोली** बनाने से पहले यह तय कर लें कि रंगोली घर के किस हिस्से में बनानी है।

**जगह** के अनुसार ही रंगोली का डिजाइन सेलेक्ट करें।

**रंगों** को छन्नी की मदद से भरें, इससे रंग इधर-उधर बिखरेंगें नहीं।

**रंगोली** की आउटलाइन को प्लास्टिक की कोन से बनाएं, इससे आउटलाइन फैलेगी नहीं।

**आउटलाइन** बनाते समय रंगों का ध्यान रखें, रंगोली में हल्के रंग भरे हैं, तो आउटलाइन डार्क रंग से बनाएं और डार्क रंग भरे हैं, तो हल्के रंग से आउटलाइन बनाएं।

### दीपों की रंगोली

घर के बरामदे या बड़े आंगन में कई दीपों और फूलों की पंखुड़ियों को सजाकर रंगोली बना सकते हैं।

**फूलों की रंगोली :** इसे बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और ये आसानी से बन भी जाती है। फूल की रंगोली बनाने में ज्यादा खर्चा भी नहीं होता। इसमें कई रंगों के फूलों का इस्तेमाल करके रंग-बिरंगी रंगोली बना सकते हैं। जैसे- गेंदा, गुलाब, चमेली, कनेर, गुड़हल आदि के फूलों की पंखुड़िया व पत्तों से रंगोली बनाई जा सकती हैं। फूलों से सजी रंगोली के चारों ओर दीपक जला सकते हैं।

### यदि ना आए रंगोली बनाना

यदि रंगोली बनानी नहीं आती तो कटोरी, चम्मच, सांचों छलनी, पुरानी बैंगल्स, छोटी प्लेट, कटोरी, और माचिस की तीली आदि से भी आसानी से रंगोली बना सकती हैं।

### रंग-बिरंगे दीयों से सजाए घर-आंगन, आएगी खुशहाली

मिट्टी के दीयों को रात भर पानी में भिगोकर रख दें। इससे दीये ज्यादा तेल और रंग भी नहीं सोखेंगे।

**इसके** बाद दीयों को सफेद रंग या प्राइमर से पेंट करें। ताकि दीयों पर रंग उभर कर आए। प्राइमर सूखने के बाद अलग-अलग रंग से दीयों को पेंट करें। दीयों को लाल, मेहरून, पीला, हरा, नारंगी, नीला आदि रंगों से पेंट कर सकते हैं।

# दीपक की लौ

**दीप में मिट्टी होती है,** स्नेह होता है
तो लौ भी होती है।
दीप अगर मृण्मय है तो चिन्मय भी है।
**दीपावली आलोक–पर्व है।**
अमावस उसकी पृष्ठभूमि है
तो आलोक उसका आयतन....
यह वह पर्व है, जिससे तिमिर का तिथि–क्षय होता है।
दीपों की पंक्ति से सम्पृक्त इस पर्व का उत्सव मनाने का एक उपाय यह भी है कि हिंदी कविता में समय–समय पर वर्णित दीपक और उसकी दीप्ति की शृंखला को निहारें। इस बार का शब्दराग वैसे ही उपक्रम का एक विनम्र प्रयास है।

## मेरे दीपक

**महादेवी वर्मा**

मधुर–मधुर मेरे दीपक जल!
युग–युग प्रतिदिन प्रतिक्षण प्रतिपल
प्रियतम का पथ आलोकित कर!

सौरभ फैला विपुल धूप बन
मृदुल मोम–सा घुल रे, मृदु–तन!
दे प्रकाश का सिंधु अपरिमित,
तेरे जीवन का अणु गल–गल
पुलक–पुलक मेरे दीपक जल!

तारे शीतल कोमल नूतन
मांग रहे तुझसे ज्वाला कण;
विश्व–शलभ सिर धुन कहता मैं
हाय, न जल पाया तुझमें मिल!
सिहर–सिहर मेरे दीपक जल!

जलते नभ में देख असंख्यक
स्नेह–हीन नित कितने दीपक
जलमय सागर का उर जलता
विद्युत ले घिरता है बादल!
विहंस–विहंस मेरे दीपक जल!

सीमा ही लघुता का बंधन
है अनादि तू मत घड़ियां गिन
मैं दृग के अक्षय कोषों से–
तुझमें भरती हूं आंसू–जल!
सहज–सहज मेरे दीपक जल!

तुम असीम तेरा प्रकाश चिर
खेलेंगे नव खेल निरंतर,
तम के अणु–अणु में विद्युत–सा
अमिट चित्र अंकित करता चल,
सरल–सरल मेरे दीपक जल!

# मैं दीपक हूं

हरिवंशराय बच्चन

मैं दीपक हूं
मेरा जलना ही तो मेरा मुस्काना है।

आभारी हूं तुमने आकर
मेरा ताप–भरा तन देखा,
आभारी हूं तुमने आकर
मेरा आह–घिरा मन देखा,
करुणामय वह शब्द तुम्हारा–
मुसकाओ था कितना प्यारा।
मैं दीपक हूं
मेरा जलना ही तो मेरा मुस्काना है।

है मुझको मालूम पुतलियों
में दीपों की लौ लहराती,
है मुझको मालूम कि अधरों
के ऊपर जगती है बाती,
उजियाला कर देने वाली
मुसकानों से भी परिचित हूं,
पर मैंने तम की बांहों में
अपना साथी पहचाना है।

मैं दीपक हूं
मेरा जलना ही तो मेरा मुस्काना है।

# यह दीप अकेला

अज्ञेय

यह दीप अकेला स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता पर
इसको भी पंक्ति को दे दो।

यह जन है : गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गाएगा
पनडुब्बा : ए मोती सच्चे फिर कौन कृति लाएगा ?
यह समिधा : ऐसी आग हठीला बिरला सुलगाएगा
यह अद्वितीय : यह मेरा : यह मैं स्वयं विसर्जित :

यह मधु है : स्वयं काल की मौना का युगसंचय
यह गोरस : जीवन–कामधेनु का अमृत–पूत पय
यह अंकुर : फोड़ धरा को रवि को तकता निर्भय
यह प्रकृत, स्वयम्भू, ब्रह्म, अयुत :
इस को भी शक्ति को दे दो।

यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी कांपा,
वह पीड़ा, जिसकी गहराई को स्वयं उसी ने नापा,
कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के धुंधुआते कड़वे तम में
यह सदा–द्रवित, चिर–जागरूक, अनुरक्त–नेत्र,
उल्लम्ब–बाहु, यह चिर–अखंड अपनापा
जिज्ञासु, प्रबुध्द, सदा श्रध्दामय
इस को भक्ति को दे दो

यह दीप अकेला स्नेह भरा है
गर्व भरा मदमाता पर
इसको भी पंक्ति को दे दो।

# दीप से दीप जले

माखनलाल चतुर्वेदी

सुलग–सुलग री जोत दीप से दीप मिलें
कर–कंकण बज उठे, भूमि पर प्राण फलें।

लक्ष्मी खेतों फली अटल वीराने में
लक्ष्मी बंट–बंट बढ़ती आने–जाने में
लक्ष्मी का आगमन अंधेरी रातों में
लक्ष्मी श्रम के साथ घात–प्रतिघातों में
लक्ष्मी सर्जन हुआ
कमल के फूलों में
लक्ष्मी–पूजन सजे नवीन दुकूलों में।

गिरि, वन, नद–सागर, भू–नर्तन तेरा नित्य विहार
सतत् मानवी की अंगुलियों तेरा हो शृंगार
मानव की गति, मानव की धृति, मानव की कृति ढाल
सदा स्वेद–कण के मोती से चमके मेरा भाल
शकट चले जलयान चले
गतिमान गगन के गान
तू मिहनत से झर–झर पड़ती, गढ़ती नित्य विहान।

# दीप

जयशंकर प्रसाद

धूसर संध्या चली आ रही थी अधिकार जमाने को,
अंधकार अवसाद कालिमा लिए रहा बरसाने को।

गिरि संकट के जीवन–सोता मन मारे चुप बहता था,
कल कल नाद नहीं था उसमें मन की बात न कहता था।

इसे जाह्नवी–सी आदर दे किसने भेंट चढ़ाया है
अंचल से सस्नेह बचाकर छोटा दीप जलाया है।

जला करेगा वक्षस्थल पर बहा करेगा लहरी में,
नाचेगी अनुरक्त वीचियां रंचित प्रभा सुनहरी में,

तट तरु की छाया फिर उसका पैर चूमने जावेगी,
सुप्त खगों की नीरव स्मृति क्या उसको गान सुनावेगी।

देख नग्न सौंदर्य प्रकृति का निर्जन में अनुरागी हो,
निज प्रकाश डालेगा जिसमें अखिल विश्व समभागी हो।

किसी माधुरी स्मित–सी होकर यह संकेत बताने को,
जला करेगा दीप, चलेगा यह सोता बह जाते को।

# आशा का दीपक

रामधारी सिंह दिनकर

यह प्रदीप जो दीख रहा है झिलमिल दूर नहीं है
थक कर बैठ गए क्या भाई मंजिल दूर नहीं है

चिंगारी बन गई लहू की बूंद गिरी जो पग से
चमक रहे पीछे मुड़ देखो चरण–चिह्न जगमग से
शुरू हुई आराध्य भूमि यह क्लांत नहीं रे राही;
और नहीं तो पांव लगे हैं क्यों पड़ने डगमग से
बाकी होश तभी तक, जब तक जलता तूर नहीं है।
थक कर बैठ गए क्या भाई मंजिल दूर नहीं है

अपनी हड्डी की मशाल से हृदय चीरते तम का,
सारी रात चले तुम दुःख झेलते कुलिश निर्मम का।
एक खेप है शेष, किसी विध पार उसे कर जाओ;
वह देखो, उस पारचमकता है मंदिर प्रियतम का।
आकर इतना पास फिरे, वह सच्चा शूर नहीं है;
थककर बैठ गए क्या भाई! मंजिल दूर नहीं है।

# सत्य दीप

गजानन माधव मुक्तिबोध

खोहों और खदानों के तल में
ज्यों रत्न–द्वीप जलते

त्यों जन–जन के अनपहचाने अंतस्तल में
जीवन के सत्य–दीप पलते !!
दावाग्नि–लगे, जंगल के बीचों–बीच बहे
मानो जीवन सरिता
जलते कूलोंवाली,

इस कष्ट भरे जीवन के विस्तारों में त्यों
बहती है तरुणों की आत्मा प्रतिभाशाली
अपने भीतर प्रतिबिम्बित जीवन–चित्रावली,
लेकर ज्यों बहते रहते हैं,
ये भारतीय नूतन झरने
अंगारों की धाराओं से
विक्षोभों के उद्वेगों में
संघर्षों के उत्साहों में
जाने क्या–क्या सहते रहते।

लहरों की ग्रीवा में सूरज की वरमाला;
जमकर पत्थर बन गए दुःखों–सी
धरती की प्रस्तर–माला
जल–भरे पारदर्शी उर में!
सम्पूरन मानव की पीड़ित छवियां लेकर
जन–जन के पुत्रों के हिय में
मचले हिंदुस्तानी झरने
मानव युग के।

# J.D. SUPARI
## JAIPUR

SINCE 1948

(A UNIT OF J.D. & COMPANY)

EXCLUSIVE VARIETIES OF SUPARI, DIGESTIVE CHURAN, SOUNF & MANY MORE..

**ADDRESS:**
**HALDIYON KA RASTA, JOHARI BAZAR, JAIPUR-302003**
**(M): 98290-64669, 93145-13133 HELPLINE: 0141-2578669**
**EMAIL: jdsupari@gmail.com**
/J.D. Supari jaipur

**COURIER FACILITY AVAILABLE ALL OVER INDIA**

**WITH BEST WISHES:**

VISHWAMBHAR LAL KABRA

SATYA NARAIN KABRA

KRISHAN KR KABRA

# 292 साल से धनतेरस पर हो रही है यमराज की पूजा

## इसलिए कहा जाता है 'यमद्वार'

गुलाबीनगर में हर तीजत्योहार मनाने का एक अलग ही अंदाज है और जब बात दीपावली की हो तो यह और भी खास हो जाता है। जयपुर का हर बाजार, हर मुख्य मार्ग, हर सरकारी बिल्डिंग, घर, मॉल्स रोशनी से जग-मग हो उठते हैं और इसी जगमगाहट के बीच यहां के लोग अपनी परंपराओं को सहेजकर संस्कारों के साथ समय का हाथ थामे चल रहे हैं। ऐसी ही एक परंपरा है धनतेरस पर यम की पूजा की और जयपुर में एक स्थान ऐसा भी है जहां हर साल धनतेरस पर यमराज की पूजा की जाती है। यह परंपरा करीब 292 सालों से चली आ रही है। यह स्थान है जयपुर का चांदपोल द्वार।

सात पीढ़ियों से चांदपोल गेट पर विराजे भगवान गणेश की पूजा करने वाले रामगोपाल ने बताया कि यह जयपुर का एकमात्र ऐसा गेट है जहां यमराज विराजे हैं। रामगोपाल ने बताया कि जब तत्कालीन राजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने जयपुर बसाया तो उनके परिवार को चांदपोल गेट की जिम्मेदारी सौंपी। दुश्मनों से बचने के लिए यहां यमराज को पहरे पर बैठाया गया। इसीलिए चांदपोल गेट को 'यमद्वार' भी कहते हैं।

उन्होंने बताया कि जयपुर में अन्य द्वारों की जगह इस द्वार पर यम को इसलिए विराजित किया गया है, क्योंकि यहां सूर्य की किरणें सीधी आती हैं और माना जाता है कि यम सूर्य के पुत्र हैं। ऐसे में इस द्वार पर ही यमदेव को विराजित किया गया है। रामगोपाल ने बताया कि आज भी धनतेरस पर पूर्व राजपरिवार की ओर से यम की पूजा होती है। इसके साथ ही स्थानीय लोग धनतेरस पर यहां आकर यम की पूजा करते हैं।

## इसलिए खास है

पं. राजकुमार शर्मा का कहना है कि -धनतेरस पर यम की पूजा का बहुत महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन यम दीप जलाने से यमराज प्रसन्न होते हैं और पितृपक्ष के बाद पितर लोक लौट रहे पितरों का मार्ग भी प्रकाशित हो जाता है। शास्त्रों के अनुसार यमराज के लोक में भी हमेशा अंधेरा रहता है। ऐसे में दिवाली के दिनों दीपक जलाने से यमलोक के मार्ग में प्रकाश होता है और पितरों को यमलोक जाने के लिए रोशनी प्राप्त होती है। जिससे उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। इसी के साथ यह भी माना जाता है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती।

# क्यों मनाया जाता है धनतेरस का त्यौहार?

कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि को धनतेरस का त्यौहार मनाया जाता है और इसी दिन से दिवाली के महापर्व की शुरुआत भी हो जाती है। शास्त्रों के अनुसार इस दिन भगवान धनवंतरी का जन्म हुआ था। इसलिए इसे धनतेरस के त्योहार के रूप में मनाया जाता है। इसके अलावा इस दिन माता लक्ष्मी और कुबेर की भी पूजा होती है।

## भगवान धनवंतरी की उत्पत्ति

भगवान धनवंतरी समुद्र मंथन के दौरान अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। आइए अब जानते हैं धनतेरस से जुड़ी कुछ कथाओं से जिनसे पता चलता है कि दीपावली से पहले धनतेरस क्यों मनाया जाता है और धनतेरस का हमारे जीवन में क्या महत्व है।

## धनतेरस कथा

शास्त्रों के अनुसार धनतेरस के दिन ही भगवान धनवंतरी हाथों में स्वर्ण कलश लेकर समुद्र मंथन से उत्पन्न हुए। धनवंतरी ने कलश में भरा हुआ अमृत देवताओं को पिलाकर अमर बना दिया। धनवंतरी के जन्म के दो दिनों बाद देवी लक्ष्मी प्रकट हुई इसलिए दीपावली से दो दिन पहले धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

शास्त्रों के अनुसार भगवान धनवंतरी देवताओं के वैद्य भी हैं। इनकी भक्ति और पूजा से आरोग्य सुख यानी स्वास्थ्य लाभ मिलता है। मान्यता है कि भगवान धनवंतरी विष्णु के अंशावतार हैं। संसार में चिकित्सा विज्ञान के विस्तार और प्रसार के लिए ही भगवान विष्णु ने धनवंतरी का अवतार लिया था।

धनतेरस से जुड़ी एक दूसरी कथा है कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन देवताओं के शुभ कार्य में बाधा डालने पर भगवान विष्णु ने असुरों के गुरु शुक्राचार्य की एक आंख फोड़ दी थी। कथा के अनुसार, देवताओं को राजा बलि के भय से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया। वामन भगवान द्वारा मांगी गयी तीन पग भूमि, दान करने के लिए बलि कमण्डल से जल लेकर संकल्प लेने लगे। बलि को दान करने से रोकने के लिए शुक्राचार्य राजा बलि के कमण्डल में लघु रूप धारण करके प्रवेश कर गए।

तब भगवान वामन ने अपने हाथ में रखे हुए कुशा को कमण्डल में ऐसे रखा कि शुक्राचार्य की एक आंख फूट गयी। इसके बाद राजा बलि ने संकल्प लेकर तीन पग भूमि दान कर दी। इस तरह बलि के भय से देवताओं को मुक्ति मिल गई और बलि ने जो धनसंपत्ति देवताओं से छीन ली थी उससे कई गुणा धनसंपत्ति देवताओं को फिर से प्राप्त हो । इस कारण से भी धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

# शुभ दीपावली

प्रकाश पुंज दीपक
आपकी
उन्नति के लिए
सदैव प्रज्जवलित
होता रहे।

इसी कामना के साथ.....

## ओमप्रकाश दरगड़

ई-102, गणपति एनक्लेव,
मदरामपुरा, अजमेर रोड़,
जयपुर

# राम दूत अतुलित बलधामा

**चाहे सीता की खोज हो, चाहे लक्ष्मण को शक्ति का लगना, चाहे युद्ध में संरक्षण हो, सभी जगह हनुमान ही हनुमान रहे। इसीलिए कहा है जिनके गुण का, न कोई अनुमान ऐसे मेरे वीर हनुमान।**

हमारी भारतीय संस्कृति की यह विशेषता रही है कि उसके पास ऐसे चरित्र, कथाएं, पात्र, ग्रंथ एवं विधाएं हैं जिनसे हम अपनी सभी समस्याओं का समुचित समाधान कर सकते हैं तथा उनके आदर्शों से अपने जीवन को अलंकत कर सकते हैं। श्रीरामचरितमानस एक ऐसा ही पथ-प्रदर्शक ग्रंथ है, जिसमें सभी कुछ समाहित है। राजा दशरथ जैसा जितेंद्रिय तथा दृढ़ संकल्पवान पिता, निष्काम, बुद्धिरूपिणी माता कौशल्या, पतिव्रता सीता तथा उर्मिला, लक्ष्मण व भरत जैसे भाई, रावण जैसा शत्रु तथा ब्रह्मचर्य स्वामी भक्त हनुमानजी, भगवान श्रीराम के सेवक ही नहीं, वे सब कुछ हैं। भगवान राम 'तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई' कहकर हनुमानजी को भाई भरत के समान कहते हैं तो उनकी कर्तव्यनिष्ठा एवं ज्ञान, बुद्धि, सामर्थ्य का अपूर्व भंडार का अनुभव कर भगवान राम कहते हैं 'कपि से उरिण हम नाही।' हनुमानजी का जन्म चैत्र शुक्ल पूर्णिमा मंगलवार को हुआ जो केसरीनंदन, वायुपुत्र, अंजनी पुत्र आदि अनेक नामों से विख्यात हैं। इन्हें रुद्रावतार भी कहा जाता है।

वायु पुराण में हनुमानजी के जन्म के संबंध में कहा गया है–

*आश्विनस्यां सिते पक्षे स्वात्यां भौमे च मारुतिः।*
*मेष लग्नेऽञ्जनागर्भात् स्वयं जातो हरः शिवः॥*

अर्थात् आश्विन (चंद्रमासकार्तिक) के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को स्वाति नक्षत्र एवं मेष लग्न में स्वयं सदाशिव ही माता अंजनी के गर्भ से प्रकट हुए।

बालक की प्रथम गुरु माता ही होती है। हनुमानजी को भी माता अंजनी ने तराशा, तैयार किया और वीर, धीर बनाया। हनुमानजी प्रबल संकटहारी हैं, तभी तो सुग्रीव जिनका राज्य, स्त्री, ऐश्वर्य सब कुछ छिन चुका था, फिर भी उन्हें श्रीराम के दर्शन ही नहीं मित्रता का पुरस्कार मिला और वह पुरस्कार दिलाने वाले रहे हनुमानजी। चाहे सीता की खोज हो, चाहे लक्ष्मण को शक्ति का लगना, चाहे युद्ध में संरक्षण हो, सभी जगह हनुमान ही हनुमान रहे। इसीलिए कहा है जिनके गुण का, न कोई अनुमान ऐसे मेरे वीर हनुमान। विभिन्न मतों के अंतर्गत कार्तिक में भी हनुमानजी का जन्म माना गया है। वायु पुराण में इसके संबंध में कहा गया है,

*आश्विनस्यां सिते पक्षे स्वात्यां भौमे च मारुतिः।*
*मेष लग्नेऽञ्जनागर्भात् स्वयं जातो हरः शिवः॥*

अर्थात आश्विन (चंद्रमास-कार्तिक) के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को स्वाति नक्षत्र एवं मेष लग्न में स्वयं सदाशिव ही माता अंजनी के गर्भ से प्रकट हुए।

वैसे तो हनुमानजी की उपासना बाल, वृद्ध, स्त्री, पुरुष सभी भक्तिभाव से कर सकते हैं, तथापि निष्काम भाव से की गई उपासना विशिष्ट फलदायी होती है। सभी प्रकार के ग्रह दोषों के शमन तथा मनोवांछित कामनापूर्ति के लिए ॐ हरिमर्कट मर्कटाय नमः का जाप करें। सभी श्रद्धालुओं को जो कुंभपर्व पर हरिद्वार नहीं जा सके, उन्हें उपलब्ध जल को गंगाजल तुल्य मानकर निम्नोक्त विधि द्वारा स्नान करना चाहिए, जिससे उन्हें भी कुंभ स्नान समफल की प्राप्ति होती है।

## कुछ उपाय

**विघ्न बाधाओं के निवारण के लिए**

*सकलविघ्न निवारणाय हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट स्वाहा*

**शत्रुओं के नाश के लिए**

*सकल शत्रुसंघरणाय हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट स्वाहा*

**दीर्घायु प्राप्ति के लिए**

*अजर अमर गुण निधि सुत होहू।*
*करहु बहुत रघुनायक छोहू।।*

**कठिन कार्य को सरल बनाने के लिए**

*दुर्गम काज जगत के जेते सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते,*
*हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट स्वाहा।*

**मनोकामनापूर्ति व विजय प्राप्ति के लिए**

*ॐ हं हनुमते रुद्रात्मकाय हूं फट ।*

**अदालती प्रकरण में सत्य प्राप्ति के लिए**

*ॐ हं पवन नंदनाय स्वाहा*

**प्रेतबाधा निवारण व आत्मरक्षा के लिए**

*ॐ दक्षिण मुखाय पंचमुख हनुमतयेण् कराल वदनाय नारसिंहाय ॐ ह्रीं ह्रीं हूँ ह्रीं हः सकल भूतप्रेत दमनाय स्वाहा ।*

**औषधि के रिएक्शन, विष बाधा, एलर्जी, पित्त अधिकता का शमन**

*ॐ पश्चिममुखाय गरुडासनाय पंचमुख हनुमतये*
*मं मं मं मं मं सकल विषहराय स्वाहा*

**ग्रहदोष, पितृदोष, वास्तुदोष के शमन के लिए**

*ॐ उत्तरमुखाय आदिवराहाय लं लं लं लं लं सी हं सी हं नीलकंठ मूर्तये लक्ष्मण प्राणदात्रे वीर हनुमतये लंकोपदहनाय सर्व संपति कराय पुत्र पौत्राद्यभीष्ट कराय ॐ नमः स्वाहा ।*

**शनि कष्ट से मुक्ति के लिए**

*नीलाञ्जनसमाभासं रविपुत्र यमाग्रजम।*
*छाया मार्तण्डसम्भूतं हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट स्वाहा।*

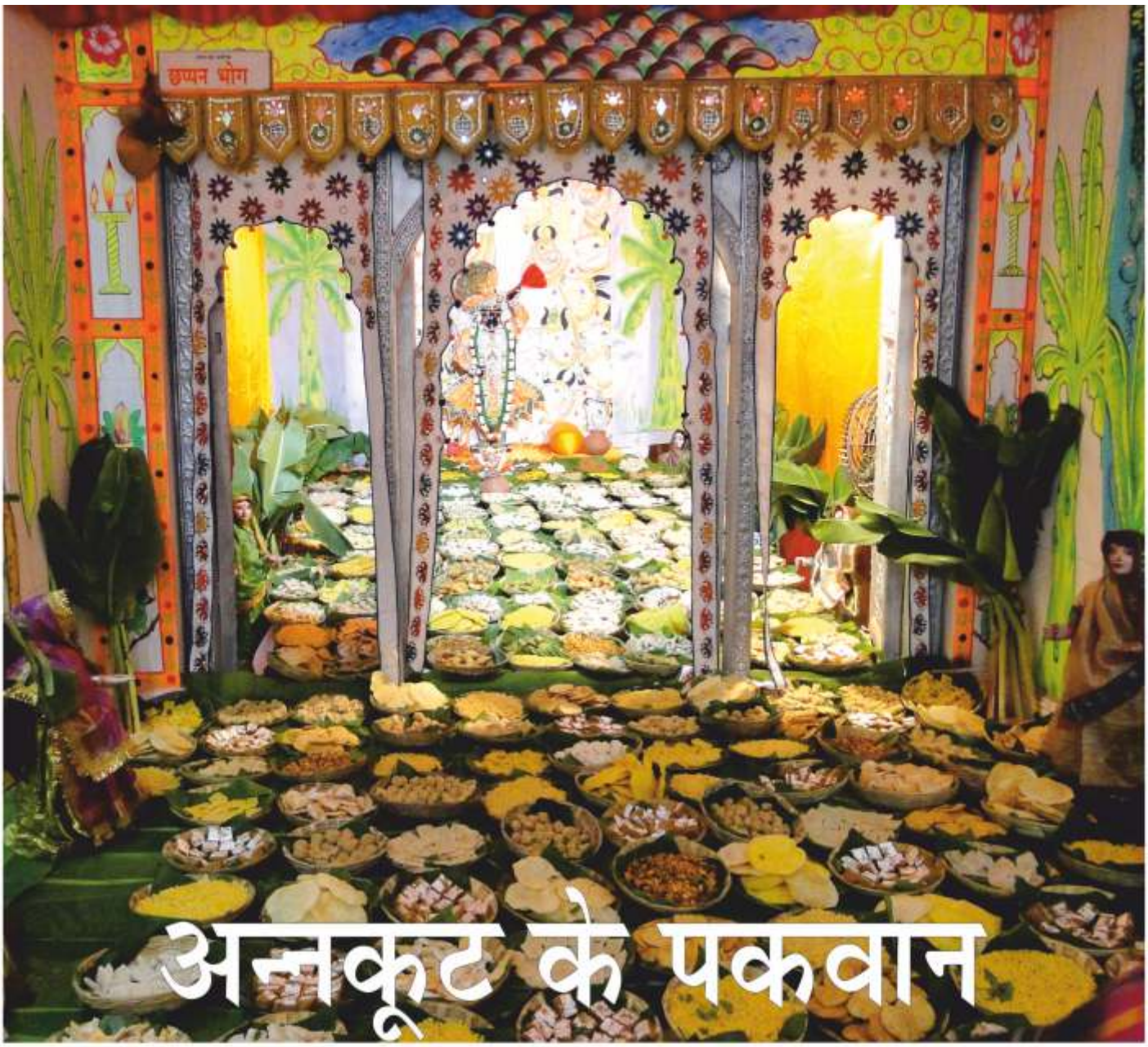


# अन्नकूट के पकवान

**दीपावली का अगला दिन गोवर्धन पूजा के लिए**

**अन्नकूट का पर्व इसी अवसर पर गोवर्धन पूजा के निमित्त मनाया जाता है, जिसके मूल में श्रीकृष्ण की कथा है।**

**अन्नकूट का शाब्दिक अर्थ है- अन्न का पर्वत।**

भारतीय पंचांग के अनुसार शरद ऋतु में कार्तिक मास में त्योहारों की झड़ी लग जाती है। दशहरे से लेकर दिवाली तक एक के बाद एक ऐसे पर्व-उत्सव आते हैं, जिनमें हरेक के अपने विशेष व्यंजन होते हैं।

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का भव्य समारोह पूरे दस दिन चलता है और गली-मोहल्लों के पंडालों में जबर्दस्त प्रतिस्पर्धा जारी रहती है कि हर दिन अपने यहां पधारने वाले भक्तों को तरह-तरह के स्वादिष्ट पकवानों से कौन सबसे ज्यादा आकर्षित कर सकता है। इनमें कोबीराजी कटलेट, आलू चॉप, सिंघाड़ा-जलेबी के अलावा भुनी खिचुड़ी को ख़ास स्थान दिया जाता है। सिर्फ कुछ ही दिन ऐसे होते हैं, जब शाकाहार की अनिवार्यता समझी जाती है, अन्यथा मांस-मछली से कोई परहेज नहीं होता। सद्गृहस्थ अपने इष्ट-मित्रों को सोंदेश, कांचागोला, खीरकदम आदि मिठाइयों के उपहार देते हैं।

उत्तर भारत में दशहरे से अधिक दीपावली के अवसर पर खाने-पीने का जोर रहता है। महालक्ष्मी पूजन के दिन खीर प्रसाद के रूप में पकाई जाती है मगर दिवाली के अगले दिन भी कर्मकांड में आस्था रखने वाले घरों में चूल्हे पर तवा नहीं कड़ाही को रखा जाता है और घी या तेल में तले पकवान ही खाए-खिलाए जाते हैं। कूट शब्द पर्वत का भी पर्याय है अत: यह कहा जा सकता है कि अन्नकूट शब्द का अर्थ अन्न का पहाड़ भी होता है।

स्वामी नारायण सम्प्रदाय के अनुयायियों का मानना है कि- अन्नकूट की थाली में 56 भोग होते हैं, क्योंकि इसमें जितने प्रकार की शाक-भाजी कंदमूल रहते हैं, उनकी संख्या 56 तक निश्चय ही पहुंच जाती है। अन्य भक्तजन 56 भोग की व्याख्या सप्ताह के सात दिन और दिन के आठ पहरों के अनुसार करते हैं। मगर यहां असली बात शब्दार्थ नहीं भावार्थ ग्रहण करने की है।

## पौष्टिक खानपान की परम्परा

वैष्णवों के लिए अन्नकूट एक पवित्र अवसर है। इस प्रथा का सूत्रपात वल्लभाचार्य के शिष्य चार पुष्टिमार्गी वैष्णवों ने किया। गौड़ीय सम्प्रदाय के चैतन्य

महाप्रभु के भक्तों ने इस परम्परा को अपना लिया और अब गोवर्धन पूजा देश के उन सभी हिस्सों में होती है, जहां श्रीकृष्ण को समर्पित देवालय हैं। आमतौर पर श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री का भोग लगाया जाता है, किंतु इस दिन यह भोग सात्विक सब्जियों का होता है। इसमें खाए जाने वाले व्यंजनों और इस्तेमाल किए जाने वाले खाद्य पदार्थों के साथ एक रोचक कथा जुड़ी है।

**मिथकीय आख्यान कुछ यों है** - वृंदावन में श्रीकृष्ण से प्रभावित ग्वालों ने इंद्र को प्रसन्न रखने के लिए यज्ञ करना बंद कर दिया था तो क्रोध में आकर इंद्र ने मूसलधार बारिश शुरू कर दी। ब्रजवासी त्राहिमाम् करने लगे। उन्होंने रक्षा के लिए कृष्ण के आगे गुहार लगाई। कृष्ण ने अपनी कनिष्ठा पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया। इसके नीचे जलप्लावन से आक्रांत लोगों ने शरण ली। इस कथानक के अनुसार पानी कई दिनों तक निरंतर बरसता रहा। जाहिर है कि इस बीच शरणागत स्त्री-पुरुषों, बच्चों के भोजन का प्रबंध श्रीकृष्ण ने ही करवाया था। जो कुछ कंदमूल, फल, साग-भाजी गोवर्धन पर उगते थे, उन्हीं से पौष्टिक भोजन सुलभ कराया जा सका।

आखिर इंद्र ने हार मानी। बारिश रुकी और जनजीवन सामान्य हुआ। ब्रजवासी कृष्ण गुणगान करते और एक अन्य चमत्कार से अभिभूत घरों को लौटे। कृतज्ञ भक्तों ने तभी से गोवर्धन-गिरधारी की कृपा को अविस्मरणीय बनाने के लिए अन्नकूट मनाने का निश्चय किया। यह परम्परा जाने कितनी सदियों से चली आ रही है। हम मान सकते हैं कि अन्नकूट के कूट का सम्बंध कहीं ना कहीं गोवर्धन पर्वत से भी है।

ब्रजभूमि और अवध के क्षेत्रों में अन्नकूट की रसोई आज भी कई घरों में पकाई-खाई-खिलाई जाती है। लोग बाजार से उन सब्जियों की पोटली खरीद लाते हैं, जिनके बारे में यह मान्यता है कि वे गोवर्धन पर्वत पर उगा करती थीं। कुछ लोग इसे अंधविश्वास मान खारिज कर सकते हैं, पर दिलचस्प बात यह है कि पोषण सम्बंधी आधुनिक शोधों से भी इस बात की पुष्टि होती है कि जो कुछ अन्नकूट की रसोई में शामिल होता है, वह मौसम के अनुकूल और आसानी से सुलभ स्थानीय पैदावार या उपज ही है, जो देशकाल-आबोहवा को देखते हुए हमें स्वस्थ-तंदुरुस्त रखने के लिए सबसे उपयुक्त है।

## विदेशी चीजें भी बन गईं व्रत की

आज हम बहुत सारी ऐसी चीजें, अनाज-फल और सब्जियां इस्तेमाल करते हैं और व्रत-उपवास के दिन बेहिचक अपने फलाहार में शामिल करते हैं, जो पिछले चार-पांच सौ साल में ही विदेश से भारत पहुंची हैं। खान-पान के इतिहासकार और वनस्पतिशास्त्री इसे कोलम्बस के दौर में सम्पन्न आदान-प्रदान यानी कोलम्बियन एक्सचेंज की संज्ञा देते हैं।

पंद्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में स्पेन और पुर्तगाल के नाविकों-अन्वेषकों ने दक्षिण अमेरिका में पैर रखे और वहीं उनका साक्षात्कार पहले-पहल आलू-टमाटर, मक्का, मिर्च, अंगूर, तम्बाकू, काजू और चॉकलेट से हुआ। इस सूची में और भी कुछ नाम जोड़े जा सकते हैं।

जाहिर है, जो चीजें इन यूरोपीय सौदागरों-उपनिवेशवादियों के साथ हम तक पहुंचीं, महाभारत काल में नहीं खाई जाती रही होंगी। इसी कारण अन्नकूट की सब्जी में न तो आलू रहता है न टमाटर और न ही हरी और लाल मिर्च। कुछ लोग आलू की जगह शकरकंद उपयोग करते हैं पर हकीकत यह है कि शकरकंद यानी स्वीट पोटेटो भी दक्षिण अमेरिका से भारत आया है। भारत में पुराने संस्कृत ग्रंथों में इससे मिलता-जुलता जो नाम सामने आता है, वह पिंडालु, रतालू का है, जिसकी प्रजातियों में अरबी और बंडा आते हैं।

तीखेपन के लिए प्राचीन भारत में कालीमिर्च और पीपली का प्रयोग किया जाता था। अन्य मसालों में हल्दी की गांठ और सोंठ यानी सूखी अदरक, धनिया, मेथीदाना, राई-सरसों का इस्तेमाल होता है। हालांकि आजकल बहुत सारे लोग गरम मसाले का प्रयोग आंख मूंदकर करते हैं, जिसमें छोटी इलायची, लौंग, जावित्री, जायफल शामिल होते हैं। लेकिन इनका जन्मस्थान ब्रज नहीं सुदूर केरल है और जाहिर है कि ये सब गोवर्धन पर्वत पर नहीं उगते थे।

शाक की अनेक प्रजातियां भारत में हजारों वर्षों से उगाई जाती रही हैं और अनेक हरी पत्तियों को लोग जंगल से बीनकर भी काम लाते थे। जैसे बैंगन स्थानीय सब्जी है, जिसे अन्नकूट की रसोई में उपयोग किया जाता है। एक उल्लेखनीय बात यह भी है कि इन सभी सब्जियों को अलग-अलग नहीं पकाया जाता, बल्कि सब्जियों के मिश्रण के रूप में सीझाया जाता है। इसका एक प्रतीकात्मक महत्व भी है।

भारतीय परम्परा में षडरस भोजन की विशेष प्रतिष्ठा है। इसे सर्वोत्तम सिर्फ इसीलिए नहीं समझा जाता कि इसमें खट्टा-मीठा, कड़वा-नमकीन, तीखा-कसैला, यानी छहों स्वाद अपना रस उड़ेलते हैं, बल्कि इसलिए भी कि ये छह रस हमारे शरीर में कफ, पित्त और वात के असंतुलन से पैदा होने वाले दोषों का निवारण भी करते हैं। श्रीकृष्ण के सामने अपने शरणागतों को स्वादिष्ट के साथ-साथ पौष्टिक खुराक दिलाने की भी थी। एक बात और ध्यान में रखने लायक है। यदि इतने लम्बे समय तक एक ही तरह का खाना खाना पड़े तो एकरसता दु:खदायी हो सकती है। यदि मिश्रित सब्जियों के घटक बदलते रहें तो इस समस्या का निदान आसानी से हो सकता है।

आज हम भले ही रस्म-अदायगी के तौर पर साल में एक दिन अन्नकूट की सब्जी पकाते हों किंतु यह हमें अनायास याद दिलाती है कि हमारी सेहत के लिए मौसम के अनुसार बिना मिर्च-मसाले और बिना चिकनाई से बनाया खाना ही सबसे ज्यादा लाभदायक होता है।

आज खान-पान के बारे में जो नया ज्ञान-विज्ञान प्रसारित किया जाता है, उसकी प्रमुख स्थापना यह है कि जो खाना धीमी आंच पर देर तक पकाया गया हो और जिसका स्वाद बढ़ाने के लिए कृत्रिम रंग-गंध और स्वाद ना मिलाए गए हों, उसे बेहतर समझा जाना चाहिए। यहां एक बार फिर भारतीय मिथकों की उस प्रलयंकारी वृष्टि के दृश्य की याद दिलाना परमावश्यक है। इसकी कल्पना सहज ही की जा सकती है कि उस समय लकड़ियां गीली रही होंगी और जैसे-तैसे उन्हें सुखाकर एक बार का भोजन पकाना भी दुष्कर रहा होगा। दूध-दही, घी आदि सामग्री जो ब्रजवासियों को प्रिय थी, अपेक्षित मात्रा में सुलभ नहीं रही होगी। तब आजकल जिसे वीगन भोजन कहते हैं, लगभग वही स्वरूप अन्नकूट की थाली का रहा होगा।

## अन्नकूट से सुधरेगी पाचन क्रिया, बैक्टीरिया होंगे खत्म

दीपावली के बाद अन्नकूट पाचन क्रिया ही नहीं सुधारता है। बल्कि अन्नकूट में खाए जाने वाला बाजरा और सब्जी हमें कई तरह की बीमारियों से बचाती है। बाजरे में मौजूद आयरन है। बाजरे में मौजूद आयरन व कैल्शियम हड्डियां मजबूत बनाता है। यह पार्किंसन और ऑर्थराइटिस में भी फायदा पहुंचाता है। बाजरे के अलावा मक्का व ज्वार का सेवन करना चाहिए। मक्का में मौजूद प्रोटीन मसल्स को ताकत देता है। मूली में गंधक पर्याप्त मात्रा में मौजूद होती है, जो हमारा बीमारियों से बचाव करता है। वहीं, इस मौसम में पनपने वाले नए-नए तरह के बैक्टीरिया व वायरस से बचाने में मददगार है। मक्का व बाजरे से मिलने वाले पोषक तत्व भी बैक्टीरिया और वायरस खत्म करके रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। गाजर भरपूर मात्रा में खाएं। इस फेस्टिवल पर हल्की ठंड शुरू हो जाती है। इसलिए गर्म पानी पिएं। शक्कर की जगह गुड व मिश्री खाएं। सप्ताह में एक बार बाजरे की रोटी व दलिया जरूर खाएं। थायराइड, हार्ट डिजीज, ब्रेन स्ट्रोक से बचने के लिए रेगुलर एक्सरसाइज शुरू कर देनी चाहिए।

**डॉ. गिरिराज उपाध्याय** (आयुर्वेदिक एक्सपर्ट)

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया,
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुख भागभवेत।

# शुभ दीपावली

गिरिराज प्रसाद मोदानी
गत् 40 वर्षों से
समाज सेवा में सक्रिय

मोदानी परिवार की ओर से

# दशहरा एवं दीपावली

## की हार्दिक शुभकामनाएँ

एम-82, महेश कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर

## मन का दीपक यदि बुझने लगे तो उसमें

# विचारों का घी जल्दी से डालें

■ बी.के. शिवानी, ब्रह्माकुमारी

हमें सिर्फ दो दिन की दिवाली नहीं मनानी है बल्कि सारा जीवन दिवाली मनाना है। हमारी यह मान्यता है कि दिवाली के दिन घर के दरवाजे और खिड़कियां खुली छोड़ देते हैं, जिससे कि श्री लक्ष्मी अंदर आ सकें। कभी हमने यह सोचा है कि दरवाजे और खिड़कियों को खुला रखने से श्रीलक्ष्मी जी घर के अंदर कैसे आएंगी? हमें अपने मन के दरवाजे और खिड़कियों को खोलना है, जिससे कि परमात्मा का सत्य ज्ञान हमारे अंदर आ सके, ऐसा हुआ तो श्रीलक्ष्मी का आह्वान स्वत: ही हो जाएगा। हम हर त्योहार को बाहरी रूप से मनाने लग गए हैं जबकि हर त्योहार हमें कुछ सिखाने के लिए आया था। पर हम तो सिर्फ उसके बाह्य स्वरूप पर ध्यान केंद्रित करते गए।

दिवाली पर हम एक दीपक से दूसरा दीपक जलाते हैं, फिर दूसरे से तीसरा, इस प्रकार दीपमाला बन जाती है। यदि एक दीया बुझ जाता है तो दूसरा दीया भी बुझ जाता है। घर में बुझे हुए दीपक एक-दूसरे के साथ रहते हैं, तो घर में आपस में झगड़ते रहते हैं। दीया जलाना शुभ माना जाता है। कहते भी हैं कि घर में दीया जल रहा है मतलब शुभ है। अगर दीया बुझ गया तो अशुभ हो जाता है। दीया मतलब रोशनी देने वाला, यानी हमें देते ही रहना है। कलियुग में लेना और सिर्फ लेना हो गया है, तो इस समय दीया बुझा हुआ है। सब कहते हैं मुझे प्यार, सम्मान और विश्वास चाहिए। जब बात सिर्फ लेने की होगी तब दीया बुझ जाएगा। जीवन को अशुभ से शुभ बनाना है तो दीया जलाना है, यानी प्यार, सम्मान और विश्वास देना है।

लक्ष्मी हमेशा देने की मुद्रा में ही खड़ी होती है। वह देते हैं इसलिए उन्हें देवी-देवता कहते हैं। अगर लक्ष्मी का आह्वान करना है तो दीया जलाना ही पड़ता है। दीया अगर बुझने वाला होता है तो हम जल्दी से घी डालते हैं। मतलब मन अगर एक भी ऐसा विचार पैदा करे कि, उसने मुझे सम्मान नहीं दिया तो फटाफट ज्ञान का घी उसमें डालो, कहो कि मुझे कुछ नहीं चाहिए, मुझे तो वापस देना है। एक दिन एक विचार पैदा करें कि हमें किसी से कुछ नहीं चाहिए तो दस दिन के भीतर मन की प्रोग्रामिंग ही बदल जाएगी। जबकि जीवन जीने का तरीका है कि 'चाहिए' की लिस्ट कभी खत्म ही नहीं होती है। जो मांगने वाले की ओर खड़ा होगा वहां लक्ष्मी नहीं आती है। जिसके जीवन में समृद्धि होती है वह मांगता नहीं है वो देता है। श्रीलक्ष्मी समृद्धि की देवी है। हर रोज आपको कहना होगा कि मुझे किसी से, यहां तक कि अपने बच्चों से भी कुछ नहीं चाहिए। जिसको कुछ नहीं चाहिए होगा वह हमेशा खुश रहेगा।

कुछ चाहिए और नहीं मिले तो हम दु:खी होते हैं। जब दु:खी होते हैं तो दूसरे से नाराज हो जाते हैं। किसी से हमें कोई आस नहीं रखनी है। जब हम ऐसा करेंगे तो सिर्फ हमारे जीवन या घर में ही नहीं बल्कि पूरी सृष्टि में दीवाली आनी है। दीवाली मतलब एक नया साल। सफाई का दीया जलाया, मिठाई खाई और पुरानी बातें सारी खत्म तो नया साल। कहते हैं नए चार दिन की दिवाली है मतलब क्षणिक खुशी है। दिवाली चार दिन की नहीं बल्कि जीवन भर ही दीपावली मनानी है।

किशनगढ़ में रियासत काल से चल रही परंपरा

# यहां अब भी हाथ से बनता है लक्ष्मीजी का पाना

मदनगंज-किशनगढ़ (अजमेर) शहर में रियासतकाल से लक्ष्मीजी का पाना हाथ से बनाया जा रहा है। यहां एक परिवार करीब 100 साल से इस तरह के पाने का निर्माण कर रहा है। इन पानों का महत्व उस जमाने में अधिक इसलिए भी था कि शहर में प्रिंटिंग की मशीनें ही नहीं थीं। ऐसे में कुछ लोग दीवार पर लक्ष्मीजी का पाना बनाकर पूजा करते थे तो शहर सहित 200 से अधिक गांवों के लोग यहां हाथ से बनने वाले इस पाने को खरीदने आते थे।

सदर बाजार पुराना शहर निवासी जैन पिक्चर्स के लक्ष्मणसिंह जैन के अनुसार उनके पिता उमराव सिंह जैन ने कागज पर लकड़ी के सांचे से इस तरह के पानों का निर्माण शुरू किया। इस सांचे से कागज पर तस्वीर की आउटलाइन तैयार कर दी जाती है फिर इसमें ब्रश से वाटर कलर भरा जाता है। इस तरह सफेद कागज पर रंगीन पाना तैयार होता है। उन्होंने बताया कि पिता उमराव जैन से उन्होंने यह कार्य सीख लिया था। अब करीब दो साल पहले पिताजी का 100 वर्ष से अधिक की उम्र में निधन हो गया, लेकिन परिवार के इस पैतृक हुनर को उन्होंने आज भी जिंदा रखा हुआ है। वे आज भी इस तरह के पानों का सांचों के जरिए हाथ से निर्माण कर रहे हैं।

### बिकता था 10 पैसे में

जैन ने बताया कि हाथ से कागज पर बना यह पाना किसी जमाने में मात्र 10 पैसे में बिकता था, तब यह 2 से 3 हजार तक की संख्या में बिक जाया करते थे। आज भी ऐसे कई लोग हैं जो दशकों से इस हाथ से बने पाने को खरीदने आते हैं।

### क्या-क्या है इस पाने में

इस पाने में 15 यंत्र, लक्ष्मीजी का फोटो 9 हाथी और फूल-पत्तियां बनाई गई हैं। इनमें हाथियों की संख्या कम ज्यादा भी है। कुछ पाने 7 हाथी तो। कुछ 5 और 9 हाथी के बने होते हैं।

- **210** गांव से आते थे लोग खरीदने
- **20** रु. में बिक रहा वर्तमान में

# विष्णुप्रिया तुलसी

भक्तों एवं उपासकों के लिये जितने भगवान् विष्णु आराध्य एवं श्रद्धेय हैं, उतनी ही भगवती तुलसी भी श्रद्धेया, पूज्या एवं वन्दनीया हैं। वे भी श्री देवी के समान भगवान् की अनादिकाल से नित्य सहचरी रही हैं। इसलिये वे विष्णुप्रिया, विष्णुकान्ता एवं केशवप्रिया आदि नामों से अभिहित होती हैं। वे भगवान् के नित्यधाम-गोलोक में उनके साथ देवी के रूप में स्थित रहती हैं और लीला-विभूति में वे श्री राधिका के समान ही भगवान् की लीलाओं में सहयोग प्रदान करती हैं तथा लीला के प्रसङ्ग में ही वे वृन्दावन में एक गोपी के रूप में अवतरित होती हैं और पुनः किञ्चित् काल तपस्या कर वृन्दावन विहारी के रूप में अवतीर्ण हुए श्री कृष्ण स्वरूप नारायण को प्राप्त कर लेती हैं। इस सम्बन्ध में पुराणों में अनेक आख्यान हैं और कल्पभेद से उनमें कई स्थानों पर घटना-चक्रों में भी कुछ भिन्नता प्राप्त होती है। किन्हीं पुराणों के अनुसार वे कुछ काल तक जालन्धर की पत्नी रहती हैं और किन्हीं के अनुसार शङ्खचूड की । अन्तर्भाव से उनकी श्रद्धा भगवान् नारायण में ही सदा रही और उन्हीं को पति रूप में प्राप्त करने के लिये तप भी करती रहीं। इनके यद्यपि अन्य कई नाम हैं, किंतु 'वृन्दा' इनका दूसरा प्रमुख नाम रहा है और जब इन्होंने गोपी-भाव के शरीर का परित्याग कर दिया तो ये वृक्ष के रूप में परिवर्तित हो गयीं और वृन्दा एवं तुलसी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। इस प्रसङ्ग में इनकी मनःस्थिति को जानते हुए भगवान् विष्णु ने जो अनुग्रह कर इन्हें अपनी पत्नी बनाने के लिये छल का अभिनय किया, उससे रुष्ट होकर इन्होंने उन्हें शिला बनने का शाप दिया और स्वयं गण्डकी नदी के रूप में परिवर्तित हो गयीं तथा उन्हें अपने हृदय में धारण कर लिया। इस प्रकार भी भगवान् नारायण का देवी तुलसी से अनन्य सम्बन्ध स्थापित हो गया।

भगवान् शालग्राम साक्षात् नारायणस्वरूप हैं और तुलसी के बिना उनकी कोई भी पूजा सम्पन्न नहीं हो सकती। उनके स्नान, नैवेद्य, आचमन, चन्दन, पुष्प-माल्यादि अलंकरण और राजभोग आदि में उनकी सर्वत्र उपस्थिति आवश्यक होती है। अनेक प्रकार के दिव्य उपकरण मिष्ठान्न, सुस्वादु व्यञ्जन आदि भी वे तुलसी के बिना स्वीकार नहीं करते। इसलिये भगवान् नारायणस्वरूप शालग्राम की उपासना में नैवेद्य आदि के अर्पण के समय मन्त्रोच्चारण और घण्टा नाद के साथ-साथ तुलसी पत्र का समर्पण भी उपासना का मुख्य अङ्ग माना जाता है और प्रतिमा चाहे विष्णु, राम, कृष्ण, नृसिंह, वामन, लक्ष्मी-नारायण आदि किसी की हो, उनके हाथों में भी तुलसी अर्पित की जाती है और उनकी प्रतिनिधि के रूप में एक शालग्राम की उपस्थिति तथा तुलसी का सांनिध्य आवश्यक होता है। यह उनके विष्णु-प्रियात्व का प्रमुख प्रमाण है। साथ ही तुलसी की प्रायः अन्य सभी देवताओं और देवियों की उपासना में पुष्प आदि के साथ इनका सम्मिश्रण होने से उस देवता की भी प्रसन्नता शीघ्र प्राप्त हो जाती है।

*भगवती विष्णुप्रिया तुलसी सभी प्रकार से लोकोपकार में सहायक होती हैं। उपासना के द्वारा इस लोक और परलोक में सब प्रकार का कल्याण करती हैं और वायु के द्वारा संचरित होकर सुदूर तक वायुमण्डल के सभी प्रकार के प्रदूषणों को दूर करती हुई उसे शुद्ध और सात्विक बना देती हैं तथा दूसरी तरफ इसके पत्र, मञ्जरी, काष्ठ, मृत्तिका आदि सभी औषधियों आदि में प्रयुक्त होकर अपार लाभ प्रदान करते हैं।*

आज भी विष्णु वल्लभा तुलसी की स्मृति में कार्तिक मास में सर्वत्र उनका जन्म एवं विवाह का उत्सव मनाया जाता है। विशेषकर कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि से लेकर पूर्णिमा तक विवाह-मण्डप की रचना, विवाह-कौतुक और शालग्राम की शिला के साथ तुलसी के निवास स्थान के पास सभी प्रकार की चित्र-रचना कर षोडशोपचार-पूजनपूर्वक शृङ्गारोत्सव मनाया जाता है। उस दिन श्रद्धालु लोग उपवास करते हैं। व्रतोद्यापन में जप, हवन तथा ब्राह्मण-भोजन आदि भी होता है। उस दिन विष्णु-स्तोत्रों के साथ-साथ तुलसी के कवच आदि पञ्चाङ्गों के स्तोत्रों का पाठ भी किया जाता है और विवाह आदि के मङ्गल-गीत तथा मङ्गल-आरती आदि भी सम्पन्न की जाती है। इससे अनन्त पुण्यफल की प्राप्ति होती है।

तुलसी के माहात्म्य पर भी प्रायः सभी पुराणों में तथा पाञ्चरात्रों में पर्याप्त प्रकाश डाला गया है। इनके अनुसार जहाँ तुलसी के पौधे होते हैं या तुलसी-वन होता है, वह स्थान या उद्यान महान् तीर्थ हो जाता है और वहाँ यमकिंकरों का प्रवेश नहीं होता। जहाँ भगवान् की तुलसी-मञ्जरियों से पूजा होती है, वहाँ के लोग मोक्ष के भागी होते हैं और उपासकों को पुनर्जन्म नहीं लेना पड़ता।

तुलसी-वृक्ष में मूल से लेकर उसकी छाया तक में सभी देवता तथा सभी तीर्थ निवास करते हैं और वहाँ सभी कल्याण-मङ्गलों का अधिष्ठान होता है। देवता भी तुलसी के संनिधान से मोक्ष प्राप्त करने की अभिलाषा करते हैं । जल में तुलसी दल मिलाकर जो व्यक्ति स्नान करता है, उसे सभी तीर्थों में स्नान करने का फल प्राप्त हो जाता है। जलपूर्ण घड़े में तुलसी डालकर उस पवित्र जल से भगवान् शालग्राम या अन्य देवताओं का अभिषेक करने से तो देवताओं तथा भगवान् को ऐसी तृप्ति होती है जो अमृतपूर्ण हजारों घड़ों से भी सम्भव नहीं है।

तुलसी-वन में या तुलसी-वृक्ष के समीप किया गया कोई भी अनुष्ठान, जप, तप तथा रामायण, गीता, भागवत आदि के पाठ सभी कामनाओं को पूर्ण करते हुए उसके हृदय को भी शुद्धकर शुद्ध ज्ञान की उत्पत्तिपूर्वक उसे भगवत् प्राप्ति एवं मुक्ति के भी योग्य बना देते हैं। इसी प्रकार तुलसी-वृक्ष के नीचे की मृत्तिका की भी अपार महिमा कही गयी है। उसके मस्तक में लगाने से सभी पाप दूर हो जाते हैं और सभी प्रकार के कल्याणों की प्राप्ति होती है। इसी प्रकार तुलसी की माला का भी बहुत महत्त्व है। वैष्णवों में उसकी कण्ठी भी पहनने का नियम है। इससे यमदूतों का भय नहीं होता। भगवान् विष्णु के तथा उनके सभी अवतारों के मन्त्र तुलसी माला पर जपने से सद्यः सिद्धि प्रदान करते हैं। वैसे अन्य भी देवी के मन्त्र और सात्विक मन्त्र तथा नाम-मन्त्र भी तुलसी की माला पर जपे जाते हैं।

तुलसी की माला को सदा पवित्र स्थान में ही रखना चाहिये। उसे कभी भी अपवित्रावस्था या अपवित्र स्थान में स्पर्श नहीं होने देना चाहिये । श्राद्ध के भोज्य पदार्थों तथा कव्य आदि में तुलसी के प्रयोग से पितरों को अक्षय तृप्ति प्राप्त होती है। अतः श्राद्ध-तर्पण में भी इसका प्रयोग करना चाहिये। प्राचीन काल से लोगों के प्राणान्त-समय पर मुख में तुलसी, गंगाजल तथा सुवर्ण रखने की परम्परा है। लोगों का विश्वास है कि इससे यमदूत वहाँ फटकने नहीं पाते और वह भगवान् विष्णु के सायुज्य को प्राप्त करता है। विष्णुदूत वहाँ उसकी रक्षा करने के लिये पहले पहुँच जाते हैं। भगवान् शंकर देवर्षि नारद से तुलसी की महिमा बताते हुए कहते हैं– जिनका मृत शरीर तुलसी काष्ठ से जलाया जाता है, वे विष्णुलोक को प्राप्त करते हैं। मृत पुरुष के सम्पूर्ण अंगों पर तुलसीकाष्ठ रखने के पश्चात् उसका दाह-संस्कार किया जाय तो वह भी पाप से मुक्त हो जाता है।

'यदि दाह संस्कार के समय अन्य लकड़ियों के भीतर एक भी तुलसी का काष्ठ हो तो करोड़ों पापों से युक्त होने पर भी मनुष्य की मुक्ति हो जाती है।'

तुलसी के पत्ते, फूल, फल, मूल, शाखा, छाल, तना और मिट्टी आदि सभी पावन हैं।

भगवती तुलसी का नामोच्चारण करने से ही असुरारि भगवान् विष्णु प्रसन्न हो जाते हैं, मनुष्य के पाप नष्ट हो जाते हैं तथा उसे अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। कलियुग में वे मनुष्य धन्य हैं, जिनके घर में शालग्राम-शिला का पूजन करने के लिये प्रतिदिन तुलसी का वृक्ष लहलहाता रहता है। तुलसी के द्वारा मधुसूदन की पूजा करने से प्रत्येक मनुष्य, विशेषतः भगवान् का भक्त नर से नारायण हो जाता है।

आध्यात्मिक और धार्मिक क्षेत्र में तुलसी की महत्ता सर्वत्र प्रख्यात है ही, साथ ही विविध शारीरिक एवं मानसिक रोगों के उपचार में भी तुलसी का अद्भुत चमत्कार देखा जाता है। इस सम्बन्ध में अनेक विद्वानों ने शोधपूर्ण ग्रन्थ लिखे हैं। यह विविध प्रकार के ज्वरों, प्रतिश्याय, काश, श्वास आदि रोगों में रामबाण का काम करती है। इसके अतिरिक्त अन्य कई चिकित्सा के प्रयोगों में इसका उपयोग होता है। इस पौधे के पार्श्ववर्ती क्षेत्र में दूषित कीटाणुओं तथा विविध रोगों को उत्पन्न करने वाले तत्त्वों तथा क्षुद्र जीव-जन्तुओं का प्रवेश नहीं हो पाता और शुद्ध वायु तथा सात्विक भावों का स्वाभाविक रूप से संचार होता है, जिससे मन-शुद्धि और शरीर-स्वास्थ्य में भी आशातीत लाभ होता है। कुछ अनुसंधानकर्ताओं के मतानुसार यह शूल और प्लीहा का भी निवारक है तथा गाय के दही के साथ कुछ अधिक मात्रा में दीर्घकाल तक प्रयोग करने से कैंसर आदि भयंकर रोगों का भी विनाश हो जाता है।

इस प्रकार भगवती विष्णुप्रिया तुलसी सभी प्रकार से लोकोपकार में सहायक होती हैं। उपासना के द्वारा इस लोक और परलोक में सब प्रकार का कल्याण करती हैं और वायु के द्वारा संचरित होकर सुदूर तक वायुमण्डल के सभी प्रकार के प्रदूषणों को दूर करती हुई उसे शुद्ध और सात्विक बना देती हैं तथा दूसरी तरफ इसके पत्र, मञ्जरी, काष्ठ, मृत्तिका आदि सभी औषधियों आदि में प्रयुक्त होकर अपार लाभ प्रदान करते हैं।

तुलसी की उपासना-सम्बन्धी प्रयोगों के कुछ विशेष नियम हैं, जो शास्त्रों में विस्तार से निर्दिष्ट हैं, यहाँ संक्षेप में वर्णन किया जा रहा है–

तुलसी कभी बासी नहीं होती और अपवित्रता से यदि असंस्पृष्ट हो तो उसका पुनः-पुनः उपयोग भी होता है। तुलसीके अतिरिक्त अन्य सभी द्रव्य बासी हो जाते हैं।

पूजा में बासी पुष्प और बासी जल वर्जित है, परंतु तुलसीदल और गंगाजल बासी होने पर भी वर्जित नहीं हैं।

रविवार, अमावस्या, द्वादशी एवं संक्रान्ति के दिन तुलसी का चयन निषिद्ध है । इसलिये उन दिनों के पूजन के लिये उससे पूर्व की तिथियों में ही उनका चयन कर लेना चाहिये। ग्रहण के समय तथा आधी रात के बाद भी तीन घंटे तक चयन नहीं करना चाहिये।

देवकार्य और पितृकार्य के लिये स्नान करके ही तुलसी की पत्तियाँ उतारनी चाहिये–

*अस्नात्वा तुलसी चित्वा यः पूजां कुरुते नरः।*
*सोऽपराधी भवेत् सत्यं तत्सर्वं निष्फलं भवेत् ॥*

**( वायुपुराण )**

'बिना स्नान किये जो तुलसी-चयन करके उससे पूजा करता है, निश्चय ही वह अपराधी है और उसकी सारी पूजा निष्फल होती है।'

तुलसीदल-चयन करते समय निम्नांकित श्लोक का पाठ करना मङ्गलकर होता है–

1. तुलसीतरुमूले च पुण्यदेशे सुपुण्यदे।
अधिष्ठानं तु तीर्थानां सर्वेषां च भविष्यति ।।
तत्रैव सर्वदेवानां समधिष्ठानमेव च ।
तुलसीपत्रपतनप्राप्तो यश्च वरानने ।।

**( ब्र वै.ए प्रकृति. २१। ३७-३८ )**

तुलसी की गंध वहन कर हवा जिस भी स्थान को जाती है, उसकी दसों दिशाओं और चारों तरफ के प्राणी पवित्र हो जाते हैं। स्पष्ट है कि तुलसी की उपयोगिता ने ही इसे न केवल पूजनीयता दी, वरन पुराणों तक में इसे स्थान दिया है। ■

# दीपावली

## की हार्दिक शुभकामनाएँ

महावीर प्रसाद नोवाल (माहेश्वरी)

## हर परिवार के लिए हमारा सपना
## सिर पर हो छत अपना

Flats

Farm House

House/Villa

Shop

केता, विक्रेता एवं कमीशन एजेंट

# श्री बजरंग प्रोपर्टीज

दुकान नं. 21, ग्रीन पार्क के सामने, राजेश कोच, आगरा रोड़ , जयपुर

फोन नं. 9314922472, 9414322472

# तुलसी का कन्यादान

*हर घर के आंगन में पूजित तुलसी के विवाह का समय आ गया है। तुलसी संग शालिग्राम का विवाह, कन्यादान का पुण्य दिलाता है। इस शुभ घड़ी का सभी को इंतजार होता है।*

*'तुलसी दर्शनात तव मुक्ति*
*तुलसी स्पर्शनात् तव मुक्ति*
*तुलसी भक्षणार्थ तव मुक्ति।'*

अर्थात तुलसी के दर्शन, स्पर्श व सेवन मात्र से ही मुक्ति मिल जाती है। ऐसी पवित्र तुलसी आज हर घर में मौजूद है। पुराणों में पवित्रता का दूसरा रूप तुलसी को माना गया है। लेकिन इससे पुरानी तुलसी विवाह की परंपरा है। धर्मावलंबी, खासकर महिलाएं तुलसी विवाह को खासा महत्वपूर्ण मानती है। इसी संदर्भ में तुलसी विवाह की पूर्ण जानकारी प्रस्तुत है।

## तुलसी विवाह की कथा

जालंधर नाम के एक राक्षस ने तीनों लोकों में हाहाकार मचा रखा था। उसके आतंक से देवता भी कांपते थे। कृष्ण भक्त वृंदा हमेशा कृष्ण भक्ति में लीन रहती थी। जालंधर ने बलपूर्वक वृंदा का हरण कर विवाह किया। वृंदा के सतीत्व और धर्मपरायण होने के कारण यमराज भी उसके पति जालंधर का कुछ नहीं बिगाड़ पा रहे थे। इधर देवताओं और ऋषि-मुनियों में जालंधर का डर बैठा हुआ था। अत: सभी ने एकमत होकर यह निर्णय लिया कि जब तक वृंदा का सतीत्व भंग नहीं किया जाता, तब तक जालंधर का वध मुश्किल है। इस कार्य के लिए सभी ने भगवान विष्णु से सहायता मांगी। भगवान विष्णु ने जालंधर का रूप धारण कर वृंदा का सतीत्व भंग कर दिया। जब यह बात वृंदा को ज्ञात हुई तो उसने विष्णु जी को कुरूप पत्थर बन जाने का श्राप दिया। वृंदा के श्राप के कारण विष्णु जी तत्काल जामुनी रंग के कुरूप पत्थर बन गए। यह देख देवताओं और ऋषि-मुनियों में हड़कम्प मच गया। ग्रह-नक्षत्र बदल गए। चारों ओर अंधेरा व्याप्त हो गया। त्राहि-त्राहि मच गई। सृष्टि के विनाश को देख माता लक्ष्मी ने वृंदा से क्षमा याचना की। लक्ष्मी जी के इस विनय व शोक से द्रवित होकर सती वृंदा ने भगवान विष्णु को पत्थर रूपी शरीर से मुक्त किया। उसी समय गंडकी नदी में शालिग्राम का उद्भव हुआ और इन्हीं शालिग्राम से वृंदा का विवाह हुआ। भगवान विष्णु ने वृंदा को वरदान दिया कि मेरी पूजा शालिग्राम के रूप में तभी पूर्ण मानी जाएगी, जब तुम्हें मुझ पर अर्पित किया जाएगा। साथ ही मेरे कृष्ण अवतार का जन्म वहां होगा, जो तुम्हारे नाम से पहचाना जाएगा यानि वृंदावन। तुम हर घर में पूज्य होगी और तुम्हारा मेरे संग विवाह कराने वाले व्यक्ति को अतुल पुण्य लाभ होगा। तभी से तुलसी विवाह की परंपरा चली आ रही है।

देवशयनी एकादशी के दिन तुलसी विवाह कराने की परंपरा है। यह स्वयंसिद्ध मुहूर्त है, इसी दिन से शुभ और मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। शास्त्रों में 8 प्रकार के विवाह माने गए हैं, जिनमें ब्रह्म, देव, आर्श, प्रजापत्य, राक्षस, असुर, गंधर्व और पिशाच विवाह सम्मिलित हैं। इनमें से 4 प्रकार से ही (ब्रह्म, देव, आर्श और प्रजापत्य) पाणिग्रहण किए जाते है। शेष चार प्रकार के विवाह दुष्ट या दूषित विवाह माने गए हैं। इसके साथ ही देवशयनी एकादशी, अक्षय तृतीया, बसंत पंचमी और भणया नवमी स्वयंसिद्ध मुहूर्त होते हैं। इन मुहूर्तों में किए गए विवाह हमेशा शुभ फल देते हैं।

## तुलसी का कन्यादान

तुलसी संग शालिग्राम के विधिवत विवाह के समय तुलसी को कन्या मानकर कन्यादान किया जाता है, जिससे कन्यादान का पुण्य प्राप्त होता है। वेद-पुराणों में कन्यादान को महादान की संज्ञा दी गई है और इसके समकक्ष कोई अन्य दान नहीं हो सकता, यह भी वर्णित है। कार्तिक मास के प्रारंभ से व्रत रखने वाली महिलाओं को इस विवाह का विशेष इंतजार रहता है। इस विवाह से उन्हें व्रत के साथ अतुलित फल प्राप्त होते हैं।

## आप लें पुण्य लाभ

तुलसी विवाह कराकर आप भी पुण्य अर्जित कर सकती हैं। किसी वेदपाठी ब्राह्मण से तुलसी जी को पीपल के वृक्ष के साथ स्थापित कर उसमें एक जामुनी रंग के पत्थर का प्रतिरूप (शालिग्राम) स्थापित कराएं। इन दोनों को वर-वधू के रूप में विष्णु-लक्ष्मी का प्रतिरूप माना जाता है। साथ ही तुलसी, विष्णु को दान करनी चाहिए। फिर दोनों को सृष्टि के पालनहार के रूप में पूजन, अर्चन, धूप-दीप-नेवैद्य आदि पंचोपचार से पूजन करना चाहिए। 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नम:' मंत्र का जप कर अग्नि में देव, ग्रह, प्रजापत्यादि एवं कुल देवताओं के लिए 84 आहुतियां दें। इस दौरान मंत्र-स्मरण करते हुए अग्नि के फेरे लिए जाते हैं। इस अग्नि का भी विशेष महत्व है। शास्त्रों में वर्णित हैं कि जिस अग्नि को साक्षी मानकर विवाह की रस्में पूरी होती है उसे 'आवसत्थ' नाम दिया गया है। यह अग्नि सर्वत्र शुभ और पवित्र होती है।

आप भी तुलसी विवाह के साक्षी बनें और पुण्य अर्जित करें। ऐसा भी माना जाता है कि जिन दंपत्तियों को कन्या रूपी रत्न नहीं होता, उन्हें तुलसी विवाह कराकर कन्यादान का पुण्य लेना चाहिए।

# DR. B. L. Maheshwari

# Vatsal Maheshwari

# AQUAPROOF GROUP

AN ISO 9001: 2015 * ISO 14001: 2004 * OHSAS 18001: 2007 COMPANY

## WALL CARE PRODUCT RANGE

- Waterproofing
- Concrete Protection
- Plaster & Putty
- Tile & Stone Care
- Repairing Products
- Sealant
- Water Repellent
- Industrial Floors
- Industrial Grouts
- Admixture
- Coatings
- Epoxy
- Home Care Products

***Manufacturing Plants :***

***★ Kalol (Baroda), Gujarat ★ Rajim (Raipur), Chhattisgarh***
***★ Raila (Bhilwara), Rajasthan ★ Alwar, Rajasthan ★ Ranchi, Jharkhand***

AQUAPROOF
Quality Building Material Solutions

**Corporate Office:** 601, Corporate Arena, Off Aarey Piramal Cross Rd, Goregaon (W), Mumbai - 400062
**Tel:** 022-28782493/95 **Email:** info@aquaproofindia.com
**Website:** www.aquaproofindia.com
**Facebook:** www.facebook.com/aquaproofindia

POINT YOUR MOBILE PHONE CAMERA & SCAN USING QR CODE SCANNER APP

# विष्णुस्वरूप भगवान् शालग्राम

शालग्राम भगवान् विष्णु के साक्षात् मूर्तिमान विग्रह माने जाते हैं। अन्य प्रतिमा विग्रहों की तरह इनमें प्राण-प्रतिष्ठादि संस्कारों की आवश्यकता नहीं होती तथा पूजा आदि में भी आह्वान-विसर्जन आदि नहीं किया जाता, क्योंकि इस शिला में भगवान् विष्णु नित्य संनिहित रहते हैं। अत: इनके पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, चन्दन, पुष्प, तुलसी आदि उपचारों से स्तुति-प्रदक्षिण तथा प्रणाम तक ही पूजा की विधि है, विसर्जन की नहीं। रात्रि में शयन करने के बाद पुन: प्रात:काल जागरण कराया जाता है। इनके साथ तुलसी का नित्य संयोग माना जाता है। केवल शयनकाल के अतिरिक्त ये तुलसी से कभी अलग नहीं रहते। अत: शयन कराने के बाद तुलसी-पत्र को शालग्राम-शिला के ऊपर से हटाकर पार्श्व में रख दिया जाता है। यदि कई शालग्राम हो तो सबसे उतारकर एक वस्त्र में शिलाओं के पीछे रखने की परम्परा है।

भगवान् विष्णु पतिव्रता वृन्दा के शाप से शालग्राम-शिला के रूप में परिवर्तित हो गये और वृन्दा भी तुलसी के रूप में परिवर्तित हो गयी। हिमालय के मध्य भाग में शालग्राम-शिखर है। यह शिखर शालग्राम-पर्वत तथा मुक्तिनाथ के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहाँ भगवान् विष्णु के गण्डस्थल से समुद्भूत गण्डकी नामकी पवित्र नदी प्रवाहित होती है। ये शिलाएँ साक्षात् नारायणस्वरूप हैं और आकृति-भेद से इनमें दामोदर, वासुदेव, नृसिंह, वामन, लक्ष्मी-नारायण आदि अवतारों की भी स्थिति मान्य है। इनमें भी चक्रांकित शालग्राम की विशेष प्रतिष्ठा होती है। शास्त्रों के अनुसार जहाँ शालग्राम-शिला होती है, वहाँ सभी तीर्थ और भुक्ति-मुक्ति भी स्थित रहते हैं और कोई दोष, पाप तथा अशुभ, अदृष्ट प्राणी नहीं प्रविष्ट होते हैं। शालग्राम का चरणोदक सभी तीर्थों से अधिक पवित्र माना जाता है।

शालग्राम सम संख्या में ही पूजे जाते हैं, किंतु दो शालग्रामों की एक साथ पूजा नहीं की जाती। शालग्राम की पूजा विषम संख्या में नहीं करनी चाहिये; किंतु विषम में भी एक शालग्राम की पूजा का विधान है।

शालग्राम की पूजा में स्त्रियों का अधिकार नहीं है, वे किसी ब्राह्मण के द्वारा पूजा करा सकती हैं। शालग्राम के साथ द्वारावती शिला तथा तुलसीदल रखने का विधान है। शूल के समान नुकीले, विकृत मुख वाले तथा पिङ्गल वर्ण के शालग्राम दूषित माने जाते हैं। इनकी पूजा से अनिष्ट की सम्भावना होती है, अत: पूजा के लिये इनका संग्रह नहीं करना चाहिये।

प्राचीन परम्परा के अनुसार भगवान् शालग्राम पर श्रीचक्र या श्रीयन्त्र निर्माण करने से उनकी महिमा और भी बढ़ जाती है। उनके दर्शनमात्र से सभी पाप नष्ट होकर समस्त तीर्थों और देवताओं के दर्शन का फल प्राप्त हो जाता है; क्योंकि शास्त्रानुसार उनमें सभी तीर्थ, सभी देवता, ऋषि, मुनि और पवित्र पर्वत, समुद्रादिकों का भी वास रहता है तथा लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती आदि शक्तियाँ एवं साक्षात् त्रिपुरसुन्दरी शिव के साथ और लक्ष्मी भगवान् विष्णु के साथ निवास करती हैं। सभी ऋद्धि-सिद्धियाँ भी अनुग्रहकर उपासक को प्राप्त हो जाती हैं।

व्रत, दान, प्रतिष्ठा तथा श्राद्ध आदि सत्कार्य शालग्राम की संनिधि में करने से विशेष फलप्रद होते हैं। विष्णुस्वरूप शालग्राम की महिमा अनन्त है। धार्मिक विश्वासों के अनुसार जो पुरुष अपने मृत्युकाल में शालग्राम के जल का पान करता है, वह सम्पूर्ण पापों से मुक्त होकर विष्णुलोकगामी होता है। उसे मुक्ति सुलभ हो जाती है। वह कर्मभोग के बन्धनों से छूटकर भगवान् श्रीहरि के चरणों में लीन हो जाता है।

पद्म, स्कन्द, वाराह, ब्रह्मवैवर्त, देवीभागवत तथा भविष्यादि पुराणों में गण्डकी-क्षेत्र और शालग्राम-शिला का विस्तार से माहात्म्य, लक्षण तथा पूजा आदि की विधि पर प्रकाश डाला गया है।

विधिपूर्वक शालग्राम के चरणोदक बनाने तथा उसके पान करने की अत्यधिक महिमा है। तदनुसार ताम्रपात्र में तुलसी और शालग्राम को रखकर एक छोटे-से शंख में तीर्थ-जल के द्वारा घण्टा बजाते हुए तथा पुरुषसूक्त के मन्त्रों का पाठ करते हुए शालग्राम भगवान का अभिषेक किया जाता है। शंख के जल में किंचित श्वेतचन्दन तथा सुगन्धित द्रव्य भी रहना चाहिये। इसीलिये शालग्राम-शिलोदक को अष्टाङ्ग कहा गया है। इसके श्रद्धापूर्वक पान करने से सभी व्याधियाँ नष्ट हो जाती हैं तथा अपमृत्यु एवं अकालमृत्यु का भय नहीं होता। साथ ही मनुष्य सभी पापों से मुक्त होकर विष्णु-सायुज्य को प्राप्त होता है और उसका पुनर्जन्म नहीं होता।

हार्दिक शुभकामनाएं

# बजरंगलाल बाहेती

चेयरमैन

"अभिनंदन" श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन, जयपुर

| | |
|---|---|
| ट्रस्टी एवं अध्यक्ष | : श्री गिरीराज धरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, गोवर्धन (उ.प्र.) |
| ट्रस्टी एवं उपाध्यक्ष | : अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, द्वारिका (गुजरात) |
| ट्रस्टी एवं उपाध्यक्ष | : अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, जगन्नाथपुरी (उड़ीसा) |
| ट्रस्टी | : श्री राम शंकर गोशाला, छापर (चुरू) |
| ट्रस्टी | : श्री माहेश्वरी भवन, छापर (चुरू) |
| संरक्षक | : महेश हॉस्पिटल, जयपुर |
| ट्रस्टी | : शेखावटी विकास परिषद, जयपुर |
| पूर्व उपाध्यक्ष | : 'उत्सव' श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन, जयपुर |
| भूतपूर्व शिक्षा सचिव | : श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर (2002-12) |
| कार्यकारिणी सदस्य | : श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर (1999-2022) |
| कार्यकारी मण्डल सदस्य | : अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा |
| पूर्व सदस्य | : माहेश्वरी बोर्ड (मुखपत्र-अ.भा. माहेश्वरी महासभा) |
| पूर्व कोषाध्यक्ष | : जयपुर जिला माहेश्वरी सभा |
| निवर्तमान अध्यक्ष | : सुजानगढ़ तहसील नागरिक परिषद, जयपुर |
| संरक्षक एवं निवर्तमान अध्यक्ष | : कमल अपार्टमेंट डवेलर्स सोसायटी |

Govt. Approved Jewellery Valuer

## बाहेती जेम्स एण्ड ज्वेल्स (प्रा.) लिमिटेड

'गोकुल धाम', 2030, पीतलियों का चौक, जौहरी बाजार, जयपुर-302003

दूरभाष : 0141-2570415/75, मो.: 098290-79200

ई-मेल : bajrang@baheti.in

निवास : सी-1/401-402, कमल अपार्टमेंट-1, बनीपार्क, जयपुर-302006

# दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

प्रदीप बाहेती
अध्यक्ष

नटवर लाल अजमेरा
महासचिव शिक्षा

## शिक्षक दिवस समारोह-2020

शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर 05 सितंबर 2020 को ई.सी.एम.एस. के तत्वावधान में MPS जवाहर नगर सभागार में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अजमेर रोड, बगरु की मेजबानी में ऑनलाइन लाइव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि श्री डी.पी. सारडा भारतीय रिज़र्व बैंक से सेवानिवृत्त एवं प्रसिद्ध लेखक, 'दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव दी माहेश्वरी समाज' के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, उपाध्यक्ष श्री रमेश सोमानी, कोषाध्यक्ष श्री नटवर कुमार सारडा, महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा, सचिव श्री श्याम सुंदर तोतला आदि सभी पदाधिकारीगण एवं श्री माहेश्वरी समाज के सभी शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्यगण उपस्थित थे। इस गुरु वंदन पर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री डी.पी सारडा व ECMS के पदाधिकारियों के द्वारा माँ वीणावादिनी सरस्वती के चरणों में पुष्पाहार चढ़ाकर व दीप प्रज्वलित कर शुभाशीष लेकर किया गया।

इस पावन पर्व पर मुख्य अतिथि ने आशीर्वाद स्वरूप गुरु महिमा का बखान करते हुए श्री माहेश्वरी समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित कीर्तिमानों के लिए मुक्त कंठ से प्रशंसा की। श्री माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती ने अपने स्वागत उद्बोधन में इस हर्ष व सम्मान की प्रसन्नदायक बेला पर समारोह के मुख्य अतिथि श्री डी.पी. सारडा के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए कार्यकारिणी के समस्त सदस्यों, शिक्षा समिति के सभी साथियों को उनके अकथनीय योगदान व सहयोग हेतु धन्यवाद दिया तथा इस शिक्षक दिवस के पुनीत पर्व के अवसर पर भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद्, महान दार्शनिक एवं एक आस्थावान हिंदू विचारक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर उनको शत-शत नमन करते हुए प्राचार्य, उपाचार्य, शिक्षकवृंद के साथ विद्यालयों से जुड़े संपूर्ण स्टॉफ का वंदन करते हुए कोटि-कोटि साधुवाद दिया।

महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा ने आगन्तुक अतिथियों एवं शिक्षकवृंद का स्वागत करते हुए समाज, राष्ट्र व मनुष्य के लिए जीवन में गुरु के महत्त्व को प्रतिपादित करते हुए महामना डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को सच्ची श्रद्धांजलि दी। कोषाध्यक्ष श्री नटवर कुमार सारडा ने समारोह के मुख्य अतिथि श्री डी.पी सारडा का परिचय देते हुए उनके महान लेखकीय जीवन व देशसेवा में समर्पित व्यक्तित्व को प्रकट कर उनका स्वागत किया।

इस पावन बेला पर शिक्षक जैसी महान विभूति को नमन करते हुए एम.पी.एस अजमेर रोड, बगरु के शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा शिव वंदना व मनमोहक गीतों के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

**'दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव दी माहेश्वरी समाज'** द्वारा इस शुभावसर पर प्रथम करिकूलम कमेटी से संबंधित 31 शिक्षकों, श्री माहेश्वरी समाज के सभी शिक्षण संस्थाओं के आदरणीय प्राचार्यगणों एवं शैक्षणिक व सहशैक्षणिक स्तर पर उत्कृष्ट कार्यों के लिए चार शिक्षकों (श्रीमती विजय लक्ष्मी जांगिड़ हिन्दी विषय अध्यापिका, Mps Intl., श्री रघुनाथ सिंह अंग्रेजी विषय अध्यापक, Mps-PN, श्रीमती अर्चना भार्गव अंग्रेजी विषय अध्यापिका MGPS एवं श्री सुजीत शर्मा, शारीरिक शिक्षक, MGPS) को ECMS द्वारा 5,100 रु. नकद व शाल, श्रीफल व प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। एम.पी.एस अजमेर रोड बगरु के मानद् सचिव श्रीमान श्यामसुंदर तोतला ने आगंतुक अतिथियों, अध्यक्ष महोदय आदि सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए प्रथम करिकूलम कोर-कमेटी के सम्माननीय सदस्य श्री ब्रजमोहन बाहेती, श्री अशोक फलोर, श्री निर्मल दरगड एवं इस कोर-कमेटी से जुड़े सभी सदस्यों को शिक्षण प्रारूप में सुधार के नवीन अनुप्रयोग व अथक परिश्रम के लिए धन्यवाद हेतु हुए गुरु चरणों को नमन किया।

# कोविड-19

## आपके स्वास्थ्य के प्रि
## श्री माहेश्वरी
## हेल्पलाइन

### अनुभवी चिकित्सकों द्वारा टेलीफोन पर नि:शुल्क परामर्श

- डॉ. वी.डी. माहेश्वरी
- डॉ. गणपत देवपुरा
- डॉ. जी.डी. माहेश्वरी
- डॉ. देवेन्द्र लढ्ढा
- डॉ. मुनीष माहेश्वरी
- डॉ. ललित भराड़िया
- डॉ. अभिनव राठी
- डॉ. अवध बिहारी मारू
- डॉ. बी. के. मालपानी
- डॉ. सुधीर शारदा
- डॉ. सचिन झंवर
- डॉ. शैलेष झंवर
- डॉ. नटवर परवाल
- डॉ. छवि काबरा

रियायती दरों पर संबंधित जांच सुविधाएं एवं दवाइयां

घर से हॉस्पिटल में भर्ती होने के लिए एम्बुलेंस की नि:शुल्क सुविधा

यदि कोरोना संक्रमण से मुक्त हुए आपको 14 दिन हो गये हैं तो अपना
IgG Antibody (Free of cost, who can and want to donate)
करायें और प्लाज्मा बैंक के हिस्सेदार बनें।

**अन्य सुविधाएँ**

हॉस्पिटल में यथासम्भव भर्ती
चिकित्सकीय परामर्श पर यथा संभव Home Quarantine सुविधा

उपरोक्त सभी सुविधाएं हमारे पैनल ऑफ डॉक्टर्स के द्वारा प्रिस्क्रीप्शन पर ही उपलब्ध होगी।

निवेदक : **TEAM COVID HELPLINE CENTRE**

# ति जागरूक

# समाज, जयपुर द्वारा

## (प्रात: 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक)

सहयोगकर्त्ता : APEX HOSPITALS

## COVID-19 : पीड़ितों की सहायता हेतु अपील

कोरोना वायरस के चलते उत्पन्न हुई विकट परिस्थितियों में सभी परिवार कुछ न कुछ समस्याओं का सामना कर रहे है। इन परिस्थितियों को मध्येनजर रखते हुए श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर ने सभी स्वजातीय, विशेषकर जरूरतमंद बंधुओ के लिए न केवल हैल्पलाइन सेवा प्रारम्भ की है वरन् **Covid-19** के उपचार हेतु सहायता राशि एकत्रित करने के लिए भी अनुकरणीय पहल शुरू कर दी गई है।

हमेशा की भांति इस पुनीत कार्य के लिए जरूरतमंद बंधुओं के लिए आप अपनी सहयोग राशि समाज के बैंक खाते में जमा करवा सकते हैं, जिसका विवरण निम्न है:–

**Name of the Bank : Punjab National Bank, Johari Bazar, Jaipur**
**Account Holder Name: Shri Maheshwari Samaj, Jaipur**
**A/C Number : 3553000100004861**
**IFSC Code : PUNB0355300**

आपके द्वारा दी गयी सहायता राशि पर 80G में छूट प्राप्त की जा सकती है।

सहयोग राशि देने हेतु आप अपना नाम व सहयोग राशि का विवरण मोबाईल नम्बर 9982333103 पर What's App कर सकते है। ऐसे सभी सहयोगकर्ताओं के नाम मासिक पत्रिका में प्रकाशित किये जायेगें।

## आभार

**कोविड हेल्प सेन्टर में अपना अमूल्य समय, सेवा और समर्पण के लिए समाज की ओर से सभी चिकित्सकों का हार्दिक आभार।**

## COVID-19 के लिए प्राप्त सहयोग राशि

( दिनांक 15 अक्टूबर, 2020 तक )

| नाम | राशि |
|---|---|
| श्री आर.डी. बाहेती जी | 31000 |
| सीए. श्री अनिल जी सारडा, वैशाली नगर | 15000 |
| श्री गोपाल लाल जी मालपानी | 11000 |
| श्री रमेश कुमार जी सोमानी (बापू नगर) | 7100 |
| श्री बेणी प्रसाद जी कचोलिया | 5100 |
| गुप्त सहयोग | 5100 |
| श्री बिजय–शशि लखोटिया | 3100 |
| श्री राजेन्द्र कुमार जी न्याति | 2100 |
| श्रीमती जयश्री जी बियानी | 2100 |
| श्री देवी प्रसाद जी बियानी | 2100 |
| श्री अशोक जी पचीसिया | 2100 |
| श्री मोतीचन्द जी–गोविन्द जी मालपानी | 2100 |
| श्री अनिल जी कोठ्यारी | 2100 |
| श्री अजय जी नोवाल | 2100 |
| श्री गिरधर जी झंवर | 2100 |
| श्री गोवर्धनप्रसाद जी, रविकांत जी खटोड | 2100 |
| श्री मुरारी जी बिडला | 2100 |
| श्री दामोदर जी फलोड | 2100 |
| श्री अशोक जी फलोड | 2100 |
| श्री शंकर लाल जी सुनील जी सोमानी | 2100 |
| श्री मनोज जी बिड़ला | 2100 |
| श्री संजय जी काबरा | 2100 |
| श्री महेश कुमार जी भुराडिया | 2100 |
| श्री दीपक जी तोतला | 2100 |
| श्री सुशील जी काबरा | 2100 |
| श्री शिवकुमार जी राठी | 2100 |
| श्री सत्यनारायण जी काबरा (श्रीमाधोपुर) | 2100 |
| श्री पवन जी बजाज (मुरलीपुरा) | 2100 |
| सीए श्री संजय जी बांगड (टोंक फाटक) | 2100 |
| श्री मालचन्द जी बाहेती | 2100 |
| श्री प्रवीण–मोना सोमानी (विद्याधर नगर) | 2100 |
| श्री राजकुमार जी सोमानी | 1100 |
| श्री हितेश जी चांडक | 1100 |
| श्री तेजकरण जी चौधरी | 1100 |
| श्री कृष्ण प्रकाश जी मालपानी | 1100 |
| श्री सतीश कुमार जी सारडा | 1100 |
| गुप्त सहयोग | 1100 |
| श्री अनिल जी कचोलिया | 1100 |
| श्री संदीप जी सारडा | 1100 |
| श्री द्वारका जी, नरेन्द्र जी मालू | 1100 |
| श्री अशोक जी साबू | 1100 |
| श्रीमती नीतू–अंकुर चितलांगिया | 1100 |
| श्री श्याम जी कालानी | 500 |
| श्री प्रदीप जी सोमानी | 500 |
| श्री मनीष जी परवाल | 500 |
| श्री अंकित जी सोढ़ानी (आगरा रोड़) | 500 |
| श्री गोपेश जी भंडारी (आगरा रोड़) | 500 |
| श्री सत्यनारायण जी कासट (आगरा रोड) | 500 |
| श्री ब्रजमोहन जी नवरत्न जी सोनी (खोर) | 500 |
| श्री सत्यनारायण जी संजय जी बाहेती(खोर) | 300 |
| श्री मदन जी फलोड़ (खोर) | 300 |

**समाज के जरूरतमंद महानुभाव कोविड उपचार संबंधी जांचें, दवाइयां एवं आर्थिक सहयोग प्राप्त करने के लिए नीचे दी गई हेल्पलाइन पर सम्पर्क करें।**

# CALL : 9024177987

# समाज बन्धुओं को नवरात्री, दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं सहित:

## मुरलीधर राठी

उपाध्यक्ष–वित्त

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9928559995**

पता: सी–13, मेटल कॉलोनी, अम्बाबाड़ी, जयपुर–9928559995

## नथमल मालू

उपाध्यक्ष–समाज

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

(चेयरमैन– इन्टनेशनल मैरिज ब्यूरो, जयपुर)

**Mob.: 9887021162**

पता: 73, करणी कॉलोनी, विजयवाड़ी, पथ नं. 7, सीकर रोड़, जयपुर

## महेश कुमार भुराड़िया

संयुक्त मंत्री

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9829019522**

पता: 21, माधोव मार्ग, करनी कॉलोनी, विजयबाडी, पथ नं.–7, सीकर रोड,जयपुर

## अनिल कोठ्यारी

संयुक्त मंत्री

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9414062313**

पता: एम–78, महेश कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर

## प्रमोद हुरकट

अर्थ मंत्री

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9413841762**

पता: 11/24, कावेरी पथ, मानसरोवर,जयपुर

## राधा बल्लभ अजमेरा

कोषाध्यक्ष

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9928547817**

पता: ए–11, शिवाजी नगर, सिविल लाईन्स, जयपुर

## रमेश चन्द जाखोटिया

संगठन मंत्री

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9784449950**

पता: म.नं. 14/138, कावेरी पथ, मानसरोवर, जयपुर

## सतीश कुमार सारडा

प्रचार मंत्री

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9414446117**

पता: 'रूक्मणाश्रय' 24–बी, जोशी कॉलोनी, ब्रह्मपुरी, जयपुर


ॐ कैटर्स
A Sweet shop
A unit of Om Sodhani

इस दीवाली लगाएं भोग
माता लक्ष्मी के,
स्वादिष्ट गुलाब सकरी
का !

ORDER NOW !
गुलाब सकरी
Rs. 600/-Thaal

D-2, Om Catters, Jp Colony, Tonk Phatak, Jaipur
9414358815, 9680658815

# दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

## एमपीएस संस्कृति, तुलसी मार्ग, बनीपार्क

Sanskriti Pre Primary School

बेहतर शिक्षा सभी के लिए जीवन में आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत आवश्यक है। यह हममें आत्मविश्वास विकसित करने के साथ ही हमारे व्यक्तित्व निर्माण में भी सहायता करती है। स्कूली शिक्षा सभी के जीवन में महान भूमिका निभाती है। शिक्षा के सभी स्तर अपना एक विशेष महत्व और स्थान रखते हैं। हम सभी अपने बच्चों को सफलता की ओर जाते हुए देखना चाहते हैं, जो केवल अच्छी और उचित शिक्षा के माध्यम से ही संभव है। इसी क्रम में बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए एम.पी.एस संस्कृति द्वारा ई-लर्निंग कक्षाएँ अनवरत जारी हैं। इस माह की थीम 'एनिमल किंगडम' कलर 'येल्लो' व शेप 'रक्टैंगल' रखी गयी। सभी बच्चे ई-लर्निंग शिक्षा को उत्साह के साथ ग्रहण कर रहे हैं। इसके अंतर्गत बच्चों से एक्टिविटी टाइम में थीम पर आधारित क्राफ्ट्स जैसे स्टार फिश, पेपर ज़िराफ, पैरट मास्क, बर्ड नेस्ट, एंट फिंगर पपेट आदि बनवाए गए। बच्चों के साथ उनके अभिभावकों ने भी पूर्ण जोश से इसमें भागीदारी निभायी। इन एक्टिविटीज के पीछे उद्देश्य यही है कि बच्चों की फाइन व ग्रोस मोटर मसल्स का निरंतर विकास हो सके।

### गतिविधियाँ

#### शिक्षक दिवस-5 सितम्बर

इस दिन डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म हुआ था। वे प्रख्यात शिक्षाविद, महान दार्शनिक थे। उन्हीं के सम्मान में इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। MPS संस्कृति द्वारा बनीपार्क शाखा में कोरोना महामारी के कारण शिक्षक दिवस बहुत ही सादगी से मनाया गया। यह उत्सव बनीपार्क परिसर में

दोनों शाखाओं (बनीपार्क व कालवाड़ रोड) की शिक्षिकाओं ने सम्मिलित होकर मनाया। इस अवसर पर श्री नथमल मालू, श्री अशोक खटोड़, सचिव श्री संजय काबरा तथा कमेटी सदस्य श्री मनीष गगरानी, श्रीमति अल्का माहेश्वरी व श्री दीपक मालपानी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कारवाई। इस अवसर पर शिक्षिकाओं द्वारा किए गए कार्यों की सचिव श्री संजय काबरा द्वारा प्रशंसा की गयी। सभी शिक्षिकाओं को कलम व कार्ड भेंट स्वरूप दिये गए। इसी संदर्भ में दूसरा कार्यक्रम MPS, जवाहर नगर के तक्षशिला सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर ECMS के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, मुख्य अतिथि श्री आर.पी. सारडा, महासचिव (शिक्षा) श्री नटवर लाल अजमेरा, कोषाध्यक्ष सी.ए. श्री नटवर सारडा एवं समाज के गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति में MPS संस्कृति की प्रधानाध्यापिका श्रीमती भावना भाटिया को कक्षा प्रथम की पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति की 'कोर टीम' का सदस्य होने पर सम्मानित किया।

#### ग्रांड पैरेंट्स डे सेलिब्रेशन-यानि दादा-दादी, नाना-नानी का दिन - 11 सितम्बर

दादा-दादी, नाना-नानी के साथ रहना, अपने आप में एक मजेदार एहसास है। वे न केवल ज्ञान के मोती फैलाते हैं, बल्कि प्यार व देखभाल के साथ हमारे जीवन में खुशियाँ भर देते हैं। उनके आस-पास होने की भावना शब्दों के माध्यम से वर्णित नहीं की जा सकती। इसी भावना को प्रदर्शित करने के लिए संस्कृति द्वारा 11 सितम्बर को वर्चुअल ग्रांड पैरेंट्स डे मनाया गया जिसमे सभी दादा-दादी, नाना-नानी ने उत्साह से भाग लिया और लाइव सेशन में अपने बच्चों के किस्से, पुराने गीत, भजन व कुछ हास्य-प्रसंग सुनाए। सभी ग्रांड पैरेंट्स थीम 'रेड एंड व्हाइट' पर आधारित कपड़े पहने थे। सभी ने संस्कृति द्वारा आयोजित प्रश्नोतरी व गेम्स में भी उत्साह से भाग लिया। उनके द्वारा भेजे गए विडियोज भी संस्कृति के फ़ेसबुक पेज पर शेयर किए गए। अभिभावकों ने इस सेलिब्रेशन की बहुत प्रशंसा की।

#### हिन्दी दिवस-हिन्दी भाषा का पर्व-14 सितम्बर

भारत में हिंदी दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है, जिसे हिंदी पखवाड़ा भी कहा जाता है। हिंदी दिवस हमें यह एहसास दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कि हिंदी भाषा पूरी दुनिया में सबसे पुरानी और सबसे प्राचीन और प्रभावशाली भाषाओं में से एक है और ऐसे में हमें अपनी मातृभाषा यानी हिंदी भाषा में बोलने में गर्व महसूस करना चाहिए। इसी के अंतर्गत संस्कृति ने अपने नन्हें विद्यार्थियों के लिए हिन्दी दिवस (14 सितम्बर) को हिन्दी कविता वाचन प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया। जिसमे बच्चों ने विभिन्न प्रोप्स के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रत्येक लेवेल में से तीन श्रेष्ठ प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशस्ति पत्र दिये गए।

#### गांधी व शास्त्री जयन्ती-2 अक्टूबर

दो अक्टूबर देश की दो महान विभूतियों के जन्मदिन के तौर पर इतिहास के पन्नों में दर्ज है। इस अवसर पर वर्चुअल कक्षा में बच्चों को चरखा बनाने की एक्टिविटी कारवाई गई। बच्चों ने राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की सीख (बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, बुरा मत बोलो) को दर्शाते हुए अनेक वीडियो बना कर इस पर्व को मनाया।

# समाज बन्धुओं को नवरात्री, दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं सहित:

## मालचन्द (राधेश्याम) बाहेती

वरिष्ठजन आवास एवं कल्याण मंत्री
(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9829461340**

पता: ए-11, विवेकानन्द कॉलोनी, गंगानगर शूगर मील के पीछे, झोटवाडा, जयपुर

## पूनम चन्द भाला

महेश सेवा कोष मंत्री
(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9828019871**

पता: 66, जय जवान कॉलोनी फर्स्ट, सांघी मोटर्स के सामने, टोंक रोड, जयपुर

## प्रवीण लढ्ढा

सांस्कृतिक मंत्री
(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9829034358**

पता: म.नं. 155, सन्तोष नगर, नियर न्यू आतिश मार्केट, जयपुर

## दामोदर फलोड़

स्वास्थ्य मंत्री
(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9829019671**

पता: 3/300, विद्याधर नगर, जयपुर

## सीए. अनिल कुमार सारडा

पूर्व शिक्षा सचिव- MPS, अजमेर रोड, जयपुर
कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)
(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9829013486**

पता: ए-57, आचार्य विनोभा भावे नगर, नर्सरी सर्किल, वैशाली नगर, जयपुर

## अरुण कुमार मालू

पूर्व भवन मंत्री- MPS, जवाहर नगर, जयपुर
कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)
(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9829017200**

पता: 143, सिंधी कॉलोनी, सेठी कॉलोनी, जयपुर

## डॉ. अरुण परतानी

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)
(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 988730251**

पता: परतानी आँखों एण्ड डेन्टल क्लिनिक,एम-21 महेश कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर

## अशोक कुमार अजमेरा

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)
(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9314503752**

पता: 12-बी, केशव नगर, सिविल लाईन्स, जयपुर


ॐ कैटर्स
A Sweet shop
A unit of Om Sodhani

धवल, गोल और स्पंजी स्वरूप,
मीठा रसीला स्वाद भी है खूब,
यकीनन हमारा रसगुल्ला है अद्भुत,
बनाने में लगता है शुद्ध गाय का दूध!

ORDER NOW!
रसगुल्ला
Rs. 200/-Kg

D-2, Om Catters, Jp Colony, Tonk Phatak, Jaipur
9414358815, 9680658815

# दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

# माहेश्वरी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, प्रताप नगर

## माहेश्वरी कॉलेज में सत्र 2020-21 हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

**माहेश्वरी कॉलेज में सत्र 2020-21 हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ:** माहेश्वरी कॉलेज के द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नवीन सत्र 2020-21 के लिए आवेदन की प्रक्रिया जारी है जिसमें छात्राओं का कॉलेज के प्रति काफी अच्छा रुझान है। माहेश्वरी कॉलेज के द्वारा सत्र 2020-21 से नवीन विषय **B.Sc.** व अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी शुरू किये जा रहे हैं। कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए सभी पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित किया जायेगा। सभी विषयों से संबंधित जानकारी सत्र प्रारम्भ होने से पहले कॉलेज की **website** पर उपलब्ध रहेगी एवं छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए सभी विषयों के **e-notes** भी कॉलेज की **website** पर उपलब्ध होंगे।

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती ने कहा कि माहेश्वरी कॉलेज की विशिष्टता के कारण ही कॉलेज को देश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी संस्थाओं में माना जाता है। आपने कहा कि सम्पूर्ण शिक्षा का मतलब सिर्फ किताबी या विषय सम्बन्धी जानकारी ही नहीं होता है। सम्पूर्ण शिक्षा के चार मुख्य पहलू होते हैं- पर्सनल, प्रोफेशनल, वैल्यूबेस्ड व सोशल। माहेश्वरी कॉलेज में छात्राओं को इन सभी तरह कि शिक्षा दी जाती है जिससे वे आगे चलकर समाज व देश की प्रगति में अपना योगदान दे सकें।

## हिंदी दिवस का आयोजन

भारत में प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर को हिंदी दिवस बड़े उल्लास के साथ मनाया जाता है। हिंदी भाषा दुनिया में चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। 14 सितम्बर 1953 को पहली बार हिंदी दिवस मनाया गया, इस वर्ष हम 68वां हिन्दी दिवस मना रहे है। लेकिन इस कोरोनाकाल में भी, माहेश्वरी कॉलेज की छात्राओं द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। कॉलेज के शिक्षकों द्वारा हिंदी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिससे छात्राओं की अपनी राष्ट्रभाषा के प्रति रुचि बढ़े व छात्राएं अपनी रचनात्मकता का सम्पूर्ण प्रर्दशन कर सके। हिंदी दिवस प्रतियोगिता में निबंध, कविता पाठ प्रतियोगिता, नारा लेखन, आदि विषयों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं की इसी कडी में एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं से हिन्दी भाषा एवं काव्य से संबंधित प्रश्न पूछे गये। साथ ही छात्राओं द्वारा काव्य रचना पाठ भी किया गया। ये सभी प्रतियोगिताएं ऑनलाइन रखी गयीं। इस प्रतियोगिता में सभी छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कॉलेज के मानद सचिव श्री कैलाश अजमेरा ने हिंदी दिवस पर छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी भारत देश का भविष्य है। आपने छात्राओं को इन्द्रधनुषी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया एवं कहा कि ये गतिविधियाँ छात्राओं को सफलता की चरम सीमा पर पहुंचाने के लिए अत्यन्त सहायक सिद्ध होंगी। आपने कहा कि कॉलेज की संपूर्ण गतिविधियों के पीछे एक लंबी दूरगामी सोच होती है जिससे छात्राएँ लाभान्वित अवश्य होती हैं।

## छात्राओं हेतु ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन

माहेश्वरी कॉलेज द्वारा छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने हेतु समयानुसार बदलाव किया गया है। परिस्थिति अनुसार एवं निर्देशानुसार छात्राओं को कॉलेज द्वारा

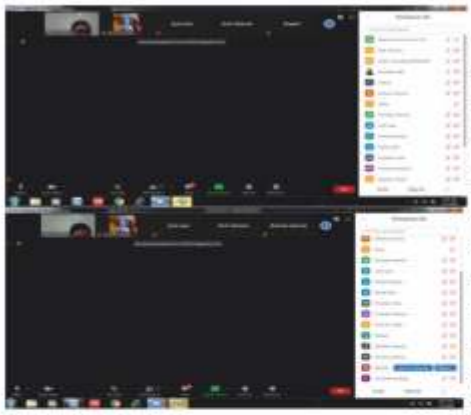

पाठ्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से पूर्ण करवाया जा रहा है। वर्तमान में स्नातक द्वितीय व् तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर फाइनल वर्ष की कक्षाएं ZOOM APP के माध्यम से ऑनलाइन संचालित की जा रही है। पाठ्यक्रम को शैक्षणिक कैलेंडर के साथ पूर्ण करने हेतु कक्षाएं सुचारू रूप से नियमित संचालित की जा रही हैं। अभिभावकों द्वारा माहेश्वरी कॉलेज के शिक्षकों द्वारा किये जा रहे इन प्रयासो की काफी सराहना की गयी है एवं छात्राओं को भी नियमित अध्ययन होने से काफी फायदा हो रहा है। कॉलेज के भवन सचिव श्री सुनील मालपानी ने छात्राओं को टेक्नोलॉजी के साथ ज्ञान वृद्धि हेतु प्रेरित किया। आपने छात्राओं को इसके सदुपयोग हेतु कहा कि छात्राएं समयानुसार अपने में बदलाव लाकर ही अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकती है और एक अच्छा भविष्य टेक्नोलॉजी के साथ ही संभव है।

## माहेश्वरी गर्ल्स हॉस्टल

माहेश्वरी गर्ल्स हॉस्टल में माहेश्वरी कॉलेज में अध्ययनरत छात्रायें, शहर के विभिन्न माहेश्वरी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रायें, अन्य विद्यालयों की छात्रायें एवं अन्य महाविद्यालयों की छात्राओं के लिए रहने की विशेष सुविधा उपलब्ध है। हॉस्टल संयोजक श्री सांवरमल परवाल ने बताया कि वर्तमान सत्र 2020-21 हेतु निर्णय लिया गया है कि हॉस्टल में एक छात्रा को एक रूम ही आवंटित किया जायेगा। हॉस्टल में छात्राओं को घर से बाहर घर जैसा वातावरण एवं सभी सुविधायें बहुत ही न्यूनतम शुल्क में उपलब्ध करवाई जा रही है एवं छात्राओं के लिये विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का भी आयोजन किया जाता है। हॉस्टल का संचालन माहेश्वरी कॉलेज द्वारा किया जाता है।

- **Ultra ModernSafe &Secured Campus**
- **SINGLE STUDENT IN EACH ROOM**
- **Furnished Spacious AC Rooms**
- **Sports (Indoor/Outdoor) Facilities**
- **Wi-Fi Enabled Campus**
- **Affordable Fee Structure**
- **Reading Room for Group Study**
- **Recreation Room for Cultural Programs**

# समाज बन्धुओं को नवरात्री, दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं सहितः

## अशोक कुमार खटोड़

पूर्व सांस्कृतिक मंत्री

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9414046926**

पताः 47, PNB की गली, महाराजा कॉलोनी, तीन दुकान के सामने, सीकर रोड, जयपुर

## अशोक कुमार मालू

पूर्व शिक्षा सचिव- MGPS-विद्याधर नगर, जयपुर

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9314527509**

पताः 7, मैना सदन, विजयवाड़ी, पथ नं. 7, सीकर रोड़, जयपुर

## अशोक कुमार साबू

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9829064358**

पताः 89-90, मानसरोवर कॉलोनी शिव मार्ग कालवाड रोड झोटवाड, जयपुर

## आत्माराम काबरा

पूर्व भवन मंत्री-समाज

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9414050548**

पताः 270, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर

DEEPAK SHARDA

( IT Consultant & Coach )

+91 98290 13656

deepaksharda.com

अपने समाज की पारिवारिक एव व्यावसायिक की सम्पूर्ण जानकारी

shrimaheshwarisamaj.com

## दीपावली

के पावन प्रकाश पर्व की मंगलमय

हार्दिक शुभकामनाएं

पता : M-45, महेश कॉलोनी , टोंक फाटक, जयपुर

## देवेन्द्र झंवर

भवन सचिव- डायलिसिस रिसर्च सेन्टर

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9829054556**

पताः ई-152, कटारिया कॉलोनी, रामनगर विस्तार, सोडाला, जयपुर

## गोविन्द मालपानी

पूर्व अध्यक्ष-नवयुवक मण्डल

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9829014308**

पताः 326, मालपानी भवन, लालाणियों का चौक, गोपालजी का रास्ता, जयपुर

## लेखराज लद्दड़

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9785032723**

पताः 140, बसन्त बहार कॉलोनी, टोंक रोड, जयपुर

ॐ कैटर्स

A Sweet shop

A unit of Om Sodhani

*SHINE BRIGHT LIKE A DIAMOND !*

Order These Little Diamonds Of Delight From OM CATTERS

**बादाम कतली**

**Rs. 750/-Kg**

D-2, Om Catters, Jp Colony, Tonk Phatak, Jaipur

9414358815, 9680658815

# दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

# माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर

## विद्यालय में 'हिंदी दिवस' का आयोजन

14 सितंबर को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय की सभी कक्षाओं के छात्रों ने हिंदी काव्य-पाठ के साथ-साथ अन्य अनेक गतिविधियों में भाग लेकर सर्वत्र इंद्रधनुषी रंग बिखेर कर अपनी प्रिय हिंदी भाषा को भावांजलि दी।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक वैद के कुशल निर्देशन में हिंदी विभाग के द्वारा हिंदी ज्ञान सरिता राष्ट्र स्तरीय ई-प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें देश-विदेश के सुप्रसिद्ध विद्यालयों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के कुल तीन हजार शिक्षकों व छात्रों ने प्रतिभागिता ग्रहण की। छात्र व शिक्षक स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में 40 प्रतिशत व अधिक अंक लाने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता के समन्वयक हिंदी-विभागाध्यक्ष श्री परेश जैन व तकनीकी समन्वयक श्री चैतन्य शंकर शर्मा थे।

## विद्यालय द्वारा 'गांधी जयंती' का आयोजन

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर द्वारा 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के उपलक्ष्य में विद्यालय के प्राचार्य श्री अशोक वैद के कुशल मार्गदर्शन में महात्मा गांधी ज्ञान सरिता राष्ट्र स्तरीय त्रिदिवसीय ई-प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता सभी आयुवर्गों के लोगों के लिए थी। जिसमें देश-विदेश के अनेक विद्यालयों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के छात्रों व शिक्षकों तथा अन्य प्रतिभागियों के अन्तर्गत अभिभावकों ने भी प्रतिभागिता ग्रहण की। इस प्रतियोगिता में कुल 5830 प्रतिभागियों ने भाग लिया जो कि अपने आप में एक कीर्तिमान है। 40 प्रतिशत व अधिक अंक लाने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में खास बात यह रही कि देश के अनेक राज्यों के अलावा दुबई, ओमान, टेक्सास, नाइजीरिया, फिलीपीन्स, इंग्लैंड आदि विदेशों से भी लोगों ने प्रतिभागिता का लाभ लिया है। इस प्रतियोगिता के बतौर समन्वयक हिंदी अध्यापक श्री परेश जैन व चैतन्य शंकर शर्मा थे।

## अंतरविद्यालयी प्रतियोगिताओं में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहरनगर के छात्र रहे अव्वल

2 अक्टूबर को गांधी जयंती व लालबहादुर शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में ज्वेल्स् ऑफइंडिया (भारत के रत्न) की थीम पर माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, प्रतापनगर के तत्त्वावधान में अंतरविद्यालयी विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत 'काव्य-पाठ' प्रतियोगिता में एमपीएस जवाहर के छात्र शिवम शर्मा (कक्षा-5) ने प्रथम स्थान व छात्र पार्थ छाबरिया (कक्षा-6) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन बच्चों ने सिद्ध कर दिया कि वर्तमान में किए गए उत्कृष्ट कार्य पर ही स्वर्णिम भविष्य निर्भर होता है। विद्यालय के मानद् सचिव श्री कमल सोमानी, भवन मंत्री श्री सीए संजय बांगड़ व प्राचार्य श्री अशोक वैद ने दोनों ही होनहार छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए बधाइयाँ दीं।

9 अक्टूबर को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल इंटरनेशनल के तत्त्वावधान में अंतरविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत इंग्लिश डिबेट सीनियर वर्ग में विद्यालय के छात्र प्रितपाल सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के मानद् सचिव श्री कमल सोमानी, भवनमंत्री श्री सीए संजय बांगड़ व प्राचार्य श्री अशोक वैद ने छात्र को बधाइयाँ दीं।

## विद्यालय के छात्रों ने आईआईटी-जेईई (एडवांस्ड), 2020 में फहराई कीर्ति-पताका

मनुष्य कठिन परिश्रम व दृढ़ परिश्रम से हर लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर के कुल 9 छात्रों ने इसी उपर्युक्त कथन को आईआईटी-जेईई (एडवांस्ड), 2020 परीक्षा में बखूबी व उत्तम परिणाम के साथ उत्तीर्ण होकर चरितार्थ कर दिया है। उन होनहार व कठिनतम श्रम साधना के धनी 9 छात्रों के नाम हैं– अश्मित जैन, वात्सल्य सगराया, केशव माहेश्वरी, ऋषभ माहेश्वरी, अक्षित गुप्ता, अभिषेक मीना, पार्थ शर्मा, उज्ज्वल बकावत, विशेष गुप्ता। इनमें से ऋषभ माहेश्वरी वह प्रतिभावान छात्र है जिसने विद्यालय के विज्ञान संकाय के अंतर्गत 97.2 प्रतिशतांक प्राप्त करके वरीयता की और विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर विद्यालय के मानद सचिव श्री कमल सोमानी, भवनमंत्री श्री सीए संजय बांगड व प्राचार्य श्री अशोक वैद ने इन सभी सफल छात्रों को बधाइयाँ व शुभकामनायें प्रेषित कीं।

**Rishabh Maheshwari XII science (97.2%)**

**Parth Sharma**

**Abhishek Mina**

**Ashmit jain**

**Keshav Maheshwari**

**Ujjawal Singh Bakawat**

**Vatsalya Sagraya**

**Vishesh Gupta**

# समाज बन्धुओं को नवरात्री, दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं सहितः

## रमेश कुमार सोमानी
उपाध्यक्ष–शिक्षा
**Mob.: 9829010632**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: बी–146, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर

## नटवर लाल अजमेरा
महासचिव–शिक्षा
**Mob.: 9414073316**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: ए–60–ए, अमानीशाह रोड, शास्त्री नगर, जयपुर

## सीए. नटवर कुमार सारड़ा
कोषाध्यक्ष–शिक्षा
**Mob.: 9414053388**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता:27, ज्ञान विहार, मॉडल टाउन–डी, जगतपुरा रोड, जयपुर

## अशोक फलोड़
शिक्षा सचिव
MHS, तिलक नगर, जयपुर
**Mob.: 9414073316**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: ए–60–ए, अमानीशाह रोड, शास्त्री नगर, जयपुर

## कमल सोमानी
शिक्षा सचिव
MPS, जवाहर नगर, जयपुर
**Mob.: 9829069497**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: 205, सिद्धि विनायक अपार्टमेंट, मीरा मार्ग, बनीपार्क, जयपुर

## द्वारका दास मालू (एडवोकेट)
शिक्षा सचिव
MBV, चौड़ा रास्ता, जयपुर
**Mob.: 9829153028**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: 5, आनन्द कॉलोनी प्रथम, गोलीमार सदन के सामने, आमेर रोड, जयपुर

## मुरारी लाल बिड़ला
शिक्षा सचिव
MGPS, विद्याधर नगर, जयपुर
**Mob.: 9829054202**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता: 59, विवेकानन्द कॉलोनी, नया खेड़ा, अम्बाबाड़ी, जयपुर

## मुकेश राठी
शिक्षा सचिव
MPS, प्रताप नगर, जयपुर
**Mob.: 9829065845**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पता:193, महावीर नगर फर्स्ट, दुर्गापुरा रेल्वे स्टेशन के सामने, गौशाला के पीछे, टोंक रोड, जयपुर


ॐ कैटर्स
A Sweet shop
A unit of Om Sodhani

It's Been a Long Time Since Your Tongue has Relished Gulabjamun ?
Relish your tastebuds with us at OM CATTERS!

ORDER NOW !
गुलाबजामुन
Rs. 300/-Kg

D-2, Om Catters, Jp Colony, Tonk Phatak, Jaipur
9414358815, 9680658815

# माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल, विद्याधर नगर

*गुरुजनों को किया सम्मानित शिक्षा की जोत से*
*नित नवीन रूप में करे उजास*
*खुद को कर समर्पित सम्पूर्ण*
*भर दे हर ओर प्रकाश*

अवसर था 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के सुअवसर पर प्रतिभावान शिक्षकों को सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का। ECMS ने अपने अधीन संचालित सभी माहेश्वरी विद्यालयों के शिक्षकों के सम्मान में शिक्षक दिवस का आयोजन किया, जिसमें सभी विद्यालयों के प्रबुद्ध शिक्षकों ने ऑन लाइन भागीदारी निभाई। इस अवसर पर माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल से शिक्षिका अर्चना भार्गव (शैक्षणिक क्षेत्र) व सुजीत शर्मा (सह-शैक्षणिक क्षेत्र) को विद्यालय में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इस वर्ष ECMS द्वारा दिए जाने वाले कुल 4 उत्कृष्ट पुरस्कारों में से 2 पुरस्कार MGPS ने प्राप्त कर उच्चता के स्तर को साबित किया।

*हमारी पहचान, हिंदी को मिला सम्मान*
*कौन कहता है हिंदी भाषा है*
*हिंदी तो पहचान है, यह तो आत्मानंद है।*

भावों की अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम है मातृभाषा और जब बात हो विश्व की एक मात्र वैज्ञानिक भाषा हिंदी की तो बिना किसी संदेह के सभी उसे सिरमौर स्वीकार करेंगे।

अपने भावों की अभिव्यक्ति हेतु MGPS ने कविता को माध्यम बनाया और 14 सितम्बर को अपनी भाषा के सम्मान में मनाए जाने वाले हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में MGPS में ऑनलाइन काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में राजस्थान के प्रतिष्ठित 22 विद्यालयों से 44 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कक्षा 9 व 12 के विद्यार्थियों ने अपनी रचनाओं से 'नव भारत' विषय पर भारत के भविष्य सुनहरी तस्वीर पेश की। निर्णायक गण में सम्माननीय मधु गुप्ता, मधु सोनी व सुनीता शर्मा ने विजेताओं का निर्धारण किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की हिंदी अध्यापिका श्रीमती नेहा शर्मा ने किया। सभी प्रतिभागियों को e-certificate प्रदान किए गए।

इस अवसर पर समाज सचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए यह उम्मीद ज़ाहिर की कि भारत का भविष्य निश्चित रूप से सुरक्षित है। विद्यालय के सचिव श्री मुरारी लाल बिडला ने विद्यार्थियों की लेखन क्षमता को अद्भुत बताते हुए इस सफल कार्यक्रम के लिए बधाई दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ सुनिता वशिष्ठ ने सभी विद्यालयों के विद्यार्थियों की अप्रतिम प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि जहाँ अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने वाले विद्यार्थी अपनी भावाभिव्यक्ति हेतु अपनी मातृभाषा हिंदी का चयन करते हैं, वहाँ कोई कारण, कोई बाधा उन्हें आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। उन्होंने प्रतियोगिता में विजित प्रतिभागियों अक्षिता सक्सेना, (DPS) और नयनशिखा शेखावत (Mgps) व अन्य को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

*जिम्मेदारी निभाने की ली शपथ*
*राहें मुश्किल हैं पर हौंसले नहीं*

इसी भाव के साथ 19 सितम्बर को माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल में नवगठित छात्र कार्यकारिणी ने (सत्र 2020-21) शपथ ग्रहण कर अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम ऑनलाइन आयोजित किया गया और हेड गर्ल के पद पर कनिष्का कुल्हार व डेप्युटी हेड गर्ल के पद पर कशिश अग्रवाल ने कार्यभार ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ ईश वंदना के साथ हुआ। शपथ ग्रहण समारोह में विद्यालय के चारों सदनों गार्गी, राजरानी मीरा, सरस्वती और दुर्गा सदन की मुख्य प्रबोधिकाओं समेत सभी कैप्टन व वाइस कैप्टन मौजूद थे जिन्हें विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. सुनिता वशिष्ठ ने आपसी सहयोग व पूर्ण क्षमता के साथ विद्यालय का नाम सुनहरे अक्षरों में लिखने की शपथ दिलायी। उन्होंने कहा कि छात्र कार्यकारिणी आगामी जीवन की पहली सीढ़ी है जहाँ से विद्यार्थी जिम्मेदारी का अहसास कर पाते हैं और उन्हें बहुत सजग रहकर अपनी पूर्ण प्रतिभा और विश्वास के साथ

इसे निभाना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंध समिति ने कार्यकारिणी को लगन और मेहनत का विकल्प न होने की सीख देते हुए हमेशा उच्च मूल्यों को बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में हेड गर्ल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

## चयनित होकर रचा इतिहास

Mgps की प्रतिभावान कबड्डी खिलाड़ी अनिता चौधरी ने इंडियंस गर्ल्स कबड्डी टीम (जूनियर) में अपनी जगह सुनिश्चित करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। अनिता चौधरी का चयन ऑन लाइन ट्रैनिंग कार्यक्रम के तहत हुआ है और यह बहुत गर्व का विषय है कि राजस्थान से सिर्फ दो खिलाड़ियों का चयन हुआ और अनिता उसमें से एक है। अनिता ने अपनी तैयारी प्रो कबड्डी के महान खिलाड़ी दीपक निवास हूडा के निर्देशन में पूरी की है और वह वर्तमान में भी ऑन लाइन ट्रैनिंग कार्यक्रम के तहत अपने कोच दीपक के निर्देशन में अपनी तैयारियों को पूर्णता दे रही है।

## गांधी जी के आदर्शों को सुना, समझा और जीवन में उतारने का लिया संकल्प

2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर Mgps की छात्राओं ने उन शाश्वत आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया जिन्हें गांधी जी ने जिया था और सभी को सही राह दिखाई थी। छात्राओं ने अपने भाव वीडियो के माध्यम से व्यक्त करते हुए यह विश्वास दिलाया कि उनके आदर्श आज भी उतने ही प्रासांगिक हैं और सही राह के पथ प्रदर्शक हैं। इस अवसर पर माहेश्वरी पब्लिक स्कूल (बगरू) के द्वारा आयोजित 'गांधी दर्शन' विषयान्तर्गत अंतर्विद्यालयी भाषण प्रतियोगिता में विद्यालय की प्रतिभावान छात्रा साक्षी मिश्रा ने प्रथम स्थान अर्जित कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

इसी अवसर पर माहेश्वरी पब्लिक स्कूल (प्रताप नगर) द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'गांधी व शास्त्री' दर्शन के तहत पावर पॉइंट प्रेजन्टैशन प्रतियोगिता में Mgps की छात्रा तनीषा माहेश्वरी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

## JEE ADVANCE के परिणाम में दिखाया अपना दम

HARSHITA KALANI

RISHITA AGARWAL

MAHI AGARWAL

5 अक्टूबर को घोषित JEE ADVANCE के परीक्षा परिणाम में सफलता प्राप्त करते हुए विद्यालय की तीन छात्राओं हर्षिता कालानी, रीशिता अग्रवाल व माही अग्रवाल ने भविष्य के इंजीनियर्स में अपना स्थान सुनिश्चित किया और विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

# समाज बन्धुओं को नवरात्री, दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं सहितः

## कैलाश चन्द अजमेरा

शिक्षा सचिव

MCCA,प्रताप नगर, जयपुर

**Mob.: 9414069991**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पताः 147, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, टोंक रोड, जयपुर

## निर्मल दरगड़

शिक्षा सचिव

MPS Int., भाभा मार्ग, तिलक नगर, जयपुर

**Mob.: 9829092828**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पताः ई–103, गणपति एनक्लेव, अजमेर रोड, जयपुर

## श्याम सुन्दर तोतला

शिक्षा सचिव

MPS, अजमेर रोड, जयपुर

**Mob.: 9829015616**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पताः प्लॉट नं. 156 पथ नं. 6 विजयबाडी सीकर रोड, जयपुर

## मनोज कुमार बिड़ला

शिक्षा सचिव

MPS, कालवाड़ रोड, जयपुर

**Mob.: 9414042891**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पताः कैदारा पैलेस 9/19, विद्याधर नगर, जयपुर

## संजय काबरा

शिक्षा सचिव

MPS-SANSKRITI,बनीपार्क, जयपुर

**Mob.: 9414074924**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पताः SB–2, वासुदेव मार्ग, सुभाष नगर,जयपुर

## अजय नोवाल

भवन मंत्री

MHS, तिलक नगर, जयपुर

**Mob.: 9829057107**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पताः 2137, नोवाल भवन, दड्डा मार्केट, हल्दियों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर

## सीए. संजय बांगड़

भवन मंत्री

MPS जवाहर नगर, जयपुर

**Mob.: 9414234860**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पताः 188–ए, बरकत नगर टोंक फाटक, जयपुर

## अनिल कचौलिया

भवन मंत्री

MBV, चौड़ा रास्ता, जयपुर

**Mob.: 9414052160**

दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पताः 44, कैलाशपुरी, रामगढ़ मोड़, आमेर रोड, जयपुर


ॐ कैटर्स
A Sweet shop
A unit of Om Sodhani

मिठास का घड़ा है,
जो चांदी के वरक में जड़ा है,
इस दीवाली के पावन पर्व पर
हमारी काजू कतली का रंग चढ़ा है।

ORDER NOW !

काजू कतली
Rs. 500/-Kg

D-2, Om Catters, Jp Colony, Tonk Phatak, Jaipur
9414358815, 9680658815

## शिक्षक दिवस कार्यक्रम

5 सितम्बर 2020 को विद्यालय में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस दिन देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मना कर उन्हें याद किया गया। विद्यार्थियों के विभिन्न विडियों को पीपीटी के माध्यम से दिखाया गया जिसमें बच्चों ने शिक्षकों के लिए मनमोहक कविताएँ सुनाई तथा अपने सभी शिक्षकों के प्रति आदर प्रकट करते हुए उनसे आशीर्वाद प्राप्त करने की कामना की। बच्चों ने अपने उद्बोधन के माध्यम से बताया कि हमारे माता-पिता हमें जन्म देते हैं लेकिन शिक्षक हमें सही व गलत का फर्क बता कर हमारे चरित्र का निर्माण करते हैं। शिक्षक सही मागदर्शन के साथ हमारे भविष्य को उज्ज्वल बनाते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि डॉ. सतीश बत्रा व विशिष्ट अतिथि कैरियर काउंसलर व स्पेशल ऐजुकेटर श्रीमती नीतू काबरा ने उद्बोधन के माध्यम से बताया कि शिक्षकों का स्थान हमारे माता-पिता से ऊपर होता है। शिक्षा के बिना हम अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते हैं जिस प्रकार हमारे शरीर को भोजन की आवश्यकता होती है उसी प्रकार हमें जीवन में आगे बढ़ने व ऊँचाईयों को हासिल करने के लिए शिक्षा की आवश्यकता होती है। सभी छात्रों को निस्वार्थ भाव से एक शिक्षक ही शिक्षा प्रदान करता है। शिक्षक हमारें अंदर की बुराइयों को दूर कर हमें एक बेहतर इंसान बनाते हैं हमारे जीवन में शिक्षकों के इस योगदान के लिए हमें अपने शिक्षकों का हमेशा आदर और सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम के अन्त में उपस्थिति अतिथियों का विद्यालय के मानद् सचिव श्री मुकेश राठी ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा भवन मंत्री श्री अशोक अजमेरा व पधारे हुए प्रबन्ध समिति के

सदस्यों के साथ प्रधानाचार्या, उपप्रधानाचार्या व सभी शिक्षकों को पुष्प व शिक्षा समिति के ओर से पैन भेंट कर सम्मानित करते हुए 'शिक्षक दिवस' की शुभकामनाऐं देकर उनका आभार व्यक्त किया।

## हिंदी दिवस पर विद्यालय में आयोजित विशेष कार्यक्रम

विद्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के उन्नयन हेतु अनेक प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें हिंदी सप्ताह, ई-पत्रिका, कवि-सम्मेलन, विभिन्न विधाओं पर विद्यार्थियों के वीडियो, प्रसिद्ध हिंदी कहानियों का वाचन, हिंदी भाषा और साहित्य पर आधारित प्रश्नोत्तरी, शिक्षक वचन, मातृभाषा प्रेम पर गीत प्रस्तुति आदि से विद्यार्थियों में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति अभिरुचि उत्पन्न करने का प्रयास किया गया।

8 सितंबर से 14 सितंबर तक हिंदी सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कक्षाओं में हिंदी भाषा में अपना परिचय, हिंदी भाषा के संबंध में जानकारी, प्रसिद्ध साहित्यकारों की पुस्तकें, हिंदी शुद्ध पठन, लेखन, वाचन से संबंधित नियमों का ज्ञान स्तरानुसार करवाया गया। इस अवसर पर प्रथम बार विद्यालय में ई-पत्रिका भी निकाली गई, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा एक ऑनलाइन कवि-सम्मेलन भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने समसामयिक और मर्मस्पर्शी कविता पाठ किया, जिसे सभी दर्शकों ने बहुत सराहा। इसके अलावा हिंदी की कुछ प्रसिद्ध कहानियों का भी विद्यार्थियों द्वारा प्रभावी मंचन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के मध्य में जयपुर की प्रख्यात कवयित्री मधु भूतड़ा ने हिंदी भाषा से ही देश का विकास शीर्षक पर आधारित बहुत ही भावपूर्ण कविता प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के अतिथि सीए रोहित जी माहेश्वरी ने विद्यार्थियों को उत्प्रेरित करते हुए कहा कि विदेशी भाषाओं का अध्ययन जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक हो सकता है पर अपने देश की प्रबुद्ध संस्कृति को समझने के लिए हिंदी भाषा का प्रचार और प्रसार आवश्यक है। इस अवसर पर अतिथि कवि श्री

रमेश पांचाल ने भी अपनी हास्य - व्यंग्य की कविताओं से जहाँ एक और भरपूर मनोरंजन किया वहीं दूसरी ओर सामाजिक विसंगतियों पर सोचने के लिए विवश भी किया। अंत में संस्थान के मानद सचिव श्री मुकेश राठी ने कहा कि हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि जागृत कर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में देशभक्ति, ईमानदारी, कर्त्तव्यपरायणता आदि श्रेष्ठतम गुणों को स्थापित कर उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाया जा सकता है। श्री राठी ने इस अवसर पर आमंत्रित अतिथियों, अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। इस प्रकार पूर्ण हर्षोल्लास से हिंदी दिवस समारोह संपन्न हुआ।

## विद्यालय की विभिन्न गतिविधियाँ व कार्यक्रम ऑनलाईन सम्पन्न

- स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा सितम्बर 2020 माह को पोषण माह घोषित किये जाने पर विद्यालय के विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 19 सितम्बर 2020 को हैल्दी फूड एण्ड हैल्दी बॉडी विषय पर कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियो व उनकी माताओं हेतु अलग अलग ग्रुप में ऑनलाईन प्रश्नोत्तरी का कार्यक्रम रखा गया ।
- सीबीएसई द्वारा अजमेर रीजन के शिक्षकों हेतु ऑनलाईन सेन्ट्रल ऑफ एक्सीलेन्सी पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के 90 शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रीटा भार्गव ने 9 सेशन लिये ।
- दैनिक समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका द्वारा पत्रिका इन एजूकेशन के अन्तर्गत आयोजित पाई स्कूल ब्लीट्स प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थी आर्यन गोयल ने काव्य पाठ में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया ।
- MPS कालवाड़ द्वारा आयोजित ऑनलाईन अन्तर-विद्यालयी प्रतियोगिताओ में नारा लेखन प्रतियोगिता में आयुष मंत्री ने प्रथम व भाषण प्रतियोगिता में हर्षित शर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया ।

# समाज बन्धुओं को नवरात्री, दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं सहितः

## कमलेश लढ्ढा

भवन मंत्री
MGPS, विद्याधर नगर, जयपुर
**Mob.: 9214661522**
दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पताः प्लॉट नं. 148, पथ नं. 2, विजयबाड़ी, सीकर रोड, जयपुर

## सुनील मालपानी

भवन मंत्री
MCCA, प्रताप नगर, जयपुर
**Mob.: 9829069494**
दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पताः 11, फिल्म कॉलोनी, चौड़ा रास्ता, जयपुर

## मनीष कुमार सोमानी

भवन मंत्री
MPS, कालवाड़ रोड, जयपुर
**Mob.: 9414071782**
दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पताः 847, सोमानी भवन, चुरूकों का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर

## गिरधर झंवर

भवन मंत्री
MPS-SANSKRITI,बनीपार्क, जयपुर
**Mob.: 9414075004**
दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी), जयपुर

पताः 1327, बाबा हरिशचन्द्र मार्ग, चांदपोल बाजार, जयपुर

कैलाश चन्द गगरानी

मनीष गगरानी

**Mob.: 9351485916**

पताः बी–7, आनन्द कॉलोनी आर्य नगर मुरलीपुरा जयपुर

## सत्यनारायण काबरा

(श्रीमाधोपुर)
पूर्व कोषाध्यक्ष
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर
**Mob.: 9829019451**

पताः बी–42, कैलाश मार्ग, सुभाष नगर, , जयपुर

## साँवर मल परवाल

(संयोजक, माहेश्वरी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, हॉस्टल)

## दीपावली

के पावन प्रकाश पर्व की
**हार्दिक शुभकामनाएं**

पताः एम–37, महेश कॉलोनी, टोंक फाटक , जयपुर–98290 81160

## पवन आगीवाल

(समाजसेवी)

## दीपावली

के पावन प्रकाश पर्व की
**हार्दिक शुभकामनाएं**

पताः 23, महावीर नगर प्रथम, सोनी सेन्टर वाली गली, सांघी फार्म, टोंक रोड, जयपुर

दिवाली के इस पावन एवं मंगल अवसर पर,
आप की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो,
खुशिया आप के कदम चुमे,
इसी कामना के साथ आप को एवं आप के
परिवार को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाये !

OM SODHANI
9414358815, 9351758815

# दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

## एम.पी.एस. इंटरनेशनल, भाभा मार्ग, तिलक नगर

### राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर गतिविधियाँ

विद्यार्थियों में खाद्य-पदार्थों के औषधीय प्रभावों तथा बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से विद्यालय में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने ताजा सब्जियों व फलों की सलाद सजावट, संतुलित आहार पर लेख तथा पानी के उपयोग व भोजन सामग्री पर विचार अभिव्यक्त किए।

### शिक्षक ही रखता है छात्र जीवन की आधारशिला

जीवन को सुव्यवस्थित व सुदृढ़ बनाने वाले शिक्षकों के इस दिवस पर विद्यालय सचिव श्री निर्मल दरगड़ व प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने विद्यालय के सभी शिक्षकों को उपहार व शुभकामनाएँ दीं। विद्यार्थियों ने भी ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन करते हुए शिक्षकों के लिए कार्ड व बुकमार्क मेकिंग, कविता व अनुच्छेद लेखन, विचार अभिव्यक्तिकरण आदि गतिविधियों का आयोजन किया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए अपने गुरुजनों को नमन किया। जवाहर नगर तक्षशिला ऑडिटोरियम में ई.सी.एम.एस. द्वारा विशिष्ट शिक्षक सम्मान समारोह के अंतर्गत विद्यालय की वरिष्ठ हिन्दी अध्यापिका श्रीमती विजय लक्ष्मी जांगिड़ को शिक्षक सम्मान से नवाजा गया। इस अवसर पर कक्षा प्रथम की समेकित पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के सभी शिक्षकों का सम्मान किया गया। सर्वप्रथम समेकित पाठ्यपुस्तक की मुख्य समन्वयक विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह का सम्मान किया गया। उनके साथ ही श्रीमती संतोष कुमारी, श्रीमती भावना ऊबा, श्रीमती मनोरमा मुकिम, श्रीमती दीपशिखा शर्मा, श्रीमती सुनीता पाराशर, श्रीमती सुगंधा तोरानी, श्रीमती निशा राठौड़, श्रीमती मधु गेरा व श्रीमती निशा जैन को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

### सरस सरल मनोहरी है, अपनी हिन्दी प्यारी है

हमारे मन की भाषा हिन्दी को सम्मान देने व उसे उच्चतम शिखर पर आसीन होने की कामना के साथ विद्यार्थियों के लिए संदेश व नारा लेखन, समाचार-पत्र वाचन, नीतिपरक दोहे व कविता वाचन, साहित्यकारों की वेशभूषा व परिचय, रौद्र, वीर, वात्सल्य व हास्य रस से संबंधित कविता व ई-प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिन्दी विभाग द्वारा 'सरस सरल मनोहारी है अपनी हिन्दी प्यारी है' समुधर गीत प्रस्तुत किया गया।

### विश्वकर्मा जयंती पर किया गया पूजन

विश्वनिर्माता तथा देवताओं के वास्तुकार भगवान विश्वकर्मा की जयंती के शुभ अवसर पर प्राचार्या श्रीमती अर्चना सिंह ने विश्वकर्मा जी का पूजन किया तथा विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं।

### हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

हिंदी दिवस के अवसर पर एम.पी.एस. कालवाड़ में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 8 की छात्रा परिधि यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

### अन्य गतिविधियाँ:-

- विद्यालय में विशेष दिनों के अवसर पर शहीद भगत सिंह जयंती, विश्व पुत्री दिवस, विश्व पर्यटन दिवस व विश्व साक्षरता दिवस मनाया गया तथा विद्यार्थियों को वीडियो के माध्यम से शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

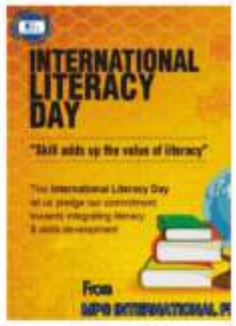

- विश्व हृदय दिवस के अवसर पर हृदय के प्रति जागरूकता पैदा करने तथा हृदय संबंधी समस्याओं से दूर रहने के उपाय विद्यार्थियों द्वारा साझा किए गए। विद्यार्थियों ने हृदय की कार्य प्रणाली से भी सभी को अवगत करवाया।




- विश्व शांति दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने संदेश व नारो के साथ हिंसा के स्थान पर अहिंसा अपनाने का तथा प्रेम व शांति के साथ रहने का संदेश दिया।

# समाज बन्धुओं को नवरात्री, दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं सहितः

## मनोज कुमार भूतड़ा

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9414147158**

पताः सी-53, पंचशील कॉलोनी, अजमेर रोड, जयपुर



## सीए. शरद काबरा

पूर्व शिक्षा सचिव- MPS Int.- तिलक नगर, जयपुर

सदस्य ECMS प्रबंध समिति-2019-22

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9314501320**

पताःप्लाट नं. 28, आनन्द नर्सरी, पुलिस हैडक्वार्टर रोड, लालकोठी, जयपुर

## पवन बजाज

(टोंक फाटक)

पूर्व संयुक्त मंत्री-समाज

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9829067554**

पताः बी-72, 10 बी स्कीम, गोपालपुरा, टोंक रोड, जयपुर



## उमेश सोनी

पूर्व भवन मंत्री- MHS- तिलक नगर, जयपुर

भवन चेयरमैन- डायलिसिस रिसर्च सेन्टर

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9829059157**

पताः एम-60, महेश कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर



## सुनील सोमानी

(सोमानी इन्टरनेशनल स्कूल)

कार्यकारिणी सदस्य (सत्र 2019-22)

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

**Mob.: 9829241262**

पताः 42, गुलाबबाड़ी, फैक्ट्री एरिया रोड, झोटवाड़ा, जयपुर



## मुकेश लढ्ढा

(समाजसेवी)

# दीपावली

के पावन प्रकाश पर्व की

## हार्दिक शुभकामनाएं

पताः 1412, लढ्ढा भवन, LMB के पीछे, ताराचन्द नायाब की गली, जौहरी बाजार, जयपुर-9829044226


1930 से आपकी सेवा में कार्यरत विशाल वातानुकूलित शोरूम

''आकर्षक रंगों व मनमोहक डिजाइनों में उपलब्ध''



Carpets

डोरमैट्स, बॉथमैट्स, रजाई, कम्बल, जूट-मैटिंग, टाट-पट्टी, कोयर-मैटिंग, प्लास्टिक, रैग्जीन, प्लास्टिक-चटाई, वुडन फ्लोरिंग, फ्लोरिंग टाईल्स, कारपेट्स, वॉल-पेपर, ब्रुश, वाईपर्स, टेबिल-कवर, टी.वी. कवर, सोफा कवर, दरी, कारटेन, टेपस्ट्री, कुशन, पिलो, क्लोस्टर, बैड-शीट, मैट्रेस कार-मैटिंग, वूलन-नमदा, ग्रीन शेड-नेट, ब्लाईन्डस, डस्टर एवं अन्य फर्निशिंग आईटम्स



P.V.C. Flooring | Non Wooven Carpets | Artificial Grass | Mats

**रामनिवास रामगोपाल**

शोरूमः 131, जौहरी बाजार, जयपुर, फोनः 0141-2576396 (शोरूम)

फैक्सः 0141-4016671, ई-मेलः rrrgjaipur@yahoo.com, ajmerashrikishan@gmail.com

**Pankaj Dhoot**

+91 9829050286

**AAYUSH ASSOCIATES**

**RASHHI ENTERPRISE**

15, Indra Colony, Near Pani Pech

Bani Park, Jaipur, M. : 9829014948

G-3, Venkteshwara Complex

Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Jaipur

M.: +91 9929090286

e-mail : pankaj_dhoot@yahoo.com

MICROTEK TECHNOLOGY WE LIVE

OKAYA JAPANESE

EXIDE

**Deals in Inverter, UPS , Battery , SOLAR .**

# BAGH-E-VIRASAT

*(A Unit Of Om Sodhani )*

- 35,000 Sq. Ft Lushgreen Garden
- 2,200 Sq. Ft Banquet
- 4 Rooms
- Mandap Area



1 Km Straight from Chokhi Dhani, Main Tonk Road

# माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, कालवाड़ रोड़

## शिक्षक दिवस

दिनांक 5 सितंबर, 2020 को विद्यालय में शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया। देश के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधकृष्णन को याद करते हुए गुरु वंदना द्वारा कार्यक्रम का आरंभ किया गया। इस अवसर पर शिक्षकों द्वारा गीत, नाटक तथा कविता की प्रस्तुति दी गई। नाटक के माध्यम से शिक्षकों ने वर्तमान परिस्थितियों में ऑनलाइन कक्षाओं का महत्व समझाया। विद्यालय सचिव श्री मनोज कुमार बिड़ला तथा प्रधानाचार्य श्री ओ. पी. गुप्ता ने सभी शिक्षकों को सम्मान स्वरूप उपहार देकर शिक्षक दिवस की बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की।

## हिंदी दिवस

दिनांक 14 सितंबर, 2020 को विद्यालय में हिंदी दिवस की धूम रही। इस अवसर पर कक्षा 3 से 5 के लिए 'नारा लेखन', कक्षा 6 से 8 के लिए 'स्वरचित कविता' तथा कक्षा 9 व 10 'मुख्य पृष्ठ निर्माण' प्रतियोगिता रखी गई। विद्यालय द्वारा अंतर्विद्यालयी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत कक्षा - 6 के लिए 'नारा लेखन' तथा कक्षा - 7 व 8 के लिए भाषण प्रतियोगिता रखी गई। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन किया गया तथा विजेताओं की घोषणा करने हेतु भी

ऑनलाइन सत्र का आयोजन किया गया। सभी विजेताओं एवं प्रतियोगियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसी शृंखला के अंतर्गत हिंदी विभाग के शिक्षकों द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नाटक, कविता, भाषण तथा गीत के माध्यम से मातृभाषा हिंदी का महत्व बताया गया।

## गांधी जयंती

दिनांक 2 अक्टूबर, 2020 का दिन गांधी व शास्त्री जयंती के रूप में मनाया गया। विद्यार्थियों ने घर पर रहते हुए भी इस राष्ट्रीय पावन पर्व पर पूरा उत्साह दिखाया। उन्होंने विडियो तथा चित्रों के माध्यम से एवं कविता, भजन, नृत्य आदि के माध्यम से अपने विचारों को प्रस्तुत किया।

# समाज बन्धुओं को नवरात्री, दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं सहितः

## बंकट तोषनीवाल

सदस्य ECMS प्रबंध समिति–2019–22

**Mob.: 9829053259**

पताः ई–89, रामपथ, श्याम नगर, जयपुर

## ब्रजमोहन बाहेती

सदस्य ECMS प्रबंध समिति–2019–22

**Mob.: 8696934095**

पताः 503, कृष्ण कृपा द्वितीय, सुभाष नगर शास्त्री नगर, जयपुर

## अरविन्द मालपानी

सह संयोजक–केन्द्रीय क्रय समिति (ECMS)

**Mob.: 9829165655**

पताः 7, मनवाजी का बाग, मोती डूंगरी रोड, जयपुर

## दिनेश कुमार मालपानी

संयोजक
सद्संस्कार समिति
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

**Mob.: 9829065666**

पताः 7, मनवाजी का बाग, मोती डूंगरी रोड, जयपुर

## सुमन लढ्ढा

पूर्व अर्थमंत्री
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

**Mob.: 9314501973**

पताः 442ए,44 गोल्डन क्राउन, सेठी कॉलोनी,जयपुर

## जमनादास राठी (लाला)

पूर्व भवन मंत्री
MHS–तिलक नगर, जयपुर

**Mob.: 8696934095**

पताः 19, प्रताप नगर स्कीम–III, नियर ग्लास फैक्ट्री, टोंक रोड, जयपुर

## महेश मूंदड़ा

कार्यकारिणी सदस्य (2015-18)
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

**Mob.: 9887220463**

पताः 184, चेलों का रास्ता, हवामहल रोड, जयपुर

## सीए. राधा मोहन कचोलिया

पूर्व शिक्षा सचिव
MPS Int,- भामा मार्ग, तिलक नगर, जयपुर

**Mob.: 9829067808**

पताः 71, देशभूषण नगर, बस स्टैण्ड के सामने, गलता गेट, जयपुर

# SODHANI FARMS

## (BANQUET AND GARDEN)

*(A UNIT OF OM SODHANI)*

1 KM Straight from Chokhi Dhani,
Main Tonk Road
Contact: 9414358815, 9680658815

# माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, बगरू

## शिक्षक दिवस समारोह-2020

शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर 5 सितंबर 2020 को ECMS के तत्वावधान में एम.पी.एस जवाहर नगर सभागार में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अजमेर रोड, बगरू की मेजबानी में ऑनलाइन लाइव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि श्री डी.पी. सारडा भारतीय रिज़र्व बैंक से सेवानिवृत्त एवं प्रसिद्ध लेखक, 'दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव दी माहेश्वरी समाज' के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, उपाध्यक्ष श्री रमेश सोमानी, कोषाध्यक्ष श्री नटवर कुमार सारडा, महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा, सचिव श्री श्यामसुंदर तोतला आदि सभी पदाधिकारीगण एवं श्री माहेश्वरी समाज के सभी शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्यगण उपस्थित थे। इस गुरु वंदन पर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री डी.पी. सारडा व ECMS के पदाधिकारियों के द्वारा माँ वीणावादिनी सरस्वती के चरणों में पुष्पाहार चढ़ाकर व दीप प्रज्वलित कर शुभाशीष लेकर किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने आशीर्वाद स्वरूप गुरु महिमा का बखान करते हुए श्री माहेश्वरी समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित कीर्तिमानों के लिए मुक्त कंठ से प्रशंसा की। श्री माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती जी व महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा ने आगन्तुक अतिथियों एवं शिक्षकवृंद का स्वागत उद्बोधन किया तथा समाज, राष्ट्र व मनुष्य के लिए जीवन में गुरु के महत्त्व को प्रतिपादित करते हुए महामना डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को सच्ची श्रद्धांजलि दी।

कोषाध्यक्ष श्री नटवर कुमार सारडा ने समारोह के मुख्य अतिथि श्री डी.पी. सारडा का परिचय देते हुए उनके महान लेखकीय जीवन व देशसेवा में समर्पित व्यक्तित्व को प्रकट कर उनका स्वागत किया।

इस पावन बेला पर शिक्षक जैसी महान विभूति को नमन करते हुए एम.पी.एस अजमेर रोड, बगरु के शिक्षक-शिक्षकाओं ने शिव वंदना व मनमोहक गीतों के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

'दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव दी माहेश्वरी समाज' द्वारा इस शुभावसर पर प्रथम करिकूलम कमेटी से संबंधित 31 शिक्षकों, श्री माहेश्वरी समाज के सभी शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्यगणों एवं शैक्षणिक व सहशैक्षणिक स्तर पर उत्कृष्ट कार्यों के लिए चार शिक्षकों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। एम.पी.एस अजमेर रोड बगरु के मानद् सचिव श्री श्यामसुंदर तोतला ने अतिथियों, अध्यक्ष महोदय आदि सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए गुरु चरणों को नमन किया।

## ग्रांड पैरेन्ट्स डे

पारिवारिक संबंधों की प्रगाढ़ता की सुरम्य झाँकी प्रस्तुत करने के लिए 11 सितंबर 2020 को एम.पी.एस संस्कृति अजमेर रोड, बगरु में ऑनलाइन माध्यम से 'ग्रांड पेरेन्टस डे' बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्री-प्राइमरी के सभी विद्यार्थियों के दादा-दादी व नाना-नानी को ससम्मान आमंत्रित किया गया। उनके स्वागत में नन्हें-मुन्नों बालक-बालिकाओं ने भव्य नृत्य प्रस्तुतियाँ का वीडियो चलाकर अभिभावकों को मंत्र-मुग्ध कर दिया। नन्हें बालक-बालिकाओं ने दादा-दादी का नृत्य अभिनय कर उनके उत्तरदायित्वपूर्ण संवेदनशीलता को बखूबी उजागर कर मन को छू लिया।

## हिंदी दिवस समारोह

माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अजमेर रोड, बगरू में 14 सितंबर 2020 को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ हिंदी दिवस मनाया गया। राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा आदि सभी नामों में से उल्लेखित हिंदी दिवस के इस शुभावसर पर विद्यालय हिंदी विभाग की ओर से हिंदी के महत्त्व को बताते हुए लय युक्त हिंदी कविताओं का गायन किया गया, हिंदी में मुहावरे व लोकोक्तियों का प्रभावी प्रयोग बताया गया तथा शिक्षकों के लिए हिंदी प्रश्नावली का आयोजन दो समूह बनाकर किया गया, जिसमें समूह 'अ' विजेता रहा।

## हिंदी कविता वाचन प्रतियोगिता

14 सितंबर 2020 को एम.पी.एस संस्कृति अजमेर रोड, बगरू में ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से हिंदी कविता वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नन्हें-मुन्नें बालक-बालिकाओं के द्वारा कंठस्थ कविताओं का लय युक्त गायन किया गया। निर्णायकगणों द्वारा प्रतियोगियों की लयबद्धता, स्पष्टता व प्रस्तुतीकरण के आधार पर विजेता छात्र-छात्राओं का चयन किया गया।

## समाज बन्धुओं को नवरात्री, दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं सहित:

**अशोक पचीसिया**
(समाज सेवक)
**नवरात्रा एवं दीपावली**
की
**आप सबको बधाई एवं शुभकामनाएं**
पता: 45 अजमेरा गार्डन, किंग्स रोड, निर्माण नगर, जयपुर-9829015813

**हरीश डागा**
(समाज सेवक)
**नवरात्रा एवं दीपावली**
की
**आप सबको बधाई एवं शुभकामनाएं**

पता: 85ए, गौत्तम मार्ग, कस्तुरबा नगर, निर्माण नगर, जयपुर-9829460008

**अशोक बागला**
समाजसेवी
**Mob.: 9314502259**
पता: 4356, के.बी.जी. का रास्ता, जौहरी बाजार,जयपुर

**अशोक जाजू**
(अशोक स्टील्स)
समाजसेवी
**Mob.: 9828023254**

पता: बी-6, लालकोठी, लक्ष्मी मन्दिर सिनेमा के पास टोंक रोड, जयपुर

**अशोक सारडा**
**(सारडा ज्वैलर्स)**
**Mob.: 9887292750**
पता: आचरों की गली, गोपाल जी का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर

**नवल किशोर,**
**नरेश कुमार माहेश्वरी (तोषनीवाल)**
**एन.के. ट्रेडिंग कम्पनी**
**Mob.: 9314820006**
पता: पीतलीयो का चौक, जौहरी बाजार, जयपुर

Ghanshyam Birla (Jimmy)
Mob. No. 9829013154
9314501179

**Birla**
ENTERPRISES
44, Gangori Bazar, Jaipur-302 001
Phone : (O) 91-141-2315324 ® 2322324
Website : www.birlaenterprises.com
Email : birlaenterprises@hotmail.com

**KRISHNA**
**HANDICRAFTS**
रविन्द्र कुमार इनंवर
कार्यकारिणी सदस्य (2019-22),
श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

शांता झंवर

Manufacturers & Exporters of :
Ethnic Silver Jewellery of Semi-Precious Stones
Office : A-16, Opp. ICICI Bank, Janta Colony, Jaipur-04 Ph.: 0141-2617637
Res.: Flat No. 501, SDC Oasis, Janta Colony, Jaipur-04 Ph.: 0141-2608888
E-mail : krishnahandicraft@hotmail.com

ॐ केटर्स
A Sweet shop
A unit of Om Sodhani

Getting You The Best Quality
Sweets And Dry Fruits Boxes
At Your Doorsteps.
GIFT PACKS AVAILABLE

Contact : 9414358815, 9680658815

Customised Dry Fruit
Boxes Available !

## शिक्षक दिवस पर 'दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर' ने शिक्षकों को किया सम्मानित

5 सितम्बर 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर एम.पी.एस. जवाहर नगर के 'तक्षशिला' सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एम.एच.एस. के कार्यवाहक प्राचार्य श्री अजय कुमार गुप्ता को सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह में कक्षा 1 के नन्हें विद्यार्थियों को बस्ते के बोझ से मुक्ति दिलाने की दिशा में विद्यालय स्तर पर 'प्रथम एकीकृत पुस्तक' के निर्माण में सक्रिय एवं सार्थक भागीदारी निभाने के लिए श्रीमती शीतल विंसेंट, श्रीमती श्वेता गौतम, श्रीमती सोनिया सारड़ा, सुश्री सुलेखा चितलांगिया एवं सुश्री श्वेता भंडारी को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट करके सम्मानित किया गया। यह सम्मान, समारोह के मुख्य अतिथि श्री डी.पी. सारड़ा, ECMS के अध्यक्ष श्री प्रदीप बाहेती, महासचिव शिक्षा श्री नटवर लाल अजमेरा, कोषाध्यक्ष सी.ए. श्री नटवर सारड़ा एवं विद्यालय के मानद सचिव श्री अशोक कुमार फलोड़ ने प्रदान किया।

## वर्चुअल काव्य गोष्ठी में बही कविताओं की रसधार

14 सितम्बर 'हिंदी दिवस' के अवसर पर ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन कर 'हिंदी दिवस' मनाया गया। माँ शारदे को शब्द सुमन अर्पित करके गोष्ठी का आगाज किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम विद्यालय के मानद सचिव श्री अशोक कुमार फलोड़ ने हिंदी की गौरव गाथा का वर्णन किया, तो वहीं विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य श्री अजय कुमार गुप्ता ने हिंदी भाषा के प्रयोग व प्रसार पर जोर देते हुए इसे हिन्दुस्तान की अक्षुण्ण भाषा बनाने के लिए सभी को प्रेरित किया। वर्चुअल काव्य गोष्ठी में विद्यालय के शिक्षकगण द्वारा हिंदी की उन्नति एवं बदलते परिवेश में हिंदी भाषा की अस्मिता को बनाए रखने संबंधी अनेक सुमधुर रचनाओं की प्रस्तुति ने सभी को आह्लादित कर दिया।

## द्वितीय जाँच सफलतापूर्वक सम्पन्न

अपनी दूरदर्शिता और शिक्षण नवाचारों को बदलती तकनीक के साथ अपनाने में माहिर MHS में यूनिट टेस्ट-2 सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। 14 सितम्बर से 19 सितम्बर तक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित हुए यूनिट टेस्ट-2 के लिए विद्यार्थियों को गूगल फॉर्म पर ऑनलाइन मॉक टेस्ट से अभ्यास करवाया गया। टेस्ट के दौरान विद्यार्थी तकनीक के प्रयोग में सहज और उत्साहित नज़र आए।

## राष्ट्रीय सेवा योजना की जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

विद्यालय के रामभवन सभागार में 18 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना की जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी श्री विकास कुमार मीना और एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी श्री आशीष रामावत, जयपुर जिला एन.एस.एस. प्रभारी श्री पंकज गुप्ता, विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य श्री अजय कुमार गुप्ता एवं विद्यालय के एन.एस.एस. प्रभारी श्री नेतराम शर्मा आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर विद्यालय के मानद सचिव ने सभी को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

कार्यशाला का श्री गणेश माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। सरस्वती वंदना के पश्चात् अतिथि देवो भवः की परम्परा को निभाते हुए विद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य ने अतिथिगण का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया।

कार्यशाला में कार्यक्रम अधिकारी श्री आशीष रामावत ने स्वयंसेवकों के एक ऐसे सुदृढ़ समाज का निर्माण करने की बात कही, जो हर मुश्किल का सामना साहस और धैर्य से करते हुए कोविड-19 जैसी महामारी के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने और संक्रमण को रोकने में अपनी भूमिका निभा सके।

कार्यवाहक प्राचार्य श्री अजय कुमार गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवा शक्ति के व्यक्तित्व विकास के लिए संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है, जिसमें भाग लेकर विद्यार्थी सामाजिक हित के कार्य करते हुए समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकता है।

कार्यशाला में सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखते हुए सभी आगन्तुकों को निश्चित संख्या में अलग-अलग समय पर बुलाया गया तथा एन.एस.एस. की गतिविधियों को कम्प्यूटर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से संपादित करने हेतु प्रशिक्षण दिया गया।

## संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JEE Advanced 2020) हेतु एम.एच.एस. के होनहारों का चयन

mhs के होनहारों ने कोविड-19 के दौर में भी अपनी मेधा के बल पर संयुक्त प्रवेश मुख्य परीक्षा के माध्यम से संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जे.ई.ई. एडवांस) 2020 में अपना स्थान सुनिश्चित करके विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय के छात्र मितराज सिंह परमार, यश शर्मा, पवन कुमार मीना, विशाल जांगिड़, अक्षत श्रीमाल, मोनू शर्मा, मुकुन्द मीना व कुलदीप मीना ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जे.ई.ई.एडवांस) 2020 के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया।

# समाज बन्धुओं को नवरात्री, दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं सहित:

## आशीष मंत्री (गणगौर बेसन)

अध्यक्ष

श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर

**Mob.: 9309485200**

पताः बी–90, गणगौर हाउस, रीको हाउसिंग कॉलोनी, रोड नं. 1डी, वीकेआई, जयपुर



## गोविन्द झंवर

सांस्कृतिक सचिव

श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर

**Mob.: 9660666663**

पताः आर–9, एसी फर्स्ट, लालगढ पैलेस, सेक्टर–2, विद्याधर नगर, जयपुर

## चेतन बाहेती

कोषाध्यक्ष

श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर

**Mob.: 9928567325**

पताः ए–5–102, कमल अपार्टमेंट द्वितीय, बनीपार्क, जयपुर



## अभिषेक फलोड़

कार्यकारिणी सदस्य

श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर

**Mob.: 7014902355**

पताः ए–8, जय नगर, रोड नं– 2, वीकेआई एरिया, जयपुर

## संदीप साबू

क्रीडा सचिव

श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर

**Mob.: 9829023439**

पताः प्लाट नं– 31, सिंधी कॉलोनी, झोटवाडा, जयपुर



## विनोद ईन्नानी

कार्यकारिणी सदस्य

श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर

**Mob.: 9887772623**

पताः 56, गौरव नगर, सिविल लाईनस, जयपुर

## प्रवीण परवाल

कार्यकारिणी सदस्य

श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर

**Mob.: 9660045272**

पताः 33, सिद्धार्थ कॉलोनी, सोडाला, जयपुर


9887896797

## अनिता एंड अनिता

Sarees

Exclsive & Primium

Collection:

सिन्थेटिक ऑल ब्राण्ड

सुभाष, लक्ष्मीपति, विशाल

शॉल, आसन, नेपकीन, टॉवल

काकड़ खेस भी उपलब्ध है।

नाइटी

Visit Now

## TLISHMI MOTI

HELPS TEETHING BABIES

चारमीनार-कुमकुम, मोली

हैदराबाद-चीड की फैन्सी राखी

मांगलिक एवं शुभ कार्य

Add : G-9-10/103 Anmol Residency, Path No.6, Vijaybari, Sikar Road, Jaipur

## SODHANI FARMS

(BANQUET AND GARDEN)

A UNIT OF OM SODHANI

Figuring out where to have a birthday party?

We at Sodhani Farms have the right thing for you!

1 km Straight From Chokhi Dhani, Main Tonk Road

Contact: 9414358815, 9351758815

# दी एज्यूकेशन कमेटी ऑव् दी माहेश्वरी समाज (सोसायटी) जयपुर

# माहेश्वरी गर्ल्स सी. सैकण्डरी स्कूल, चौड़ा रास्ता

## ऑनलाइन शिक्षक अभिभावक मीटिंग

2 सितम्बर, 2020 को विद्यालय में ऑनलाइन शिक्षक-अभिभावक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं के प्रथम-परख के प्राप्तांकों की जानकारी दी गई। अभिभावकों को विद्यार्थियों की न केवल शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक प्रगति से अवगत कराया अपितु शिक्षकों द्वारा अभिभावकों से ऑनलाइन शिक्षण में आ रही समस्याओं की जानकारी लेकर उनका निराकरण भी किया गया।

## ऑनलाइन शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की पावन स्मृति में 5 सितम्बर, 2020 को माहेश्वरी गर्ल्स सी. सैकण्डरी स्कूल, चौडा रास्ता में ऑनलाइन शिक्षक दिवस समारोह मनाया गया, जिसमें शिक्षक-शिक्षार्थी के संबंधो को मनोरम रूप में प्रस्तुत किया गया। विद्यालय सचिव एडवोकेट द्वारकादास जी मालू ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छाया चित्र पर माल्यर्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की।

इस अवसर पर छात्राओं ने मनमोहक, भावभीनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी। श्रीमान मानद् सचिव ने अपने उद्बोधन द्वारा छात्राओं को प्रगति के पथ पर बढ़ने का आशीर्वाद दिया व जीवन के उत्तरदायित्वों से अवगत कराया। कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए छात्राओं का मनोबल बढ़ाया। उपप्राचार्य श्री प्रमोद जाजू ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

## हिन्दी दिवस का आयोजन

विद्यालय में दिनांक 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस का ऑनलाइन आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंम्भ विद्यालय के मानद् सचिव एडवोकेट द्वारकादास मालू द्वारा माँ सरस्वती के माल्यार्पण व दीप

प्रज्जवलित कर किया गया। मानद् सचिव महोदय ने अपने उद्बोधन में हिन्दी भाषा की महत्ता बताते हुए संदेश दिया कि चाहे हम किसी भी भाषा में कार्य करे पर राष्ट्रभाषा को अवश्य सम्मान दे। छात्राओं ने विभिन्न प्रस्तुतियाँ देकर हिन्दी दिवस के कार्यक्रम को अत्यन्त रोचक बनाया वहीं हिन्दी की शिक्षिकाओं द्वारा हिन्दी अपनाने के औचित्य पर प्रकाश डाला गया। कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव ने हिन्दी दिवस की शुभकामना देते हुए हिन्दी दिवस की सार्थकता पर एक भावपूर्ण कविता सुनाकर कार्यक्रम को साकार किया। उपप्राचार्य श्री प्रमोद जाजू ने भी हिन्दी को वैश्विक स्तर की भाषा बताते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

## सहशैक्षणिक गतिविधियों व उपलब्धियाँ

- 7 सितम्बर को कक्षा XI व XII की छात्राओं के लिए ऑनलाइन अंतर सदनीय अंग्रेजी वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्राओं में पूर्ण आत्मविश्वास के साथ पक्ष और विपक्ष में अपने विचार प्रकट किए।
- 24 सितम्बर को वरिष्ठ वर्ग की छात्राओं के लिए **'आत्मनिर्भर भारत'** थीम पर पोस्टर प्रतियोगिता का ऑनलाइन आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने पूर्ण मनोयोग से अपनी कलात्मक अभिरुचि का प्रदर्शन करते हुए भाग लिया।

- दिनांक 28.09.2020 को कक्षा IX व X की छात्राओं के लिए मोनोएक्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया व अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।
- 14 सितम्बर 2020 को हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में MGPS विद्याधर नगर में 'नवभारत शीर्षक' पर स्वरचित काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय की कक्षा X की छात्रा स्वालिया व कक्षा XI की छात्रा तानी सिंह ने जयपुर के प्रतिष्ठित विद्यालयों में द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।
- राजस्थानी लोकगायन का ऑनलाइन रियलिटी शो **'आवाज़ राजस्थान री'** में विद्यालय की गत वर्ष की छात्रा निमिषा ने अपने सुरों का जादू बिखेरते हुए टॉप 20 में अपना स्थान बनाया। विद्यालय परिवार में छात्रा की इस उपलब्धि पर बधाई दी।
- इसरो द्वारा आयोजित साइबर स्पेस प्रतियोगिता 2020 में विद्यालय की कक्षा XII विज्ञान वर्ग की छात्रा यशस्वी मिश्रा ने भाग लेकर 258638 प्रतिभागियों में से टॉप 500 में अपना स्थान बनाया व विद्यालय को गौरवान्वित किया। विद्यालय परिवार ने छात्रा को इस सफलता पर बधाई दी व उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

## विद्यालय के सहायक कर्मचारी श्री श्यामलाल सैन को दी भावभीनी विदाई

30 सितम्बर, 2020 विद्यालय के सहायक कर्मचारी श्री श्यामलाल सैन का विदाई समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय के मानद सचिव एडवोकेट द्वारकादास मालू, भवन मंत्री श्री अनिल कचौलिया ने श्यामलाल जी को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न भेंट किया व उनके 32 वर्षों के सेवाकाल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी। उपप्राचार्य श्री प्रमोद जाजू द्वारा श्री श्यामलाल को शुभकामना देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

# श्री माहेश्वरी नवयुवक मण्डल, जयपुर

(अंतर्गत : श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

## इस दिवाली शॉपिंग को बनाये मजेदार

## 7 दिन, 24 घंटे

## जब दिल करे, घर बैठे शॉपिंग करें!

# MAHESH EXPO LIVE

23rd-29th Oct, 2020

www.maheshexpo.in

**आशीष मंत्री** (गणगौर बेसन) (अध्यक्ष)
**अंकित काबरा** (सचिव)
**चेतन बाहेती** (कोषाध्यक्ष)
**विजय सारडा** (संगठन एवं प्रचार सचिव)
**गौरव जाजू** (आई.टी सचिव)

**अभिषेक मांधना- रौनक लद्दा** (संयोजक)
**CA प्रवीण परवाल** (कार्यक्रम कोषाध्यक्ष)

**एवं समस्त कार्यकारिणी (सत्र 2019-2022)**

## कृष्णधाम

1. श्री मुकेश कुमार लोहिया सुपुत्र स्व. श्री गिरिराज प्रसाद लोहिया ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रम को लंच की व्यवस्था हेतु सहयोग किया।
2. श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री गोवेर्धन लाल कासट की प्रेरणा से श्री चंद्र मोहन सुपुत्र श्री हरी नारायण कासट ने अपने पुत्र की सगाई के उपलक्ष्य में आश्रम को 25100/- (पच्चीस ह ाार एक सौ रुपए) भेंट किये।
3. श्री मालूराम माहेश्वरी (तोषनीवाल) सांगानेर ने आश्रम को 2100/- (इक्कीस सौ रुपए) भेंट किये।
4. श्री शिवरतन सुपुत्र स्व. श्री हेम प्रकाश माहेश्वरी चित्रकूट नगर ने आश्रम को 11000/- (ग्यारह ह ाार रुपए) भेंट किये।
5. श्रीमती तेजश्री धर्मपत्नी स्व. श्री ओम प्रकाश परवाल ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रम को डिनर के लिए सहयोग दिया। प्रेरक- श्री विकास परवाल, श्री सुमित काबरा।
6. शिवांश सुपुत्र श्री कुंज बिहारी (कचौलिया) माहेश्वरी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आश्रम को लंच हेतु सहयोग किया। सहयोगकर्ता- श्री राधामोहन कचौलिया।
7. श्रीमति उषा बिहानी, श्रीमती उषा मालपानी, श्रीमती संगीता थिरानी, ए-56, मेजर शैतान सिंह कॉलोनी ने आश्रम को दाल- 45 kg, मसाले-24 kg एवं नमक 50 kg भेंट किये।
8. श्रीमती रामेश्वरी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रामेश्वर लाल खटोड़, विधाधर नगर की प्रेरणा से उनकी सुपौत्री आकृति सुपुत्री श्रीमती अल्का अशोक खटोड़ ने 24000/- (चौबीस हज़ार रुपए) भेंट किये।
9. श्री श्याम सुन्दर काबरा झोटवाड़ा ने आश्रम को खाद्य सामग्री, फल, सब्जी एवं बिस्कुट भेंट किये।
10. श्री विकास सुपुत्र श्री श्रीराम सोढ़ानी सीकर निवासी ने आश्रम को 30 kg पोहा भेंट किया।
11. श्री नवीन आगीवाल ने अपने पिता श्री विनोद सुपुत्र स्व. श्री बृजमोहन आगीवाल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में नाश्ते हेतु सहयोग दिया।
12. सुश्री अपूर्वा सुपुत्री श्रीमती सुनीता धर्मपत्नी स्व. श्री विष्णु माहेश्वरी (आगीवाल) ने अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में नाश्ते हेतु सहयोग दिया।
13. बनीपार्क निवासी माहेश्वरी (सोमानी) परिवार की पुत्रवधु द्वारा आश्रम को 40 kg खाद्य सामग्री भेंट की।

सभी सहयोगियों और दानदाताओं का आभार एवं अभिनन्दन।

**मालचंद बाहेती**-वरिष्ठजन आवास एवं कल्याण मंत्री

विश्वास कालानी

विश्वास पुत्र श्री दीपक-सोनाली कालानी द्वारा JEE advanced 2020 की परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 82वाँ स्थान प्राप्त करने पर बहुत-बहुत बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

**''श्री माहेश्वरी डायलेसिस डायग्नोस्टिक एण्ड रिसर्च सेन्टर'' के भवन निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने पर हार्दिक आभार एवं धन्यवाद।**

1,25,000 रुपये
माहेश्वरी समाज बन्धु (होली सामूहिक गोट) जोन: 4 व 5 (पूर्व जोन-3)
प्रेरक : श्री रामगोपाल जी पंसारी

1,11,111 रुपये
श्री नन्द किशोर माहेश्वरी पुत्र स्व. श्री बाबूलाल जी कोट्यानी
प्रेरक : श्री श्याम सुन्दर जी मण्डानी

# कोविड-19 में काउन्सलिंग क्यों जरूरी है?

**कोविड-19** से पीड़ित एक 23 साल का लड़का जो कि अस्पताल में कॉरिन्टाइन था अस्पताल की सातवीं मंजिल से कूद कर अपनी जान दे देता है। 55 साल का एक कॉरिन्टाइन आदमी अस्पताल की चौथी मंजिल से छलांग मार के अपनी जान दे देता है। 35 साल का एक और लड़का जो अपने घर में कॉरिन्टाइन था फाँसी लगा के अपनी जान दे देता है।

## ''सुसाइड केस में काउंसलिंग का महत्व को''

कोविड-19 के केस में ज्यादातर लोग कोरोना वायरस से नहीं बल्कि इसके डर से पीड़ित है। इसके कारण मेन्टल हेल्थ और सुसाइड आज देश में दूसरा संकट बन गया है। यह लोगों के दिल दिमाग पर बहुत ही गलत प्रभाव डाल रहा है। इसको लेकर इतनी सारी बातें और उनके होने और भविष्य में फैलने को लेकर इतनी बातें हैं, इतनी गलत धारणाएं है जो लोगों में डर और चिन्ता पैदा कर रही है।

कोरोना पॉजिटिव होने पर जिन्हें हुआ है वो मन में बहुत ही कुंठित होते जा रहे हैं और मन में एक हीन भावना आ जा रही है वो खुद को कलंकित महसूस कर रहे है जैसे लग रहा है की उन पर कोई कलंक लग गया हो और समाज में लोग भी उन्हें कलंकित समझ रहे हैं और उनके साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं कि वो लोग खुद के बारे में ऐसा सोचने पर मजबूर होते जा रहे हैं जबकि कोरोना पॉजिटिव होना मतलब ऐसा कोई कलंक लगना नहीं है और कॉरिन्टाइन होना कोई अछूत होना या कलंक लगना नहीं है। कॉरिन्टाइन तो लोगों के हित के लिए है, राष्ट्र हित के लिए है जो इस रोग के उपचार का एक हिस्सा है। इसे हमें खुद भी समझना होगा और लोगों को भी समझाना होगा कि कोरोना पेशेंट्स के साथ सावधानी रखें पर उनके साथ भेदभाव या दुर्व्यवहार न करे नहीं तो हमें आये दिन ऐसे केस देखने को मिलते रहेंगे। इसलिए कोविड-19 में मेन्टल हेल्थकेयर द्वारा काउंसलिंग बहुत जरूरी है।

कोरोना रोग से ज्यादा लोगों के मन में डर और भय है जो कि सही जानकारी न होने की वजह से है। समाज में फैली हुई मिसइन्फोर्मेशन, सोशियल मीडिया, लोगों का 24 घंटे घर में रहना, अकेला रहना, खाली रहना, हर समय और हर जगह बस एक ही बात होना जिसके कारण लोग घबराहट, डिप्रेशन, पैनिक अटैक का शिकार हो रहे हैं जो कि मानव समाज के लिए ही गलत है। हमें इससे बचना चाहिये और लोगों को भी बचाना चाहिये।

## इस महामारी से बचने का सम्पूर्ण व सुरक्षित उपाय काउंसलिंग है।

जहां आप किसी से अपने मन की बात कह नहीं पा रहे हैं हर पल कोई न कोई बात आप को डरा रही है कहीं से आप को कोई भी सही समाधान आप को पता नहीं चल रही है। इसी के साथ और भी बहुत-सी बातें और परेशानी जो इस लॉकडाउन की वजह से आप के जीवन में आ गई हैं और जो कि आप सबके साथ साझा नहीं कर सकते और अगर किया भी है तो सही समाधान नहीं मिलता इन सभी बातों को आप अपने काउन्सलर के साथ साझा कर सकते हैं और वो आप की सारी समस्याओं को सुनता है, आप के मन की बात को निकालता है, और आप के जीवन में आयी बाकि समस्याओं का उचित समाधान करता है जिससे आप मानसिक रूप से आराम पाते है नहीं तो यही मानसिक उलझनें आप को न जाने कितनी बड़ी-बड़ी बीमारियों को पास ले जाती है और जिसका अंत आप के लिए और आप के स्वजनों के लिए बड़ा ही पीड़ा दायक होता है।

इसलिए आप स्वयं और जो भी आप के निकट है या जो भी ऐसी किसी समस्या से परेशान है उन्हें तुरन्त किसी काउन्सलर/चिकित्सक के पास ले जायें या उन्हें जाने की सलाह दे और लोगों को इस महामारी से बचने में उनकी और अपनी मदद करें।

इस परेशानी में काउन्सलिंग और होम्योपैथिक दवाईयां बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही है।

''इस मानसिक महामारी से निकलने के लिए लोगों को सही सलाह देकर उनकी मदद करें और राष्ट्र हित में सहयोग करें।''

■ डॉ. प्रिया कूलवाल

# श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)

87, सरतीनगर, जनपथ, श्यामनगर, जयपुर • फोन : 0141-4924112, 701074559

समय : प्रातः 8 बजे से सायं 4 बजे तक (सोमवार से शनिवार) • प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक (रविवार)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Blood Sugar 30/- | Cholesterol 30/- | Creatinine 40/- | SGOT 40/- | SGPT 40/- |
| Urine R/E 40/- | Uric Acid 50/- | Calcium 50/- | Sodium 50/- | CBC 100/- |
| Electrolytes 120/- | PSA 220/- | Hb A1C 200/- | Liver Function 200/- | Thyroid Profile 200/- |
| Lipid Profile 250/- | RFT 400/- | Vitamin B-12 400/- | ECG 60/- | Vitamin D-3 750/- |

जाँचें बहुत किफायती दरों पर की जाती हैं एवं रिपोर्ट व्हाट्सएप नं. 9645044777 से भेजी जाती हैं।
नोट : घर से सैम्पल कलेक्शन की सुविधा उचित दरों पर उपलब्ध

**Dr. VISHWAS PRABODH**
MD Radio Diagnosis
4:30 pm to 7:00 pm

**ULTRA SONOGRAPHY**
- Whole abdomen
- Obstetrics & gynaecology including Anomaly scan, color Doppler, fetal echocardiography etc.
- Limb Doppler
- Small parts (thyroid, testes, breast etc.)

**Dr. VIJAYETA SULTANIA**
Consultant Radiologist
10:00 am to 1:00 pm

**कलर सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध**


# श्री माहेश्वरी डायग्नोस्टिक सेन्टर

(श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा संचालित)


पी-10ए, सेक्टर 2, उत्सव भवन के पास, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 • फोन : 0141-2230511, 6376409567

आधुनिक मशीनों एवं उपकरणों द्वारा जाँचें

समय : प्रातः 8 बजे से सायं 8 बजे तक
(सोमवार से शनिवार)
प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक (रविवार)

सोनोग्राफी
प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सायं 4:30 बजे से 7:00 बजे

2D-ECHO प्रातः 8 से 9 बजे तक (रविवार को यह दोनों जाँचें नहीं होती)

SONOGRAPHY 300/- • DIGITAL X-RAY 150/- • 2D-EHCO 1000/- • ECG 60/-

## देहदानी

श्रीमती मूली देवी धर्मपत्नी स्व. श्री शिवभगवान जी आगीवाल के देहावसान के उपरान्त उनके पुत्र श्री पवन जी आगीवाल द्वारा पार्थिव देह को मेडिकल छात्रों के परीक्षण एवं रिसर्च हेतु JNU-IMSRC के एनोटोमी विभाग को दान कर न केवल मानव कल्यानार्थ कार्य किया है वरन् हम सभी के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस पुनीत कार्य हेतु आगीवाल परिवार को समाज की तरफ से बहुत–बहुत आभार एवं साधुवाद।

## मृत्युपरान्त देहदान संकल्प

समाज के निम्न बन्धुओं द्वारा मानव कल्याणार्थ स्वेच्छा से देहदान का संकल्प लिया गया है। मेडिकल कॉलेज के छात्रों के परीक्षण एवं रिसर्च हेतु एस.एम.एस. के 'शरीर रचना विभाग', मे इन्होंने अपना नाम भी पंजीकृत करवा लिया है। हम सभी के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करने पर समाज की तरफ से बहुत–बहुत आभार एवं साधुवाद।

श्री पवन आगीवाल

श्री प्रवीण कुमार चितलांगया

श्रीमती संतोष देवी चितलांगया

## अक्षित फोफलिया बने दिल्ली पब्लिक स्कूल के कैप्टेन

समाजसेवी श्री डी.एन. जाजू एवं साहित्य प्रेमी श्रीमती कुसुम जाजू के नाती अक्षित फोफलिया को दिल्ली पब्लिक स्कूल, बैंगलुरु (दक्षिण) का स्कूल कैप्टन चुना गया है। सत्रह वर्षीय अक्षित को एक वर्चुअल कैम्पेन में ऑनलाइन वोटिंग के द्वारा चुना गया। अक्षित मॉक यूनाइटेड नेशंस की गतिविधियों में बेहद सक्रिय है। अक्षित ने एवरेस्ट के बेस कैम्प तक की 18,000 फीट ऊँचाई का भी आरोहण किया है।

## महेश सेवा कोष

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर जरूरतमंद भाई–बहनों (विधवा बहिनों एवं वृद्धजनों) की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहा है। इसी भावना के अनुरूप महेश सेवा कोष से इन भाई–बहनों को भरण–पोषण के लिए 3500/– रुपयें प्रति माह देता आ रहा है। कोरोना वायरस से उत्पन्न विकट परिस्थितियों के कारण न चाहते हुए भी मासिक सहायता में कटौती करनी पड़ी एवं सितम्बर माह से 3500/– रूपये के स्थान पर 2500/– रुपयें ही भेजे गये।

समाज आपको विश्वास दिलाता है कि परिस्थितियाँ अनुकूल होते ही पुनः 3500/– रुपयें की राशि प्रतिमाह भिजवाई जाने लगेगी।

**गोपाल लाल मालपानी**
महामंत्री

## अधिक मास में भागवत कथा आयोजित

भगवान विष्णु अथवा श्री कृष्णा को समर्पित पुरुषोत्तम मास के लिए धर्मग्रंथों में विधान है कि इस माह तीथधामों में और मन्दिरों में जगह–जगह भागवत कथा होनी चाहिए। इस महत्त्व को आज के युग में प्रतिष्दायित करने के उद्देश्य से शुक्र सम्प्रदायाचार्य श्री श्री 1008 श्री अलबेली शरण 'माधुरी' जी महाराज की कृपा शिष्या बल्लभी राज राजेश्वरी "मोसीराम" ने जूम एप पर प्रथम भागवत कथा 28 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक जयसिंगपुर निवास श्रीमति भगवती देवी–श्री भगवान जी बियानी व पूना निवास श्रीमति अर्चना–नितिन जी बियाणी द्वारा द्वितीय कथा माहेश्वरी महिला मण्डल बेगलुरु द्वारा 7 अक्टूबर को तथा तीसरी कथा 12 अक्टूबर को झारखण्ड बिहार प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित कथाओं में भागवत ज्ञान गंगा का श्रौताओं के रसपान कराया।

समीक्षा

## अनुपम प्रस्तुति :
## मेरी मां, मेरी प्रेरक

मां बच्चे की पहली शिक्षक होती है। बच्चे के जन्म से पहले से ही वह उसके भविष्य के प्रति चिंतित हो जाती है। मां के त्याग की कल्पना नहीं की जा सकती। माता–पिता के ही चरणों में संसार है। मां के इसी महान व ममतामयी रूप को उत्कण्ठा फाउण्डेशन ने "मां" पत्रिका में संजोया है। मां पर केंद्रित इस पत्रिका में मां के विभिन्न रूपों को प्रस्तुत किया गया है।

पत्रिका में अनेक महापुरुषों की मां के बारे में प्रेरक संस्मरण दिए गए हैं। लेखकों द्वारा प्रस्तुत विविध लेखों में अनेक में ऐसे प्रसंग हैं जो अनुकरणीय हैं। प्रधान संपादक शिवरतन मोहता, चंदा मोहता, प्रबंध संपादक सत्यनारायण काबरा की कल्पना ने पत्रिका को संग्रहणीय बना दिया है। सोशल मीडिया व इंटरनेट के जमाने में ऐसे प्रयास कम ही देखने में आते हैं। **– सी.एम शारदा**

**निःशुल्क मास्क वितरण :** श्री दिनेश पुत्र श्री हनुमान प्रसाद सारड़ा (प्रमुख जवाहरात व्यवसायी) द्वारा समाज अध्यक्ष प्रदीप बाहेती की उपस्थिति में समाज के सभी कर्मचारियों को निःशुल्क मास्क वितरण करवाने पर बहुत–बहुत आभार...


ॐ कैटर्स
A Sweet shop
A unit of Om Sodhani

SHINE BRIGHT LIKE A DIAMOND !

Order These Little Diamonds Of Delight From OM CATTERS

बादाम कतली
Rs. 750/-Kg

D-2, Om Catters, Jp Colony, Tonk Phatak, Jaipur
9414358815, 9680658815

MAKE IN INDIA

PURE STONE

# TOPSTAR GRANITES

a Unit of Top Star Elect. (India) PVT. LTD.

F-596, Road No. 6, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur-302013 (Raj.)

Ph. +91 9414074924, 0141-2280720
www.topstargranites.com
sanjaytopstar@gmail.com
sales@topstargranites.com
topstareipl@gmail.com

Sanjay Kabra

---

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम

- Pension Plan
- Income Continuity Plan
- Children Marriage / Education many more attractive plan
- Loan Liability etc....
- Religare Health Insurance (Mediclaim) (Free Health Check-up Facility Available)

*Our belief create and save*

*Free Policy Servicing also Available*

Call : 9309337880

आलोक कुमार माहेश्वरी बम्बाला सेक्टर-5, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर
email: alokkumarmaheshwari@gmail.com

---

SRSP

COLOUR ROOF™

RELIABLE • DURABLE • ECONOMICAL

Colour Coated Profile Sheets

Kailash Mimani
+91- 8824118281

Harshit Mimani
+91- 8302003095

RESIDENTIAL | COMMERCIAL | INDUSTRIALS

Colour Coated Sheets | Gutters | Flashings
Corners | Ridges Crimps | Installation Accessories

Road No.9A, VKI Industrial Area, Sikar Road, Jaipur - (Raj.)

---

॥ जय श्री कृष्णा ॥

Shree KRISHNA Group

आपका विश्वास... हमारी पहचान...

भवानी माहेश्वरी (छापरवाल)
93146-51206

# जय श्री कृष्णा प्रोपर्टीज एण्ड बिल्डर्स

सी-11-बी, दाधिची नगर, खाटू श्याम मंदिर के पास, एच.टी. लाईन रोड
रोड नं. 5 के सामने, सीकर रोड, जयपुर-302039 Ph.: 8766111100
E-mail : skgroup.jaipur@gmail.com | www.shreekrishnagroupindia.com

---

*Pradeep Somani*

9352488758

NIRMIT PROPERTIES
TO-LET • SALE • PURCHASE

G-43, Dwarika Tower, Vidhyadhar Nagar, Jaipur
E-mail : nirmit.opticians@gmail.com

NIRMIT OPTICIANS

20% Discount

---

Madho Bihari Kabra
+91-9314800716

# K.K. MEDICOS

*Special Discount for Maheshwari Samaj Members*

OPP. ZANANA HOSPITAL, STATION ROAD, JAIPUR
Tel.: (S) 4919968, 2365229, Mob.: 8890905769

---

Mukesh Baheti +91 98290 48022

*Give A Missed Call on*

02261883537

*& Get an Exclusive Offer*

BAHETI OPTICIAN

A-13, Mall Road, Sector-1,
Vidhyadhar Nagar,
Jaipur-13 M : 9929076022

15%

---

Bring your dream wedding to life at a dream destination!
We make the best of your day only at *SODHANI FARMS.*

*Happy Diwali*

From All Of Us At Sodhani Farms

1 km Straight From Chokhi Dhani, Main Tonk Road
Contact: 9414358815, 9351758815

# प्रदेशवासियों को नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

## अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

### सोचिए...चिंतन कीजिए...मनन कीजिए...

**क्या हम समाज की प्रगति एवं उन्नति का हिस्सा नहीं बनना चाहते ?**

**क्या हमारे पास मोबाइल फोन नहीं है ?**

**क्या हमारे पास समाज के लिए केवल 5 मिनट का समय भी नहीं है ?**

अगर इन सब सवालों का जवाब नहीं है तो फिर क्यों नहीं हम अपने फोन पर प्ले स्टोर या एपल स्टोर पर जाकर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के एबीएमएम संपर्क एप के माध्यम से अपने परिवार की जानकारी प्रदान नहीं करते ऐसा करने से समाज की शीर्षस्थ संस्था के पास वह सब जानकारी होगी जिससे-

1. समाज के जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी।
2. समाज के दुर्बल परिवार को उन्हें अपनी छत प्रदान करने की योजना को लागू करने में सहायता मिलेगी।
3. घर बैठे अपने परिवार के युवा युवती हेतु योग्य जीवनसाथी का चयन सुगम होगा।
4. अपने उद्योग व्यापार एवं पोषण प्रोफेशन से संबंधित समाज बंधुओं से संपर्क बढ़ेगा।
5. अपने उद्योग, व्यापार, प्रोफेशन में कार्य करने योग्य समाज बंधुओं के चयन में मदद होगी।
6. अनेक नए स्टार्टअप्स की वेंचर फंडिंग हो सकेगी।
7. समाज के होनहार बच्चों को शिक्षा हेतु आर्थिक सहयोग रोजगार हेतु मार्गदर्शन एवं आर्थिक संबल प्राप्त हो सकेगा।
8. युवाओं को देशभर में समाज के विभिन्न संस्थानों द्वारा स्थापित हॉस्टल में प्राथमिकता से जगह मिल सकेगी।
9. समाज के सभी परिवारों को ग्रुप बीमा का, मेडिक्लेम का लाभ मिल सकेगा।

Click Live Link given below to download Mobile app ABMM Sampark

For Android phone | For Apple phone

**तो आइए हम भी इस सामाजिक यज्ञ में अपनी आहुति अवश्य देवें।**

निवेदक

| श्याम सोनी | संदीप काबरा | सीए आर एल काबरा | अजय काबरा |
|---|---|---|---|
| सभापति | महामंत्री | अर्थमंत्री | संगठन मंत्री |
| 98223 69996 | 98281 08017 | 98201 31345 | 98390 49109 |

किसी भी तरह की समस्या के समाधान हेतु आप उपरोक्त नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

## माहेश्वरी आवास योजना

हर परिवार का सपना "सर पे छत हो अपना"

### समाज हित में महासभा की योजना की जानकारी

अर्हताएं :

- ★ आवेदक परिवार की वार्षिक आय तीन लाख रूपये तक हो।
- ★ परिवार का स्वयं का अपना मकान नहीं हो व किराये के मकान में रहते हो।
- ★ क्रय किये जाने वाले मकान अथवा फ्लैट पर बैंक से लोन व प्रधानमंत्री योजना की सब्सिडी उपलब्ध हो।
- ★ स्थानीय माहेश्वरी संगठन का सदस्य हो व महासभा (ABMM Sampark) की सामाजिक आईडी बनी हो। (जिनकी आईडी नहीं है वे मोबाइल अप्प ABMM Sampark डाउनलोड कर बनावें)।
- ★ अखिलभारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा अनुमोदन होने पर लोन की किश्त शुरू होने पर 2000 रूपये प्रतिमाह का आगामी 60 माह तक आर्थिक सहयोग आगामी पांच वर्षो तक मिल सकेगा।

उदाहरण:-

- ★ लागत (रजिस्ट्री खर्च सहित) 16.00 लाख
- ★ प्रधानमंत्री योजना सब्सिडी (-) 2.50 लाख
- ★ स्वयं का योगदान (-) 2.50 लाख
- ★ बैंक से लोन (-) 11.00 लाख

मासिक किश्त

- ★ बैंक लोन की मासिक किश्त 10000/- रू.
- ★ महासभा व सामाजिक सहयोग (-) 2000/- रू.
- ★ स्वयं द्वारा देय मासिक किश्त 8000/- रू.

## अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा

**द्वारा समाजहित में संचालित ट्रस्ट**

Visit : www.maheshwarimahasabha.org

माहेश्वरी महासभा भवन, आग्याराम देवी मंदिर रोड, एस.टी. स्टैंड चौक, गणेश पेठ, नागपुर-440018 ★ फोन : 0712-2736625, 2734205

**श्रीकृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट**
1, मेन सेक्टर, शास्त्री नगर, भीलवाड़ा-311001 (राज.) मो. 9166802694
E-mail : abmm@sangamgroup.com
विधवा व निराधार महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता।

**श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र**
समाज बंधुओं को अपना निजी व्यवसाय प्रारंभ करने हेतु
50,000 से 2,00,000 रूपये तक ऋण सहायता।

**श्री रामगोपाल माहेश्वरी स्मृति शिक्षा केन्द्र**
उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति के रूप में सहयोग।

**बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केन्द्र**
1, मेन सेक्टर, शास्त्री नगर, भीलवाड़ा-311001 (राज.) मो. 9414302606
तकनीकी शिक्षा हेतु बैंकों से लिये गए ऋण पर ब्याज सहायता,
व्यावसायिक शिक्षा, स्नातक स्नातकोत्तर शिक्षा,
प्रशासनिक सेवा अध्ययन एवं विदेश में अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति।

**श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेअर सोसाइटी**
गंभीर बीमारी में आर्थिक सहायता

**माहेश्वरी सर्वांगीण विकास योजना**
असहाय वृद्ध तथा विकलांग समाज बंधुओं को आर्थिक सहायता

**अ.भा. माहेश्वरी एज्युकेशनल एण्ड चेरिटेबल ट्रस्ट**
भारतवर्ष में विभिन्न स्थानों पर छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास सुविधा
(कोटा, पुणे, मुम्बई, भिलाई, दिल्ली, इन्दौर)

**श्री कोठारी बन्धु शौर्य स्मृति ट्रस्ट, वाराणसी**
साहसिक कार्य करने वाले समाजजनों को पुरस्कृत करना।

**ए.बी.एम.एम. माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन**
(आकस्मिक आपदा सहायता हेतु)

**ए.बी.एम.एम. महेश भगवती बल्दवा एज्युकेशनल फाउंडेशन**
(प्री-प्रायमरी तथा प्रायमरी स्कूल सहायता हेतु)

**श्रीमती बसंतीबाई लक्ष्मीनारायणजी चांडक चेरिटेबल रिसर्च फाउंडेशन, अकोला**
(दो लाख से कम वार्षिक आय वाले माहेश्वरी परिवार के मरीजों को डायलिसिस सुविधा निःशुल्क)

**माँ रत्नीदेवी काबरा माहेश्वरी महिला सशक्तिकरण ट्रस्ट**
(भविष्य में महिला सशक्तिकरण एवं उन्हें रोजगारोन्मुख कार्यों के विकास के लिए)

**मोहिनीदेवी चुन्नीलाल सोमानी ए.बी.एम.एम. फाउंडेशन**
(प्री-प्रायमरी एवं प्रायमरी शिक्षा सहायता के लिए)

### सहायता एवं सहयोग के लिए सम्पर्क सूत्र :

| महासभा | प्रदेश सभा | जिला सभा |
|---|---|---|
| कैलाश सोनी<br>संयुक्त मंत्री (पश्चिमांचल)<br>94140-52337 | मधुसूदन बिहाणी<br>प्रदेश अध्यक्ष<br>88901-40000 | नवल किशोर झंवर<br>जिला अध्यक्ष<br>99283-34010 |
| जुगल किशोर सोमाणी<br>संयोजक-बांगड़ मेडिकल<br>93145 21649 | रामअवतार आगीवाल<br>प्रदेश मंत्री<br>94133-41614 | सुरेन्द्र बजाज<br>जिला मंत्री<br>98290-26427 |

तहसील / क्षेत्रीय माहेश्वरी सभाएँ

| | | |
|---|---|---|
| ओमप्रकाश मांधना<br>अध्यक्ष-परकोटा<br>94140-79995 | भवानी छापरवाल<br>अध्यक्ष-झोटवाड़ा<br>93146-51206 | महेश चांडक<br>अध्यक्ष-सोडाला<br>98290-52440 |
| अनिल अत्तार<br>मंत्री-परकोटा<br>94140-77165 | संदीप झंवर<br>मंत्री-झोटवाड़ा<br>93141-77799 | रमेश भैया<br>मंत्री-सोडाला<br>99820-82160 |
| रमेश सोढानी<br>अध्यक्ष-टोंक फाटक<br>94629-51957 | भंवरलाल कालानी<br>अध्यक्ष-तह. सभा फुलेरा<br>94148-44588 | कमल कुमार खटोड़<br>अध्यक्ष-तह. सभा चौमू<br>98291-28335 |
| लक्ष्मीकांत तोतला<br>मंत्री-टोंक फाटक<br>93526-79202 | ललित मांधना<br>मंत्री-तह. सभा फुलेरा<br>92143-17531 | राजेश माहेश्वरी<br>मंत्री-तह. सभा चौमू<br>98291-88794 |

# BIHANI ORTHO-SPINE CLINIC

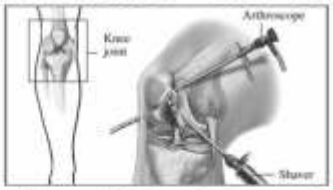

## डॉ. मोहित बिहाणी

स्पाइन, हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

( स्विट्ज़रलैण्ड, जर्मनी, आंध्रप्रदेश व चंडीगढ़ से प्रशिक्षित )

MBBS, DNB (Ortho), MNAMS Ortho-Spine Surgeon

9950082342, 9664265165




**निम्न लक्षणों वाले रोगियों के लिये परामर्श**

- कमर दर्द
- गर्दन दर्द
- रीढ़ की हड्डी के फ्रेक्चर
- रीढ़ की हड्डी में कूब
- कंधे व बॉह में दर्द या झनझनाहट
- साईटिका, स्लिप डिस्क
- स्पाइन टीबी
- सरवाईकल स्पॉंडिलोसिस
- कमर के निचले हिस्से से एक या दोनों पैरों में दर्द या सुन्नपन (झनझनाहट)

*Visiting hours : 9 A.M. to 1 P.M.*

**All Patients visiting our clinic are advised to wear a mask, carry hand sanitizers, download & install "Arogya Setu App" and follow social distancing norms at clinic.**

**Fix an appointment before visiting only if it is urgent to consult.**

**सभी प्रकार के Empanellment द्वारा ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध**

## SPINE SURGERY

- **KEY HOLE Surgery**
- **MINIMALLY INVASIVE** (सूक्ष्म चीरे से)
- **ENDOSCOPIC DISCECTOMY**
- **INJECTION TECHNIQUE For SLIP DISC (Sciatica Pain Management)** (बिना चीरफाड़ के)

## Surgery Facilities for

- **Complex Trauma Surgery**
- **Fracture Surgeries**
- **Joint Replacement**
- **Arthroscopy** (दूरबीन द्वारा लिगामेन्ट रिपेयर)
- **Hand Surgery**
- **Shoulder Surgery**

**G-33-34 Vijaylaxmi Tower, Central Spine, Vidhyadhar Nagar, Sector-6, Near Dana Pani Restaaurant, Jaipur**

**Shastri Nagar Branch : A-33, Shastri Nagar, Jaipur**

**Near Technology Park, Shipra Path, Mansarovar, Jaipur-302020**

0141-2780970/71/72/74 +91 9664265165, +91 9950082342

।। श्री महेश्वराय नमः ।।

# जयपुर जिला माहेश्वरी सभा समिति

(पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा से सम्बद्ध)

## दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री नवल किशोर झंवर
अध्यक्ष
99283 34010

श्री मोतीचन्द कचोलिया
उपाध्यक्ष
98290 52385

श्री कन्हैयालाल छापरवाल
उपाध्यक्ष
98292 77283

श्री विनोद खटोड़ (चौपू)
उपाध्यक्ष
94145 22987

श्री सुरेन्द्र बजाज
मंत्री
98290 26427

श्री महेश गोविन्द परवाल
अर्थ मंत्री
93145 01952

श्री गोपाल तामड़ी
संयुक्त मंत्री
86191 11747

श्री गिरधर भाला (टूटू)
संयुक्त मंत्री
94144 09230

श्री बृजेश कुमार लढ्ढा
संयुक्त मंत्री
98290 31100

श्री पवन बजाज (पुरानीपुरा)
संगठन मंत्री
98875 50040

श्री अजय सारडा
प्रचार मंत्री
93515 55333

## क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा–झोटवाड़ा, जयपुर

(जयपुर जिला माहेश्वरी सभा समिति से सम्बद्ध)

(सत्र 2019-2022)

भवानी छापरवाल (जय श्री कृष्णा वाले)
अध्यक्ष
93146 51206

### दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

संदीप झंवर
मंत्री
93141 77799

एवं समस्त कार्यसमिति सदस्य
क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा-झोटवाड़ा, जयपुर

## क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा–टोंक फाटक, जयपुर

(जयपुर जिला माहेश्वरी सभा समिति से सम्बद्ध)

(सत्र 2019-2022)

रमेश सोढ़ाणी
अध्यक्ष
99280 87739

### दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

लक्ष्मीकांत तोतला
मंत्री
93526 79202

एवं समस्त कार्यसमिति सदस्य
क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा-टोंक फाटक, जयपुर

## क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा–सोडाला, जयपुर

(जयपुर जिला माहेश्वरी सभा समिति से सम्बद्ध)

(सत्र 2019-2022)

महेश चांडक
अध्यक्ष
98290 52440

### दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

रमेश कुमार मैप्या
मंत्री
99820 82160

पदाधिकारी एवं समस्त कार्यसमिति सदस्य
क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा-सोडाला, जयपुर

**पूर्व अध्यक्ष**
बजरंग लाल बाहेती – 9829079200
नवल किशोर झंवर – 9928334010

**उपाध्यक्ष**
सत्यनारायण मोदानी – 9414074134
गोपाल मूंदड़ा – 9829052702

**सयुक्त मंत्री**
जयप्रकाश लढ्ढा – 9829008705
द्वारका प्रसाद बिड़ला – 9414304036

**कोषाध्यक्ष**
रमेश चन्द भुराड़िया – 9414061455

**संगठन मंत्री**
ओम प्रकाश काबरा – 9828238030

**कार्यसमिति सदस्यगण**
अशोक पचीसिया – 9829015813
बृजमोहन मूंदड़ा – 9829600434
हरीश डागा – 9829460008
राधेश्याम काबरा – 9414068744
राजेन्द्र मूंधड़ा (सोडाला) – 8233820333
राजेश जैथलिया – 9414207745
राजेश मालपानी – 9414455030
रमेश सोमानी – 8209387441
राज के. सोमानी – 9460949889
श्याम सुन्दर डागा – 9314803858
शंकर लाल लढ्ढा – 9414071813
सुभाष काबरा – 9352042057
विजय नोवाल – 9351207201


ॐ कैटर्स
A Sweet shop
A unit of Om Sodhani

किसी भी तरह का छोटा या बड़ा समारोह हो , घर में या बाहर , उन सभी मांगलिक कार्यों के लिए हम लाए है उत्तम खाने की व्यवस्था बेस्ट क्वालिटी के वादे के साथ !

पूडी , चपाती , आलू सब्जी , पनीर सब्जी , मिर्ची टिपोरा , दही बड़ा , झर के भुजिया व अन्य सब्जियां

ऑर्डर करने के मात्र 1 घंटे में सब्जियां व पूड़ी तैयार मिलती है, फ्री डिलीवरी के साथ

Contact : Mr Om Sodhani 9414358815, 9680658815
D-2, Om Catters, Jp Colony, Tonk Phatak, Jaipur

Deepak Bhandari
+91-9829051091
+91-9460951091

**Satkaar** Event & Decorators — WE CREATE MEMORIES

**Satkaar** Caterers — WE CREATE MEMORIES

Rahul Jajoo
+91-9828112085

*Your Trust & Safety is Our Responsibility*

*Service Available*

Wedding Planner & Event Management (Sangeet, Birthday Parties, Get Togethers)
Outdoor Food Catering, Online Sweets & Food Service's

*Sweets Packet Available On Diwali*

**Off. Add.** :- 1156, Nirwan Marg, Jhotwara Road, Jaipur • Ph.: 0141-2282229
**Workshop Add.** :- 21, Dayal Nagar, Gopalpura Bypass, Jaipur
e-mail : rahul@satkaarevents.com • Web. : www.satkaarevents.com

---

Shades SKIN & HAIR CARE
AMBABARI

# NOW IN AMBABARI

**25% DISCOUNT FOR MAHESHWARI'S**

**Manish : 9928887072**

Add.: C-55, Shubh Laxmi, Above AU Bank, Near Maharishi Arvind College, Ambabari, Jaipur-302039

---

Manoj Kumar Maheshwari (Tawri)
9521739663
Bhavya Tawri
9119133492

# BHAVYASH ENGINEERS & CONTRACTORS

Architectural & Structural work, Interior, Vastu Consultancy, Township Planning, Demarcation, Landscape work, Land Survey, Construction & Elevation 3-D work.

manoj.bhavyash2171@gmail.com • construction.bhavyash2171@gmail.com

Main office : 144, Priya Vihar, Govindpura, Kalwar Road to Niwaru Link Road, Jaipur - 302012 (Rajasthan) India
Branch Off.: JAI Shree Krishna Properties, C-11-B, Dadhichi Nagar, HT Line Road, Opp. Road No. 5, Sikar Road, Jaipur

---

गुरु कृपा

# मालपानी मैरिज ब्यूरो

समाज में वैवाहिक सम्बन्ध करवाने का 15 वर्षों का अनुभव

ऑल इण्डिया विवाह योग्य
लड़के–लड़कियों हेतु सम्पर्क करें
तलाकशुदा (विधुर व विधवा) भी मिलें

**राजेन्द्र मालपानी : 6377275813**

304, वैशाली नगर, जयपुर

राजेन्द्र मालपानी : 8387064577 (व्हाट्सएप) अन्जू मालपानी : 8946939394 (व्हाट्सएप)

---

# जयश्री राधे-कृष्णा पोशाक केन्द्र

ठाकुरजी की आकर्षक पोशाक, श्रृंगार सामग्री एवं बन्दनवार हर समय उपलब्ध

शकुन्तला देवी माहेश्वरी (टावरी)
निधि माहेश्वरी मो. 9269478475

**Plot No.20, Kalyan Colony, Sikar House, Jaipur, Raj.-16**
email : nidhimaheshwari1100@gmail.com

---

Sparklez Creating An Aura

Sharad Bagree
+91-9269099995
+91-9214145888

*Weddings | Corporate | Photography*
*Catering | Birthday | Anniversary*
*Baby Shower & All Type of events*

Registered in Utsav Maheshwari Bhawan

**Address** : F-255, Priyadarshini Marg, Shyam Nagar, Jaipur
E-mail : sparklezaura@gmail.com | https://m.facebook/sparklezjaipur/

---

ॐ कैटर्स
A Sweet shop
A unit of Om Sodhani

इस दीवाली लगाएं भोग
माता लक्ष्मी के,
स्वादिष्ट गुलाब सकरी
का !

**ORDER NOW !**

# गुलाब सकरी

**Rs. 600/-Thaal**



**D-2, Om Catters, Jp Colony, Tonk Phatak, Jaipur**
**9414358815, 9680658815**

# "उत्सव"

## श्री माहेश्वरी समाज जनोपयोगी भवन

(अन्तर्गत : श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर)

पी–10, सेक्टर 2, विद्याधर नगर, जयपुर

फोन नं. 0141–2236743–44

Website : www.utsavjaipur.in | E-mail : utsavjaipur@yahoo.com

### किट्टी व बर्थ डे पार्टी एवं अन्य आयोजनों के लिये रियायती दरों पर बैंक्वेट हॉल

**Block-A**

- ★ 1000 व्यक्तियों के लिए सुसज्जित ए.सी. बैंक्वेट हॉल
- ★ 40 सुसज्जित ए.सी. रूम एवं 4 ए.सी. डोरमेट्री
- ★ डायनिंग हॉल व इक्विप्ड रसोई घर
- ★ शादी समारोह व भोजन व्यवस्था के लिए उपयुक्त लॉन
- ★ दो पैसेन्जर एवं एक लोडिंग लिफ्ट

**Block-B**

- ★ 200 व्यक्तियों के लिए सुसज्जित ए.सी. बैंक्वेट हॉल
- ★ 11 सुसज्जित ए.सी. रूम ★ रसोईघर व पूजा घर
- ★ पैसेन्जर लिफ्ट

**अग्रिम बुकिंग का समय**

**प्रातः 9:00 बजे से सायं 6:30 बजे तक**

- ★ सभी शुभ कार्यक्रमों के लिये देवउठनी एकादशी दिनांक 24.11.2020 तक किराया राशि में 50% छूट।
- ★ माहेश्वरी बंधुओं एवं अन्य परिवारों के सभी शुभ कार्यक्रमों के लिए अग्रिम बुकिंग खुली हुई है, किराया राशि में 50% छूट का लाभ उठावें।
- ★ यूनिट III व IV में कमरों, मिनी हॉल, डाईनिंग हॉल व किचन की बुकिंग अलग-अलग भी की जा सकती है।
- ★ यूनिट III व IV में मिनी हॉल के लिए किराया राशि रूपये 5000/- के स्थान पर रूपये 3000/-, डाईनिंग हॉल के लिए रूपये 1500/- व किचन के लिये रूपये 1500/-, मिनी हॉल में खाना रखने के लिये जाने वाले चार्ज रूपये 3000/- की 100% छूट।
- ★ यूनिट II मुख्य हॉल में खाना रखने पर लिये जाने वाले चार्ज को माहेश्वरी बंधुओं के अतिरिक्त अन्य के लिये रूपये 10000/- की 100% छूट।
- ★ माहेश्वरी परिवारों को बर्तन भण्डार, कुर्सी, सोफा, कार्पेट, इनबिल्ट म्यूजिक सिस्टम व डीप फ्रीज के किराये में 50% की छूट।
- ★ माहेश्वरी परिवारों को धार्मिक आयोजनों हेतु एसी हॉल (भूतल) सहित 4 दिन या उससे अधिक दिनों के लिये आरक्षण करवाने पर 60% की छूट।

लगभग 70 व्यक्तियों की पार्टी के लिये हॉल, 50 कुर्सी, 6 टेबल मात्र रु. 2500/- में (विद्युत खर्च अतिरिक्त) : 6 घण्टे के लिये

**मनोहर लाल सारड़ा**
चेयरमैन

**विनोद कुमार तोतला**
सचिव

श्री कृष्णः शरणम् ममः।।

# श्रीमती प्रेमलता चौधरी

जन्म : 15 दिसम्बर 1955 निर्वाण : 9 जून 2020

*जीवन शाश्वत है, 'प्रेम' अमर है।*

दिव्यात्मा को प्रभु अपने श्री चरणों में स्थान दें।

श्रद्धानवत

बिट्ठल माहेश्वरी, निखिल माहेश्वरी, नितिन माहेश्वरी

## बिट्ठल ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन (BTC)

पितलियों का चौक, जौहरी बाजार, जयपुर-302003

फोन नं. : 0141-2724432, मो. 98280 73247, 98281 48058

email : jaipurbtc@gmail.com

## एक अद्भुत मिसाल

सांभर के बेटे सांभर के लाल थे वो,
प्यार और खुशमिजाजी की मिसाल थे वो,
परिवारजनों के लिए पापाजी, समाज वालों के लिए
श्री के.सी कालानी थे वो,
और हरजी कालानी के नाम से विख्यात थे वो।

अंत समय तक सदा रहा सांभर का हित उनके मन में,
सामाजिक, आर्थिक या राजनैतिक सभी प्रकार से सांभर
समाज का मार्गदर्शन किया जीवन में ।

आत्म अनुशासन के साथ जिन्दादिली के दृष्टांत थे वो,
मित्रगण और परिजनों के अपरंपार स्नेह के वृत्तांत थे वो।

कभी न ओझल होने वाली हँसी के धनी थे वो,
हस्त रूपी परिवार की तर्जनी थे वो।

आज समस्त परिवार एक विशाल वृक्ष की तरह मजबूत खड़ा है,
समय कैसा भी रहा हर आंधी तूफान से लड़ा है ।
इसका श्रेय पूर्णत: परिवार के मुखिया पापाजी को है जाता,
हम सबकी यादों का हर एक पन्ना यही सत्य है बतलाता ।

रुद्राक्ष की माला सा सब रिश्तों को पिरोए हुए,
ना कोई हो जुदा कभी ये दुआ किए हुए,
अपनों की मुस्कान को सर्वोपरि मानते हुए,
वो हर संघर्ष से हँसते हुए ल ते गए।

परिवार रूपी बगिया को सदा महकाया जैसे हो चमन,
इसके लिए समस्त कालानी परिवार का उनको शत-शत नमन।

थे वो बहुत ही मिलनसार,
देश-प्रदेश से मिलने आते थे उनसे सुधीजन बारम्बार ।
थे वो जैसे दोस्तों का दिल,
दूर कर देते थे उनकी हर एक मुश्किल।

हमने अपने बचपन में पापाजी को ही ज्यादा देखा,
उन्होंने हमें जन्म तो नहीं दिया पर सोचा तो हमें उन्होंने ही
और हमने उन्हीं से सब सीखा,
हमारा साहस हमारा सम्मान थे वो,
हमारी हिम्मत हमारी पहचान थे वो ।

पापाजी को बारंबार प्रणाम

तनुश्री गट्टाणी
उदयपुर

## मन, वचन और कर्म से 'तेरा तुझको अर्पण' की भावना की प्रतिमूर्ति

# श्री कैलाश चन्द कालानी

ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक नगर सांभर लेक के समर्पित समाजसेवी एवं धर्मानुरागी श्री कैलाश चन्द जी कालानी सांभर के यशस्वी सपूत एवं 'बाबूजी' के नाम से विख्यात स्व. श्री रामदेवजी कालानी के सुपुत्र थे।

आपका जन्म 7 अक्टूबर 1936 को हुआ एवं संघर्ष से सफलता की यात्रा तय करते हुए तथा मानव जीवन की सार्थकता सिद्ध करते हुए 85वें वर्ष में प्रवेश के आठ दिन पूर्व 29 सितम्बर 2020 को आपकी पावन दिव्यात्मा प्रभु के धाम पधार गयी।

विरासत में मिले समाज सेवा के संस्कार से आपने जनहित को ही अपने जीवन का ध्येय बना लिया था। सांभर नगर की सभी सामाजिक, धार्मिक एवं रचनात्मक संस्थाओं से आपका गहरा जुड़ाव था। किसी भी संस्था का कोई भी प्रकल्प हो, आप पूरे मन से, पूरी निष्ठा से अपनी सहभागिता हेतु सदैव तत्पर रहते थे। श्री गोपाल गौशाला, सांभर लेक के माध्यम से गौमाता की सेवा कर आप प्रसन्नता का अनुभव करते थे; आपकी प्रेरणा से परिवार के सभी सदस्य गौमाता की सेवा को अपना अहोभाग्य मानते हैं। आपका कहना था कि घर में गाय पालन तो अब संभव नहीं है अत: गौशाला के संचालन में सहयोगी बनना हम सभी का पावन धर्म है जिसे पूरी निष्ठा से निभाना चाहिये।

श्री माहेश्वरी पंचायत, सांभर लेक के अध्यक्ष रहे श्री कैलाश चन्द जी कालानी सरलता, सादगी एवं अपनत्व भाव की प्रतिमूर्ति थे। आप स्पष्टवादी थे पर आपका मन साफ रहता था। आपका मानना था कि सबके चिंतन का नजरिया अलग-अलग होता है अत: विचारों में भिन्नता स्वाभाविक है। परिवार एवं समाज में सबको अपनी बात कहने की स्वतंत्रता होनी चाहिये। हर विषय पर चर्चा एवं मंथन के बाद आपसी सहमति से जो भी निर्णय लिया जाए उसका पालन सर्वहितकारी होता है। परिवार, संस्था या समाज प्रगति पथ पर तभी बढ़ पाते हैं जब कलह, कलुषता एवं मतभेद के स्थान पर सहयोग, समन्वय एवं सामंजस्य की भावना रहती है। सबके सकारात्मक दृष्टिकोण से ही मन में उमंग एवं उल्लास का संचार होता है।

आप मन-वचन एवं कर्म से "**तेरा तुझको अर्पण**" की भावना की जीवंत मिसाल थे। आपका मानना था कि आज हम जीवन के जिस भी मुकाम पर हैं वहां तक पहुंचने में प्रभुकृपा के साथ ही अनेक का प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष सहयोग, सद्भावना एवं शुभकामनाएं हैं अत: जनहित की भावना से मानव मात्र के कल्याण हेतु हर संभव योगदान देना हमारा दायित्व है। इस भावना के पक्षधर कालानी जी हर जरूरतमंद की सेवा एवं सहयोग को अपना धर्म मानते थे।

बच्चे-बड़े एवं युवा हर आयु वर्ग से आप आत्मीय लगाव रखते थे। सबके साथ रम जाते थे आप। आपका स्नेह एवं साहचर्य सबको अच्छा लगता था। युवाशक्ति की प्रतिभा एवं क्षमता के प्रशंसक कालानी जी युवावर्ग को आगे बढ़ाने हेतु निरन्तर प्रेरित करते रहते थे।

आपकी जीवन शैली में प्रतिदिन प्रात: 3.30 बजे उठकर लगातार 3 घंटे भगवान शिवजी की आराधना करने का नियम था। परिवार के सदस्यों को भी आपसे शिव भक्ति की प्रेरणा मिली हुई है।

अपने ज्येष्ठ पुत्र **श्री राजेश कालानी** के असामयिक बैकुण्ठवास पर उनकी पावन स्मृति में आपने "**राजेश कालानी फाउण्डेशन**" के माध्यम से शिक्षा एवं चिकित्सा क्षेत्र में जन सेवा के नये आयाम स्थापित किये हैं एवं इस अभियान की निरन्तरता के लिये कालानी परिवार प्रतिबद्ध है।

आपके कनिष्ठ पुत्र **श्री सुरेश कालानी** ने आपकी प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में सेवा के प्रति समर्पण के पारिवारिक संस्कारों को पूरे मन से आत्मसात कर लिया है। अपनी जन्मभूमि के साथ ही सर्व समाज की सामाजिक, धार्मिक एवं रचनात्मक संस्थाओं से भी गहरा जुड़ाव रखते हुए आप मानव मात्र के कल्याण हेतु सेवा भाव से सदैव समर्पित रहते हैं। वर्तमान विपरीत परिस्थितियों में भी जन-जन के ज्ञानार्जन एवं मनोबल में अभिवृद्धि हेतु आपने अनेक कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किये हैं।

श्री कैलाश चन्द जी कालानी अब भौतिक स्वरूप में हमारे बीच नहीं हैं पर उनके बहुआयामी व्यक्तित्व के विशिष्ट गुण, उनका सेवाभाव, उनकी आत्मीयता एवं उदारता सदैव हमारा पथ-प्रशस्त करती रहेगी। जनहित के कार्यों में हमारा सतत् समर्पण ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उनके जीवन आदर्श हमारे लिये सदैव प्रेरणास्रोत हैं।

# स्मृतिशेष स्वजनों को श्रद्धांजलि एवं श्रद्धासुमन

विगत दिनों हमारे समाज के कुछ बंधु/बहनें हमसे बिछुड़ गए। समाज अध्यक्ष, महामंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्यों की ओर से उनके शोक संतप्त परिवारों को हार्दिक संवेदनाऐं प्रेषित हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिव्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दे।

श्रीमती मुन्नीदेवी अग्रवाल
15.09.2020

श्री लालचन्द सोनी
16.09.2020

श्री रामगोपाल मन्धना
21.09.2020

श्री गिरिराज प्रसाद मांडानी
21.09.2020

श्रीमती मेनूका देवी धिरानी
22.09.2020

श्री सुधीर सोढ़ानी
24.09.2020

श्री बनवारी कचौलिया
27.09.2020

श्री मोहन लाल झंवर
27.09.2020

श्री कैलाश चन्द कालानी
29.09.2020

श्रीमती धापूबाई जाँगलिया
29.09.2020

श्री सतीश काबरा
29.09.2020

श्रीमती जमना देवी काबरा
29.09.2020

श्री रामगोपाल लड्ढा
29.09.2020

श्रीमती कमला देवी मंत्री
30.09.2020

श्री मोहन लाल सोमानी
01.10.2020

श्रीमती श्यामा देवी कांकाणी
01.10.2020

श्रीमती शान्ति देवी कचोलिया
05.10.2020

श्रीमती प्रमिला देवी लखोटिया
06.10.2020

श्री परसराम कचोलिया
06.10.2020

श्री जय किशन चाण्डक (महेश्वरी)
06.10.2020

श्रीमती शकुन्तला देवी लड्ढ
08.10.2020

श्री रामस्वरूप मालपाणी
09.10.2020

श्री समरेश मालपाणी
09.10.2020

श्रीमती सोहनी देवी लड्ढा
12.10.2020


KDRC
KAMAL DIAGNOSTIC & RESEARCH CENTRE
JAIPUR

# कमल डाइग्नोस्टिक एवं रिसर्च सेन्टर

O-5, हॉस्पिटल मार्ग, एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001

फोन : 0141-6452922, 2374777, 4039727

सुविधाएँ

★ M.R.I. 1-5 Tesla ★ सी.टी. स्केन

★ सोनोग्राफी (3D/4D) ★ कलर डॉपलर ★ डिजिटल एक्सरे

★ ईको ★ ई.सी.जी. ★ ई.ई.जी. ★ सी.टी.एम.टी. ★ एन.सी.वी. ★ बायोप्सी ★ एफ.एन.ए.सी. ★ ऑडियोमेट्री

एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध

सभी प्रकार के बायोकेमिकल, हेमटोलोजिकल लेबोरेटरी टेस्ट की सुविधा

डॉ. कमल अग्रवाल
98291-59029

निर्मल मूंदड़ा
98290-50202

डॉ. गौतम शर्मा
94140-74005

माहेश्वरी बंधुओं के लिये विशेष रियायत

## श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर

### जनोपयोगी भवन

# ''अभिनन्दन''

कृष्णा सागर कॉलोनी, पत्रकार कॉलोनी रोड
वी.टी. रोड के सामने, मानसरोवर, जयपुर-302020

सम्पर्क : फोन : 0141-2980658-60, मो.: 7414038883

**अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न**

- 70 कमरे (8 डॉरमेट्री सहित)
- भव्य बैंक्वेट हॉल (105'x 78'-डबल हाइट)
- मुख्य डायनिंग हॉल (ग्राउंड फ्लोर पर)
- 2 मिनी बैंक्वेट हॉल, 2 डायनिंग हॉल
- 4 किचन (2 बड़े व 2 छोटे)
- 2 पैसेंजर लिफ्ट, 1 लगेज लिफ्ट

★सम्पूर्ण 'अभिनन्दन' भवन का किराया 1,68,000/- रु. प्रतिदिन + जीएसटी

ग्राउण्ड फ्लोर : डायनिंग हॉल, लॉन व किचन
द्वितीय तल : 22 कमरे (4 डॉरमेट्री सहित)
चतुर्थ तल : 13 कमरे, 1 मिनी हॉल, 1 डायनिंग हॉल, किचन

प्रथम तल : मुख्य बैंक्वेट हॉल (डबल हाइट)
तृतीय तल : 13 कमरे, 1 मिनी हॉल, 1 डायनिंग हॉल, किचन
पंचम तल : 22 कमरे (4 डॉरमेट्री सहित)

भवन में सभी मांगलिक कार्यक्रमों के लिए दिनांक 20.11.2020 तक किराया राशि में विशेष छूट:-

1. माहेश्वरी एवं अन्य समाज बन्धुओं के मांगलिक व धार्मिक कार्यक्रमों के लिए भवन किराया राशि में 50 प्रतिशत की छूट।
2. Unit-I (Ground Floor) एवं Unit-II (Banquet Hall) की बुकिंग एक साथ करवाने पर किराया मात्र 30,000/- रुपये।
3. Unit-IV व Unit-V का किराया मात्र 13,000/- प्रति यूनिट व Mini Hall में भोजन व्यवस्था करने पर 5000/- रुपये के स्थान पर 3000/- रुपये अतिरिक्त देय होगा।
4. माहेश्वरी परिवारों को बर्तन भण्डार, कुर्सी, कारपेट एवं डीप फ्रीज के किराये में 50 प्रतिशत की छूट।

| प्रदीप बाहेती | गोपाल लाल मालपानी | बजरंग लाल बाहेती | बिहारी लाल साबू |
|---|---|---|---|
| अध्यक्ष | महामंत्री | चेयरमैन | सचिव |
| 98290 55050 | 99823 33103 | 98290 79200 | 98290 11181 |
| श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर | | अभिनन्दन (जनोपयोगी भवन) | |

# RDB CITY MAHESH VATIKA (Phase-1)

RDB GROUP

Rera No. : RAJ/P/2020/1316

*Your Dream....Your Home*

₹ 45 Lakhs onwards

JDA APPROVED

Actual Site Photograph

## KEY FEATURES

- Premium 3 BHK Luxury Duplex Villas
- Gated Community
- Sustainable Eco Friendly Design
- Rain Water Harvesting
- 24 hours water supply
- 10,000 sq ft Recreational Park with Kid's Play Area and Outdoor Gym
- 10,000 sqft Garden + Walking Track (KANTA VATIKA)
- Badminton Court
- Security Cameras
- Wide Internal Roads

SIDDHI

**Site Adress : Opp. Maheshwari Public School, Kalwar Road, Jaipur**

**FOR MORE DETAILS CONTACT : 9829015050, 9799922227**

RERA Reg. No.: RAJ/P/2017/249
ABHILASHA GROUP
mayfair Heights
1/2/3 BHK HOMES
JDA APPROVED
2 BHK मात्र Rs. 25 Lac सीमित समय के लिए
Ready to SHIFT
PMAY
के अन्तर्गत
Rs. 2.35/- Lac
Subsidy
1 BHK - Rs. 20 Lac
2 BHK - Rs. 25 Lac ONWARDS
3 BHK - Rs. 45 Lac ONWARDS
PRIME LOCATION
Kardhani Yojna, Govindpura,
Kalwar Road, Jhotwara, Jaipur
Call : 73400 25222
Promoters :
Bajrang Jakhotia - Manoj Moondhra

Magical Water

mediQua
Made in Korea

# Are you suffering from?

- Obesity
- Allergy
- Hyper Tension
- Arthritis
- Heart Disease
- Cancer
- Acidity
- Diabetes
- Liver Problem
- Kidney Disease

This ?

Hydrogen Rich
Ionized Alkaline Water

.... or This ?

Special Discount For Maheshwari Families

## CHANGE YOUR WATER FOR HEALTHY LIFE

For Solution of All Disease

**Magical Water Private Limited**

## CALL for DEMO : 9828270004, 9351227295, 9828034888

**SOUTH KOREA**
2nd Floor, B-dong, 5 Ra 411
Sihwa Industrial Complex, 185
Anson-si, Gyeonggi-do South Korea

**PUNE**
Mediqua India, 72-78,
United Metachem Campus,
Mundhwa Pune-411036

**JAIPUR :**
**Abhishek Maheshwari**
G-17, Off No. A-3 & B-3, Raghuraj Enclave,
Krishna Marg,C-Scheme, Jaipur

**web :** www.themagicalwater.com **email :** info@themagicalwater.com, abhishek@themagicalwater.com

स्वत्त्वाधिकारी श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के लिए प्रकाशक- मुद्रक गोपाल लाल मालपानी, महामंत्री द्वारा रेनबो प्रिन्टर्स, जयपुर से मुद्रित एवं श्री माहेश्वरी भवन, सिंघी जी का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर-302003 से प्रकाशित। सम्पादक- रामदास कोठ्यारी